राष्ट्रीय संस्करण

पाक–चीन मामलों के विशेषज्ञ लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि होंगे अगले सीडीएस
>> 3

वर्ष 9 अंक 331

दैनिक जागरण

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, रविवार, 10 मई, 2026

www.jagran.com
पृष्ठ 14

रविवार विशेष

भविष्य का भारत गढ़ रहे देश के ये विज्ञानी
• पेज–7

संपादकीय

बंगाल को पटरी पर लाने की चुनौती: बंगाल में राष्ट्रवादी विचारों वाली भाजपा

सरकार के गठन से न केवल हिंसा की राजनीतिक संस्कृति खत्म होनी चाहिए, बल्कि घुसपैठ पर भी रोक लगनी चाहिए। **संजय गुप्त** का आलेख।

प्रकृति का नियम बनता पाला बदल: तमाम अनुभवों से एक बात स्पष्ट है कि गर्मी किसी की नहीं ठहरती, फिर वह मौसम की हो या मानुष की। **मुकेश राठौर** का व्यंग्य। • पेज–8

विमर्श

फिल्म संस्थान की आवश्यकता-अपेक्षा: बिहार में स्थानीय कला प्रतिभाओं को निखारने के लिए स्थानीय स्तर पर संबंधित संस्थान की स्थापना की जानी चाहिए। **अनंत विजय** का आलेख। • पेज–9

सप्ताह का साक्षात्कार

'उद्योग, रोजगार, और थोड़ी सी 'आजादी' से आएगा बंगाल में बदलाव'

बंगाल में भारी बहुमत से जीतकर सरकार बनाने वाली भाजपा को पीएम नरेन्द्र मोदी पहले ही 'बदला नहीं बदलाव' का मंत्र दे चुके हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि यह बदलाव कैसे आएगा? बंगाल के जाने माने शिक्षाविद् और राजनीति विज्ञानी डा. उदयन बंदोपाध्याय का कहना है कि बंगाल में सही मायनों में बदलाव लाने के लिए भाजपा को नियंत्रक के बजाय नियंता (कुशल शासक) बनना होगा। सरकारी कामकाज को सहज कर उद्योग को बढ़ावा देना होगा। रोजगार के अवसर पैदा करने होंगे और लोगों को 'आजादी' देनी होगी। दैनिक जागरण की समाचार संपादक रुमनी घोष ने उनसे बंगाल में बदलाव लाने की प्रक्रिया में बाधाओं व उपायों पर आनलाइन विस्तृत चर्चा की। • पेज–13

74 साल में पहली बार भगवा बंगाल

सुवेंदु अधिकारी ने पांच मंत्रियों के साथ ली मुख्यमंत्री पद की शपथ | **269 साल पुराने परेड ग्राउंड में पहली बार गूंजा भाजपा का विजय घोष** | **केंद्र से लेकर राज्यों तक की मौजूदगी ने दिया राष्ट्रीय आयाम** | **एनडीए के घटक दलों के सभी नेताओं की मौजूदगी से नई राजनीतिक दिशा का संकेत**

जयकृष्ण वाजपेयी • जागरण

कोलकाता: इतिहास के पन्नों पर शनिवार को एक ऐसी इबारत लिखी गई, जिसकी कल्पना भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने दशकों पहले की थी। कोलकाता का ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान ऐसे राजनीतिक क्षण का साक्षी बना, जिसकी गूंज केवल बंगाल तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के क्षितिज तक सुनाई दे रही है। करीब ढाई शताब्दी पुराने इस मैदान ने औपनिवेशिक शासन, कांग्रेस तथा वामपंथी युग और तृणमूल के उदय को देखा था–अब इसी धरती पर पहली बार भाजपा सरकार के गठन का औपचारिक उद्घोष हुआ। 74 साल में पहली बार बंगाल भगवा रंग में रंग गया। मालूम हो कि वर्ष 1952 के बाद राज्य में कांग्रेस, वामपंथी दल और तृणमूल कांग्रेस का ही शासन रहा है।

ममता बनर्जी के अपराजेय होने के मिथक को दो बार तोड़ने वाले सुवेंदु अधिकारी ने राज्य के नौवें और भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेकर बंगाल की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत कर दी। राज्यपाल आरएन रवि ने सुवेंदु और पांच मंत्रियों को शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और देश के 22 राज्यों के मुख्यमंत्रियों, उपमुख्यमंत्रियों से लेकर केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए के घटक दलों के सभी प्रमुख वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में सुवेंदु ने बंगाल की सत्ता की कमान संभाल ली। यह सिर्फ एक शपथ ग्रहण समारोह नहीं था, बल्कि शक्ति प्रदर्शन, सांस्कृतिक प्रस्तुति और राजनीतिक संदेशों का संगम था। मैदान में भगवा झंडों की लहर, 'जय श्रीराम' और 'भारत माता की जय' के नारों के बीच यह जन-उत्सव में बदल गया।

सुवेंदु को योगी का भगवा साथ पेज>>4

कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शनिवार को भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी को बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाते राज्यपाल आरएन रवि। मंच पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद रहे। प्रेट्र

शपथ ग्रहण में दिखा सामाजिक समीकरणों का जबरदस्त समावेश

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के साथ पांच अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली। उनके विभागों का आवंटन अभी नहीं हुआ है, लेकिन चयन में बंगाल के भूगोल और सामाजिक ताने-बाने का विशेष ध्यान रखा गया है। दिलीप घोष की पृष्ठभूमि संघ से जुड़ी है तो अग्निमित्रा पाल दक्षिण बंगाल के साथ महिलाओं के बड़े वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। अशोक कीर्तनिया अनुसूचित जाति-मतुआ समुदाय का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वहीं, निशिथ प्रमाणिक कूचबिहार के राजबंशी (एससी) चेहरे और खुदीराम टुडू आदिवासी गौरव को स्वर दे रहे हैं।।

पोशाक में 'सांस्कृतिक संदेश' और संन्यास-सा संकल्प

सुवेंदु अधिकारी का शपथ ग्रहण के दौरान पहनावा चर्चा का केंद्र रहा। उन्होंने लाल किनारी वाली पारंपरिक सफेद बंगाली धोती के साथ भगवा रंग का आधी आस्तीन का फतुआ (कुर्ता) पहना था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह पहनावा उनके आरएसएस के प्रति जुड़ाव और सादगीपूर्ण जीवन का संदेश है। आधी आस्तीन का कुर्ता अक्सर संघ के प्रचारकों की पहचान माना जाता है। माथे पर भगवा तिलक लगाकर सुवेंदु ने यह स्पष्ट कर दिया कि उनकी सरकार 'बंगाल की संस्कृति' और 'राष्ट्रवाद' के समन्वय पर चलेगी।

कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सुवेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता माखनलाल सरकार का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। प्रेट्र

नतमस्तक प्रधानमंत्री और शहीदों को नमन

प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर आते ही सबसे पहले कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि दी, आज उनकी जयंती भी थी। इसके बाद उन्होंने ब्रिगेड में मौजूद लाखों की भीड़ की ओर मुख करके नतमस्तक होकर 'जनशक्ति' को प्रणाम किया। पीएम ने फेसबुक पर लिखा, 'मैं बंगाल की जनशक्ति के सामने सिर झुकाता हूं।' यह बंगाल की उसी संस्कृति और अस्मिता को सम्मान था, जिसे चुनाव के दौरान विपक्ष ने मुद्दा बनाया था। एक ओर जहां विजय का उल्लास था, वहीं दूसरी ओर संघर्ष की यादें भी ताजा थीं। मैदान के एक हिस्से में 'शहीद वेदी' बनाई गई थी, जहां उन भाजपा कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी गई जिन्होंने राजनीतिक हिंसा में अपनी जान गंवाई। शपथ के बाद प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से मृतक कार्यकर्ताओं देबाशीष मंडल, सौमित्र घोषाल और आनंद पाल के स्वजन से मुलाकात कर उनका ढांढस बंधाया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को कोलकाता में बंगाल सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मंच पर नतमस्तक होकर जनता का आभार जताया। एएनआइ

मंच पर 'लघु भारत' का नजारा : मोदी का वो भावुक सम्मान

समारोह में मंच पर एनडीए का पूरा कुनबा मौजूद था। यह दृश्य भारतीय राजनीति में विरला माना जा रहा है, जहां एक राज्य के शपथ समारोह को राष्ट्रीय शक्ति प्रदर्शन का मंच बना दिया गया। प्रधानमंत्री का मंच पर पहुंचना भी अपने आप में प्रतीकात्मक था। खुले वाहन में सुवेंदु अधिकारी और राज्य भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य के साथ उनका जनता का अभिवादन स्वीकार करना एक स्पष्ट संदेश था–यह सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक आधार के विस्तार का उत्सव है। सबसे भावुक क्षण वह था जब प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के 98 वर्षीय वयोवृद्ध नेता माखनलाल सरकार के पैर छुए। माखनलाल 1952 में श्याम प्रसाद मुखर्जी के साथ कश्मीर आंदोलन में जेल गए थे। प्रधानमंत्री ने उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया और पांव छूने के साथ गले लगाया, जो इस बात का प्रतीक था कि भाजपा अपने वैचारिक पुरोधाओं को कभी नहीं भूलती।

सुवेंदु की मां बोलीं– आरजी कर पीड़िता को न्याय दिलाओ

कोलकाता: बंगाल के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की मां गायत्री अधिकारी ने कहा कि वह चाहती हैं कि उनका बेटा आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल की दुष्कर्म-हत्या पीड़िता को न्याय दिलाने की दिशा में काम करे। उन्होंने कहा कि बंगाल में पहली भाजपा सरकार बनने पर जितनी खुशी उन्हें है, उससे अधिक खुशी राज्य की जनता को है। (**पेज–4**)

तमिलनाडु में अंतत : विजय की सरकार

- **वीसीके,आइयूएमएल ने दिया समर्थन, राज्यपाल ने विजय को नियुक्त किया सीएम**
- **नतीजे आने के पांच दिन तक नई सरकार को लेकर रही ऊहापोह की स्थिति**

चेन्नई, प्रेट्र : तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर पांच दिनों से चल रही अनिश्चितता शनिवार को आखिरकार समाप्त हो गई। द्रमुक की सहयोगी वीसीके और आइयूएमएल ने टीवीके को सरकार बनाने के लिए बिना शर्त समर्थन दे दिया। 121 विधायकों का समर्थन पत्र लेकर जोसेफ विजय चार दिनों में चौथी बार राज्यपाल विश्वनाथ अर्लेकर से मिले। बहुमत के दावे से आश्वस्त होने के बाद राज्यपाल ने विजय को तमिलनाडु का नया मुख्यमंत्री नियुक्त कर दिया है। वह रविवार को 10 बजे नेहरू स्टेडियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। राज्यपाल ने विजय से 13 मई तक विधानसभा में बहुमत साबित करने को कहा है।

विधानसभा चुनाव में किसी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने से तमिलनाडु में कुछ दिनों से राजनीतिक गहमा-गहमी चरम पर थी। 234 सदस्यों वाली विधानसभा में 108 सीटें जीतकर टीवीके सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। इसे सरकार बनाने के लिए 10 और विधायकों के समर्थन की आवश्यकता थी। सबसे पहले पांच विधायकों वाली कांग्रेस ने समर्थन का एलान किया। इसके बाद दो-दो विधायकों वाली भाकपा और माकपा ने भी समर्थन दे दिया। विजय फिर भी बहुमत के लिए जरूरी 118 विधायकों के जादुई आंकड़े से दूर थे।

तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शनिवार को लोक भवन में टीवीके प्रमुख सी. जोसेफ विजय को राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्ति पत्र सौंपा। प्रेट्र

विधानसभा की दलीय स्थिति

टीवीके	108
द्रमुक	59
अन्नाद्रमुक	47
कांग्रेस	5
पीएमके	4
आइयूएमएल	2
भाकपा	2
वीसीके	2
माकपा	2
भाजपा	1
डीएमडीके	1
एएमएमके	1

टीवीके को कई दिनों तक असमंजस में रखने के बाद तिरुमावलवन के नेतृत्व वाली वीसीके ने शनिवार को समर्थन का एलान कर दिया। इसके तत्काल बाद द्रमुक की एक अन्य सहयोगी पार्टी आइयूएमएल ने भी टीवीके को समर्थन दे दिया। विधानसभा में इन दोनों पार्टियों के दो-दो विधायक हैं। इस तरह टीवीके ने आखिरकार बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया।

इस बीच, एएमएमके प्रमुख टीटीवी दिनाकरन ने टीवीके पर विधायकों की खरीद-फरोख्त करने का आरोप लगाया, जिसे टीवीके ने खारिज कर दिया। टीवीके को समर्थन देने वाली कांग्रेस के विधायक हैदराबाद चले गए हैं।

आइपीएल 19 धूम धड़ाका

आज के मैच

चेन्नई सुपर किंग्स vs लखनऊ सुपर जायंट्स
दोपहर 3:30 बजे स्थान : चेन्नई

रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु vs मुंबई इंडियंस
शाम 7:30 बजे स्थान : रायपुर

प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स/जियो हाटस्टार

केरलम : पांच दिन बाद भी सीएम के नाम का एलान नहीं

तिरुअनंतपुरम : केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन चुनाव जीतकर सत्ता की बागडोर संभालने के लिए तैयार है लेकिन परिणाम आने के पांच दिन बाद भी मुख्यमंत्री पद के लिए नाम तय नहीं हो पाया है। फिलहाल तीन कांग्रेस नेता मुख्यमंत्री पद के दावेदार बनकर उभरे हैं। ये हैं– वीडी सतीशन, रमेश चेन्निथला और केसी वेणुगोपाल। आज नए मुख्यमंत्री के नाम के एलान की संभावना है। (**पेज–5**)

नई अग्नि मिसाइल ने हिंद महासागर क्षेत्र में एक साथ साधे कई निशाने

- **ओडिशा के डा. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से एमआइआरवी तकनीक से लैस 'अग्नि' मिसाइल का परीक्षण**
- **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- बढ़ते खतरों के बीच देश की रक्षा क्षमता को मिली बड़ी मजबूती**

जागरण संवाददाता, बालेश्वर

भारत ने अपनी सामरिक शक्ति को और मजबूत करते हुए ओडिशा के डा. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से शुक्रवार की रात एडवांस अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इस मिसाइल की सबसे बड़ी खासियत इसकी आधुनिक मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेड री-एंट्री व्हीकल (एमआइआरवी) तकनीक है। एमआइआरवी तकनीक का मतलब है कि एक ही मिसाइल कई लक्ष्यों पर अलग-अलग हमला कर सकती है। इस मिसाइल में कई वारहेड लगे होते हैं जिसे ट्रैक करना एयर डिफेंस सिस्टम के लिए मुश्किल होता है। मालूम हो कि हाल ही में ईरान और इजरायल युद्ध में ऐसी मिसाइलों ने जमकर तबाही मचाई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, भारतीय सेना और उद्योग जगत को सफल परीक्षण के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के बीच यह उपलब्धि भारत की रक्षा तैयारियों को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान करेगी।

यह तकनीक बेहद महत्वपूर्ण

इस परीक्षण के साथ ही भारत ने यह साबित कर दिया कि वह एक ही मिसाइल प्रणाली से कई ठिकानों को निशाना बनाने की क्षमता रखता है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, यह तकनीक आधुनिक युद्ध रणनीति में बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि इससे दुश्मन की रक्षा प्रणाली को चकमा देना आसान होता है। परीक्षण के दौरान वरिष्ठ विज्ञानी और अधिकारी भी मौजूद थे।

ओडिशा के डा. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किए गए एमआइआरवी तकनीक से लैस अग्नि मिसाइल के परीक्षण का एक दृश्य। स्रोत : डीआरडीओ

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अनुसार इस परीक्षण में मिसाइल को कई पेलोड यानी वारहेड के साथ छोड़ा गया। इन वारहेड्स को हिंद महासागर क्षेत्र में फैले अलग-अलग लक्ष्यों की ओर भेजा गया। परीक्षण के दौरान जमीन और समुद्र में तैनात कई ट्रैकिंग स्टेशनों ने मिसाइल की उड़ान पर नजर रखी गई। सभी लक्ष्यों पर वारहेड के पहुंचने तक की निगरानी की गई। आंकड़ों ने पुष्टि की कि परीक्षण के सभी उद्देश्य पूरी तरह सफल रहे।

श्रम सुधार

पांच साल के इंतजार के बाद केंद्र सरकार ने चार श्रम संहिताओं को किया लागू, सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रविधान

सप्ताह में 48 घंटे काम और ओवरटाइम के बदले नियम

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

कामकाज के घंटे को लेकर चल रही बहस के बीच केंद्र सरकार ने नए श्रम कानूनों के तहत साप्ताहिक कार्य की सीमा 48 घंटे तय कर दी है। इससे अधिक घंटे काम कराने पर श्रमिकों को ओवरटाइम देना होगा। इसके तहत श्रमिकों को निर्धारित प्रति घंटे मजदूरी का दोगुना भुगतान किया जाएगा।

प्रेट्र के अनुसार, पांच साल से अधिक के इंतजार के बाद केंद्र सरकार ने नियम प्रकाशित करके चारों श्रम संहिताओं को लागू कर दिया है। इसके तहत सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रविधान किए गए हैं। नए नियमों को सरकार के आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचित कर दिया गया है। इसके साथ ही नई श्रम व्यवस्था अब पूरे देश में लागू हो गई है। वैसे, ये श्रम संहिताएं 21 नवंबर, 2025 से प्रभावी हैं।

श्रमिकों के हक में अहम पहल। प्रतीकात्मक

मजदूरी संहिता के तहत केंद्र सरकार को न्यूनतम मजदूरी और राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी निर्धारित करने का अधिकार दिया गया है। साथ ही इनके समय पर भुगतान के तरीके भी बताए गए हैं। संविदा कर्मचारियों को बोनस का भुगतान नहीं करने के लिए ठेकेदार के बजाय मुख्य नियोक्ता को जिम्मेदार ठहराया गया है। इसमें कहा गया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में बदलाव के आधार पर महंगाई भत्ता साल में दो बार संशोधित किया जाना चाहिए। आइएएनएस के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि अधिसूचित नियमों के अभाव में श्रम संहिता के कुछ पहलू पहले लागू नहीं किए जा सके थे।

मौजूदा 29 श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं में संकलित करने का उद्देश्य दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करना और व्यवस्था को अधिक कुशल एवं आधुनिक बनाना है।

इन चार संहिताओं को किया लागू : सरकार द्वारा लागू चार श्रम संहिताओं में मजदूरी संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता, 2020 शामिल हैं।

ये नियम मुख्य रूप से उन प्रतिष्ठानों पर लागू होंगे, जहां केंद्र सरकार प्रमुख भागीदार है। जैसे-दूरसंचार, बैंकिंग और बीमा, खान, तेल क्षेत्र, प्रमुख बंदरगाह, हवाई परिवहन और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम तथा उनके ठेकेदार।

राज्य अपने नियम अधिसूचित करेंगे

राज्यों को केंद्र द्वारा अधिसूचित नियमों से प्रेरणा लेकर अपने नियम अधिसूचित करने होंगे। बंगाल अब तक एकमात्र ऐसा राज्य था, जिसने ऐसा नहीं किया था। लेकिन, भाजपा सरकार के गठन के साथ ही वह भी केंद्र के अनुरूप नियम अधिसूचित करेगा।

अब नियुक्ति पत्र देना अनिवार्य होगा

श्रम संहिताओं के प्रविधानों में नियुक्ति पत्र अनिवार्य होना, 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के श्रमिकों के लिए निश्शुल्क स्वास्थ्य जांच और विभिन्न शिफ्टों में काम करने वाली महिलाओं के लिए समान कार्य, वेतन और अवसर शामिल हैं।

मनी लांड्रिंग मामले में पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा गिरफ्तार

- **पहली बार पंजाब के किसी मौजूदा मंत्री के खिलाफ ईडी की बड़ी कार्रवाई**

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़

ईडी ने शनिवार को पहली बार पंजाब के किसी मौजूदा मंत्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मनी लांड्रिंग मामले में कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा को उनके चंडीगढ़ स्थित सरकारी निवास से गिरफ्तार कर लिया। ईडी की अलग-अलग टीमों ने सुबह सात बजे अरोड़ा के चंडीगढ़ के सेक्टर 2 स्थित सरकारी निवास के अलावा गुरुग्राम व दिल्ली स्थित प्रतिष्ठानों पर एक साथ छापे मारे। चंडीगढ़ में जब टीम ने रेड की तो वह अपने घर पर ही मौजूद थे। 10 घंटे की जांच के बाद टीम शाम पांच बजे संजीव अरोड़ा को गिरफ्तार कर दिल्ली के लिए रवाना हो गई। उनसे दिल्ली में पूछताछ की जाएगी।

लुधियाना वेस्ट से विधायक संजीव अरोड़ा के घर व प्रतिष्ठानों पर ईडी ने तीसरी बार और एक महीने में दूसरी बार रेड की है। जांच एजेंसी के मुताबिक, अरोड़ा और उनसे जुड़ी कंपनियों पर करीब 157.12 करोड़ रुपये की फर्जी बिक्री और शेल कंपनियों के जरिये फर्जी एक्सपोर्ट दिखाने के आरोप हैं।

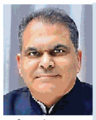

संजीव अरोड़ा। फाइल

चंडीगढ़, दिल्ली और गुरुग्राम में एक साथ मारा छापा, 10 घंटे की जांच के बाद किया गिरफ्तार

सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने का आरोप पेज>>10

11 मई से एनसीआर के मौसम में एक बार फिर से बदलाव होगा। दो दिनों तक तेज हवा चलने के साथ हल्की वर्षा हो सकती है। दोनों दिन के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार, 10 मई, 2026

आज का मौसम

रविवार को सामान्यतया आसमान साफ रहेगा। धूप भी निकली रहेगी।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
10 मई	37.0	24.0
11 मई	38.0	26.0
नोएडा		
10 मई	33.0	22.0
11 मई	34.0	24.0
गुरुग्राम		
10 मई	39.0	25.0
11 मई	41.0	26.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

सड़कों से 30 मई तक हटाने होंगे खतरनाक पेड़, किया गया सर्वे

नई दिल्ली : मानसून से पहले लोक निर्माण विभाग खतरनाक पेड़ों का सर्वे कराएगा। विभाग ने उद्यान विंग को अपने अधिकार क्षेत्र में पड़ने वाली सभी सड़कों व स्थानों पर खतरनाक पेड़ों का सर्वे कर उन्हें हटाने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने निर्देश में कहा कि मानसून से पहले सभी पेड़ों का सर्वे किया जाए और जो पेड़ खतरनाक स्थिति में हैं, अनुमति लेकर उन्हें हटाने की कार्रवाई शुरू की जाए। इस काम को मानसून से पहले पूरा कर लेने के लिए कहा गया है। (राब्यू)

कबूतरों की गंदगी पर कार्रवाई पर पीडब्ल्यूडी ने झाड़ा पल्ला

नई दिल्ली: राजधानी में कबूतरों को दाना खिलाने से फैल रही गंदगी और स्वास्थ्य संबंधी खतरे का मुद्दा अब विभागों के बीच जिम्मेदारी तय करने की लड़ाई बनता नजर आ रहा है। एनजीटी में सुनवाई के दौरान लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने साफ कह दिया कि कबूतरों की गंदगी, फुटपाथों की सफाई और अवैध दाना विक्रेताओं पर कार्रवाई उसकी जिम्मेदारी नहीं है। (जासं)

आइपीएल मैच देखकर लौट रहे दो दोस्तों की हादसे में मौत

नई दिल्ली: आइपीएल का मैच देखकर अरुण जेटली स्टेडियम से बुलेट पर लौट रहे करावल नगर के दो दोस्तों हेमंत शर्मा (33) और रोहित (31) को भजनपुरा मेट्रो स्टेशन के पास नशे में कार चालक ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक उछलकर लगभग 15 से 20 फीट दूर जाकर गिरे। पुलिस की मदद से लोग घायलों को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल लेकर गए, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरोपित चालक को गिरफ्तार कर लिया। (जासं)

वाराणसी–जयपुर से विदेश जाना हो जाएगा आसान

एसओपी जारी ▶ छोटे शहरों में चेक होगा पासपोर्ट, यात्रियों को दिल्ली में सिर्फ फ्लाइट बदलनी होगी

एयर इंडिया व इंडिगो के नए विमान बेड़े और आइजीआइ का इंफ्रास्ट्रक्चर बना 'एविएशन मास्टर प्लान' का आधार

गौतम कुमार मिश्रा ● जागरण

आइजीआइ एयरपोर्ट का टर्मिनल 3। जागरण

नई दिल्ली: भारत सरकार ने देश के नागरिक उड्डयन इतिहास का सबसे बड़ा दांव चलते हुए 'एविएशन मास्टर प्लान' को हरी झंडी दे दी है। इसके तहत सरकार ने हब एयरपोर्ट निर्माण के लिए एसओपी जारी की है। देश में पहला हब एयरपोर्ट आइजीआइ में विकसित होना है। अब छोटे शहरों से विदेश जाना बहुत आसान हो जाएगा।

अगर आप वाराणसी या जयपुर से अमेरिका या लंदन जा रहे हैं, तो पासपोर्ट–वीजा की जांच वहीं हो जाएगी। दिल्ली एयरपोर्ट पर आपको सामान लेने या लंबी कतार में लगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। दिल्ली में उतरकर और सीधे विदेश जाने वाली फ्लाइट पकड़ने की सुविधा मिल जाएगी। वापसी में भी दिल्ली सिर्फ रुकने की जगह होगी। पासपोर्ट पर मुहर यात्री के शहर के एयरपोर्ट पर ही लगेगी। इससे तीन से चार घंटे बचेंगे और दिल्ली दुबई की तरह बड़ा इंटरनेशनल अड्डा बन जाएगा।

सुरक्षा के लिए डिजीयात्रा अनिवार्य होगी और एयरलाइंस को 'नोडल आफिसर' तैनात करने होंगे। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा जारी नई एसओपी के अनुसार, दिल्ली 'हब' की भूमिका निभाएगा और अन्य शहर 'स्पोक' होंगे।

अब इमिग्रेशन की प्रक्रिया यात्रा के पहले पड़ाव (जैसे वाराणसी) पर ही पूरी कर ली जाएगी। यानी यदि आप दिल्ली होकर न्यूयार्क जा रहे हैं, तो कस्टम क्लीयरेंस वाराणसी में ही हो जाएगा। दिल्ली पहुंचने पर यात्री को अपना सामान कलेक्ट करने की जरूरत नहीं होगी, एयरलाइंस इसे सीधे अंतरराष्ट्रीय विमान में ट्रांसफर कर देंगी।

विदेशी एयरलाइंस के एकाधिकार पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' : अब तक एमिरेट्स, कतर एयरवेज और सिंगापुर एयरलाइंस जैसी कंपनियां भारतीय यात्रियों को अपने देशों के हब ले जाकर भारी राजस्व कमाती थीं।

भारत का अपना वैश्विक हब न होने से भारी 'रेवेन्यू लीकेज' हो रहा था। इस मास्टर प्लान से अब भारतीय पैसा और यात्री, दोनों देश में ही रहेंगे। इसके लिए एयर इंडिया ने 470 विमानों का ऐतिहासिक आर्डर दिया है, जबकि विस्तारा के विलय और इंडिगो के बढ़ते बेड़े ने भारत को लंबी दूरी की उड़ानों के लिए तैयार कर दिया है।

एसओपी से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें

सिंगल चेक–इन सुविधा: छोटे शहरों से ही इमिग्रेशन और कस्टम्स की प्रक्रिया पूरी होगी।

स्मार्ट बोर्डिंग पास: यात्रियों को 'आई' यानी इंटरनेशनल और 'डी' यानी डोमेस्टिक इंडिकेटर वाले विशेष पास मिलेंगे, ताकि एयरपोर्ट पर पहचान आसान हो।

डिजीयात्रा अनिवार्य: यात्रियों के लिए 'डिजीयात्रा' एप जरूरी होगा। दिल्ली में बायोमीट्रिक पहचान के जरिये डेटा सत्यापित होगा।

सुरक्षा मानक: ट्रांजिट के दौरान दिल्ली में एक 'सेकेंडरी सिक्योरिटी स्क्रीनिंग' अनिवार्य होगी, ताकि सुरक्षा में कोई चूक नहीं हो।

नोएडा एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें दिसंबर से, अभी टर्मिनल तैयार नहीं

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से साल के अंत तक अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं शुरू हो जाएंगी। एयरपोर्ट के इंटरनेशनल टर्मिनल का कार्य सितंबर अंत तक पूरा हो जाएगा। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो से सिक्योरिटी क्लीयरेंस के बाद अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू की जाएंगी। एयरपोर्ट से घरेलू विमान सेवा 15 जून से शुरू होने जा रही हैं। नोएडा एयरपोर्ट से घरेलू विमान सेवा के लिए इंडिगो 15 जून से फ्लाइट शेड्यूल जारी कर चुका है। अकासा एयर की फ्लाइट भी 16 जून से शुरू हो जाएंगी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा साल के अंत तक ही शुरू हो पाएंगी। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. (यापल) ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. (नायल) को भरोसा दिया है कि इंटरनेशनल टर्मिनल का कार्य सितंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। नायल के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का फिनिशिंग कार्य चल रहा है। सितंबर तक यह कार्य पूरा हो जाएगा।

डीडीसीए का पदाधिकारी बन कर रहे थे टिकटों की कालाबाजारी, तीन गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने आइपीएल मैचों की टिकटों व काम्प्लीमेंट्री पास की बड़े पैमाने पर कालाबाजारी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश तीन आरोपित को गिरफ्तार किया है।

ये अरुण जेटली स्टेडियम के बाहर स्थित पेट्रोल पंप के बाहर सरेआम टिकटों व काम्प्लीमेंट्री पास मोटी रकम में बेच रहे थे। जब में पता चला है कि स्टेडियम के कमरा नंबर नौ में काम्प्लीमेंट्री पास व टिकटों की हेराफेरी होती थी। पुलिस अधिकारी का कहना है कि काम्प्लीमेंट्री पास बिना डीडीसीए के अधिकारियों की मिलीभगत से बाहर नहीं आ सकता, इसलिए पुलिस डीडीसीए के वर्तमान सचिव व पूर्व संयुक्त सचिव, अकाउंट्स से जुड़े लोगों और अन्य पदाधिकारियों को नोटिस भेजकर उनसे पूछताछ करेगी। आरोपित के पास से 54 टिकट, 33 काम्प्लीमेंट्री पास और 25 हजार नकद बरामद हुए हैं।

डीसीपी क्राइम ब्रांच संजीव कुमार यादव का कहना है कि क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि आइपीएल मैचों के दौरान टिकटों को ऊंचे दामों पर बेचने वाला एक सक्रिय गिरोह स्टेडियम के बाहर टिकटों की कालाबाजारी कर कर रहा है। इस पर पुलिस टीम ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

पश्चिमी दिल्ली पुलिस उपायुक्त का पीए निकला रंगदारी का मास्टरमाइंड

मुकेश ठाकुर ● जागरण

▶ गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई के नाम से पंजाबी बाग के उद्योगपति से वसूले थे दो करोड़

नई दिल्ली : गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई के नाम पर एक उद्योगपति से पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के हाई प्रोफाइल मामले में दिल्ली पुलिस के एक एसआइ की भूमिका सामने आई है। पश्चिमी दिल्ली पुलिस उपायुक्त के पीए के रूप में तैनात एसआइ प्रदीप कुमार को रंगदारी की साजिश का मास्टरमाइंड पाया गया है। आरोप है कि उद्योगपति को गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई के नाम से दो करोड़ की वसूली भी कर ली गई थी। जब सहयोगियों की गिरफ्तारी शुरू हुई तो आरोपित फरार हो गया।

दरअसल, यह पूरा मामला हरियाणा के बहादुरगढ़ स्थित सेक्टर–6 थाना में 22 अप्रैल को दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है। शिकायतकर्ता देवेंद्र कुमार पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके के निवासी हैं और बहादुरगढ़ में स्थित एक्वालाइट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 16 अप्रैल को उन्हें अंतरराष्ट्रीय नंबर से व्हाट्सएप काल आई थी। कालर ने खुद को रणदीप मलिक बताते हुए लारेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया और कहा कि उनका कारोबार काफी बढ़ चुका है, लेकिन उन्होंने अब तक कोई प्रोटेक्शन मनी नहीं दी है। कालर ने सीधे पांच करोड़ रुपये की मांग की। 18 अप्रैल को फिर काल आई तो वह दो करोड़ रुपये देने को तैयार हो गए। आरोपितों ने पहले क्रिप्टोकरेंसी (यूएसडीटी) के जरिये रकम भेजने की बात कही, लेकिन बाद में उद्योगपति को रोहिणी स्थित काली माता मंदिर के पास बुलाया गया। उद्योगपति कार में दो करोड़ रुपये लेकर बताए गए स्थान पर पहुंचे। वहां एक स्कूटी सवार नकाबपोश युवक उन्हें किसी मकान में ले गया, जहां नकदी देकर वे चले गए। इसके बाद 21 अप्रैल को फिर काल कर बाकी रकम देने का दबाव बनाया गया, जिसके बाद उद्योगपति ने बहादुरगढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान तकनीकी सर्विलांस और इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों के आधार पर सबसे पहले प्रदीप के एक करीबी सहयोगी को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद एक–एक कर इस साजिश से जुड़े छह लोगों को गिरफ्तार किया गया।

1984 सिख दंगे में 42 वर्ष बाद पीड़ित को सरकारी नौकरी का रास्ता साफ

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : वर्ष 1984 सिख विरोधी दंगों में अपने माता–पिता को खोने वाले एक पीड़ित को 42 साल बाद सरकारी नौकरी मिलने का रास्ता साफ हुआ है। दिल्ली हाई कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद दिल्ली सरकार ने 53 वर्षीय पीड़ित पंकज बख्शी के नाम की सिफारिश नौकरी के लिए कर दी है। यह नियुक्ति केंद्र की 2006 की उस योजना के तहत की जा रही है, जिसमें दंगा पीड़ितों को रोजगार का प्रविधान है।

न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि जिला मजिस्ट्रेट, सेंट्रल नार्थ कार्यालय ने 24 अप्रैल 2026 को दो दंगा पीड़ितों के मामलों की सिफारिश रोजगार के लिए की है, जिनमें एक मामला पंकज बख्शी का है। अदालत ने निर्देश दिया कि इस सिफारिश पर छह सप्ताह के भीतर कार्रवाई की जाए और याचिकाकर्ता को इसकी सूचना दी जाए। पंकज बख्शी ने वर्ष 2021 में हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर दिल्ली सरकार को रोजगार देने का निर्देश जारी करने की मांग की थी। अदालत को बताया गया कि पंकज बख्शी के पिता की एक नवंबर 1984 को मंगोलपुरी स्थित घर में दंगों के दौरान हत्या कर दी गई थी।

आतंकी हमलों की साजिश के बाद दिल्ली में अलर्ट, भाजपा मुख्यालय की बढ़ाई सुरक्षा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ भाजपा मुख्यालय के आसपास पुलिस के अलावा अर्द्धसैनिक बलों के जवान तैनात

▶ राजधानी के मंदिरों व अन्य संवेदनशील स्थानों पर भी बढ़ाई गई सुरक्षा

डीडीयू मार्ग पर सुरक्षा के मददेनजर तैनात पुलिसकर्मी। जागरण

राजधानी में आतंकी हमले के खतरे को देखते हुए दिल्ली में अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद डीडीयू मार्ग स्थित भाजपा मुख्यालय के अलावा बड़े मंदिरों और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। भाजपा मुख्यालय के आसपास दिल्ली पुलिस के अलावा अर्द्धसैनिक बलों के जवानों की तैनाती कर दी गई है।

सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली पुलिस को खुफिया जांच एजेंसियों से पता चला है कि आतंकी सुसाइड बाम्बर, कार बम, शूटआउट व आइईडी हमले जैसी साजिश कर सकते हैं। संभावित खतरे को देखते हुए पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। बता दें कि राजधानी पहले भी आतंकियों के निशाने पर रही है। 13 दिसंबर 2001 को जैश ए मोहम्मद के आतंकियों ने संसद भवन पर हमला किया था। विस्फोटकों और आटोमैटिक हथियारों लैस आतंकी संसद भवन परिसर में घुस गए थे। हमले में सुरक्षाकर्मियों समेत कई लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद 2005 में दीवाली व ईद से ठीक पहले सरोजिनी नगर और पहाड़गंज समेत कई जगहों पर सीरियल ब्लास्ट हुए थे। ब्लास्ट में कई लोग मारे गए थे। 2011 में दिल्ली हाई कोर्ट के गेट नंबर पांच के बाहर बड़ा ब्लास्ट हुआ था। यह हमला उस वक्त हुआ था, जब सुबह अदालत में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इससे एक साल पहले 2010 में आतंकियों ने जामा मस्जिद के पास गोलीबारी की थी। इस हमले में विदेशी नागरिक घायल हुए थे। 2008 में दिल्ली के कनाट प्लेस, करोलबाग, ग्रेटर कैलाश जैसे इलाकों में एक के बाद एक धमाके हुए थे. इन धमाकों में कई लोगों की मौत हुई थी। बीते साल लाल किला के पास 10 नवंबर की शाम कार में धमाका हुआ था। जिसमें 15 लोगों की जान चली गई थी और 35 लोग घायल हुए थे।

संवेदनशील कस्टम डाटा चोरी कर चीन समेत अन्य देशों को बेचा

राकेश कुमार सिंह ● जागरण

▶ चीन, भारत व अन्य देशों की करीब 70 वेबसाइटों पर हुआ डाटा का लेनदेन

▶ डाटाबेस में आयातकों–निर्यातकों, लाजिस्टिक्स व व्यापारिक लेनदेन की संवेदनशील जानकारी

नई दिल्ली : देश के राजस्व और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अत्यंत संवेदनशील कस्टम डाटा की चोरी कर चीन सहित अन्य देशों की करीब 70 वेबसाइटों को बेचे जाने का मामला सामने आया है। इस डाटा में कई ऐसी संवेदनशील जानकारियां थीं, जिसका असर व्यापारिक प्रतिस्पर्धा, विदेशी व्यापार और आर्थिक सुरक्षा पर पड़ सकता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआइसी) की शिकायत पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अज्ञात के खिलाफ डाटा चोरी का मुकदमा दर्ज कर गोपनीय जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक जांच में कस्टम विभाग के कुछ अधिकारी और कर्मचारी डाटा चोरी के इस प्रकरण में शक के दायरे में हैं।

एफआइआर के अनुसार, सीबीआइसी के इलेक्ट्रानिक सिस्टम जैसे आइसगेट एप्लीकेशन, आइसीइएस, ईसीसीएस और एसीइएस–जीएसटी में कस्टम विभाग का संवेदनशील डाटा रहता है। इसमें आयातकों–निर्यातकों, लाजिस्टिक्स, मूल्य निर्धारण, सोर्सिंग पैटर्न, सप्लायर नेटवर्क और व्यापारिक लेनदेन जैसी जानकारी भी रहती है। इसलिए ये सिस्टम भारत सरकार द्वारा 'प्रोटेक्टेड सिस्टम' हैं और केवल अधिकृत अधिकारियों को ही इस सिस्टम तक जाने की अनुमति होती है। सूत्रों के मुताबिक इलेक्ट्रानिक्स और आइटी मंत्रालय के तहत कार्यरत सीईआरटी–इन (साइबर सुरक्षा एजेंसी) को कस्टम का डाटा चोरी होने का शक हुआ। जांच की गई तो चीन सहित अन्य देशों की 70 वेबसाइटों को डाटा बेचे जाने की बात सामने आई है। यही नहीं इन वेबसाइटों से डाटा खरीदकर उसका विश्लेषण किया गया, तो उसमें सैंपल डाटा सरकारी रिकार्ड से मेल खा रहा है।

हापुड़ में महाराणा प्रताप जयंती की शोभायात्रा में भड़की हिंसा, कई घायल

जागरण संवाददाता, हापुड़

▶ धौलाना क्षेत्र के गांव देहरा में मामूली कहासुनी के बाद बिगड़ा मामला

हिंसा के दौरान मकान की छतों पर चढ़ते युवक।

महाराणा प्रताप जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा शनिवार को धौलाना क्षेत्र के गांव देहरा में हिंसा की भेंट चढ़ गई। मामूली कहासुनी ने कुछ ही मिनटों में ऐसा विकराल रूप ले लिया कि पूरा गांव रणक्षेत्र में तब्दील हो गया।

दो समुदायों के लोग आमने–सामने आ गए और फिर जमकर पथराव, मारपीट तथा तोड़फोड़ हुई। उपद्रवियों ने दुकानों, मकानों, बाइकों और अन्य वाहनों को निशाना बनाया। हिंसा में कई युवक घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस–प्रशासन के हाथ–पांव फूल गए। आनन–फानन में कई थानों की फोर्स मौके पर भेजी गई। एडीजी भानु भास्कर, डीएम कविता मीना और एसपी ज्ञानंजय सिंह समेत तमाम अधिकारी गांव पहुंच गए और देर शाम तक हालात काबू करने में जुटे रहे। गांव में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है तथा पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस बार भी साठा–चौरासी क्षेत्र में भव्य शोभायात्रा निकाली गई थी। शनिवार दोपहर बुलंदशहर के गुलावठी से शुरू हुई इस यात्रा में हजारों युवक बाइक, कार और डीजे के साथ शामिल हुए। शोभायात्रा गांव देहरा पहुंची, जहां महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का समापन होना था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार्यक्रम समाप्त होने के बाद अधिकांश लोग लौटने लगे थे। इसी दौरान शोभायात्रा में शामिल एक युवक पास की दुकान पर गुटखा लेने पहुंचा। वहां किसी स्थानीय युवक की टिप्पणी को लेकर कहासुनी हो गई। पहले दोनों पक्षों में बहस हुई और फिर देखते ही देखते मामला हिंसक झड़प में बदल गया। कई लोग छतों पर चढ़ गए और वहां से भी पथराव शुरू कर दिया गया। हालात इतने बेकाबू हो गए कि लोग जान बचाने के लिए इधर–उधर भागते नजर आए। उपद्रव के दौरान कई दुकानों और मकानों में तोड़फोड़ की गई। सड़क किनारे खड़ी बाइकों और अन्य वाहनों को क्षतिग्रस्त किया गया।

एसी सर्विस सेंटर में आग से फटे कंप्रेसर और सिलिंडर, बुजुर्ग की मौत

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

▶ शुक्रवार देर रात गाजियाबाद के पटेल नगर में दो मंजिला सर्विस सेंटर में हुई घटना, 12 वाहन भी जले

गाजियाबाद के पटेल नगर में जीडीए पुलिस कालोनी के पास शुक्रवार देर रात दो मंजिला एसी सर्विस सेंटर में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि सेंटर के अंदर मौजूद गैस सिलिंडर (एसी में डालने वाली गैस)और कंप्रेसर तेज धमाके के साथ फटने लगे। सेंटर में रह रहे 11 कर्मी सुरक्षित बाहर निकल गए थे, लेकिन उनमें से एक अयोध्या खंडासा के 70 वर्षीय कर्मचारी त्रिलोकी नाथ मोबाइल लेने अंदर चले गए। इससे दम घुटने से उनकी मौत हो गई। आठ अग्निशमन की गाड़ियों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से पास में खड़े 12 वाहन भी जल गए। भूतल पर शार्ट सर्किट से आग लगने का अंदेशा जताया जा रहा है।

पटेल नगर में जीडीए पुलिस कालोनी के पास पिलखुवा के गांव मसौता के ओंकार सिंह का आन स्पाट एयरकंडीशनर नामक सर्विस सेंटर है। यहां अलग–अलग तल पर एसी के विभिन्न काम होते थे। कर्मचारी मुकेश मिश्रा के अनुसार, दिन में काम करने के बाद कुछ कर्मचारी सेंटर में ही रुकते थे। शुक्रवार देर रात करीब 2:30 बजे भूतल पर आग लग गई। इस वक्त सेंटर में 11 कर्मचारी थे। नीचे मेनगेट पर ताला लगा था। चाबी नहीं मिली तो कर्मचारियों ने गेट का ताला तोड़ निकल गए।

पटेल नगर थर्ड स्थित एसी सर्विस सेंटर में आग के दौरान धमाके से उड़े टीनशेड। वीडियो ग्रैब

न्याय की गति ने दिखाई राह

बाहरी–उत्तरी जिला पुलिस त्वरित कार्रवाई कर पेश कर रही मिसाल, बच्ची से दुष्कर्म में नौ दिन में चार्जशीट और नौ महीने में सजा भी दिला चुकी

दुष्कर्म के आठ मामलों में 15 दिन में चार्जशीट दाखिल

स्वदेश कुमार ● जागरण

नई दिल्ली: जब व्यवस्था ठान ले, तो न्याय मिलने में सालों का इंतजार नहीं करना पड़ता। दिल्ली की बाहरी–उत्तरी जिला पुलिस ने पिछले कुछ महीनों में यह साबित कर दिया है। झपटमारी के मामले में पांच दिन में आरोपपत्र दाखिल कर 18वें दिन दोषसिद्धि कराने वाले इस जिले में पिछले करीब एक साल में पाक्सो से जुड़े मामलों में भी कीर्तिमान स्थापित किया है। यह न्याय दिलाने की गति, पुलिस के लिए नई राह दिखा रही है। यहां की पुलिस ने पाक्सो से जुड़े आठ मामलों में 15 दिन के भीतर कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी है।

बवाना थाना इलाके में दो साल की बच्ची से दुष्कर्म मामले में तो पुलिस ने नौ दिन में ही चार्जशीट दाखिल कर दी। इसके बाद ट्रायल कोर्ट में 28 सुनवाई हुई और नौवें महीने में दोषी को 20 साल की कैद और 10 लाख जुर्माने की सजा सुना दी गई। जबकि,

प्रतीकात्मक

हमारा उद्देश्य केवल केस दर्ज करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि न्याय में देरी न हो। हम कोर्ट से भी लगातार संपर्क में रहते हैं ताकि संवेदनशील मामलों की सुनवाई जल्द हो सके।

– हरेश्वर वी स्वामी, पुलिस उपायुक्त

राजधानी में पाक्सो के केस में ट्रायल पूरा होने में औसतन साढ़े चार साल लगते हैं। वैसे पाक्सो के तहत पुलिस को दो महीने में चार्जशीट पेश करनी होती है और इसके एक साल के भीतर ट्रायल पूरा होना चाहिए। लेकिन लंबित मामलों की संख्या अधिक होने के कारण ट्रायल पूरा होने में समय लगता है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, जिले में पाक्सो मामलों की जांच के लिए पुलिस उपायुक्त के निर्देशन में एक सहायक पुलिस आयुक्त, इंस्पेक्टर, सब–इंस्पेक्टर और हेड कांस्टेबल की विशेष जांच टीम गठित (एसआइटी) की गई है, जो विधि विशेषज्ञों के साथ मिलकर मामले की जांच के बाद त्वरित गति से चार्जशीट करती है। हर मामले में इस एसआइटी को लगा दिया जाता है। आरोप पत्र दाखिल करते समय, जांच अधिकारी व पुलिस उपायुक्त द्वारा कोर्ट और मुख्य अभियोजक को मामले के त्वरित निपटान हेतु प्रतिदिन सुनवाई के लिए एक औपचारिक अनुरोध प्रस्तुत किया जाता है। प्रत्येक सुनवाई पर थानाप्रभारी, जांच अधिकारी, पीड़ितों और मुख्य गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाती है। इससे स्थगन में कमी आती है।

एशियाइ देशों के हालीडे पैकेज बेचने के नाम 500 लोगों से सात करोड़ की ठगी

जागरण संवाददाता, नोएडा

▶ सेक्टर 24 थाना पुलिस ने गिरोह के तीन ठगों को किया गिरफ्तार

छह साल से बाली, मलेशिया समेत अन्य एशियाई देशों के सस्ते हालीडे पैकेज बेचने के नाम पर ठगने वाले गिरोह के तीन ठगों को सेक्टर 24 थाना पुलिस ने गिफ्तार किया है। इनके पास से पर्यटन मंत्रालय के तीन फर्जी आइकार्ड, 180 विजिटिंग कार्ड, 14 मोहर, 15 एमओए, तीन मोबाइल, कार व 7100 रुपये बरामद हुए। आरोपितों ने 2019 में फर्जी कंपनी बनाकर हरियाणा में ठगी की शुरूआत की थी। हालांकि लोगों के शिकायत करने पर सेटलमेंट कर नोएडा में कार्यालय खोलकर ठगी शुरू कर दी। अब तक 500 से ज्यादा लोगों से सात करोड़ से ज्यादा की ठगी कर चुके हैं। तीनों आरोपित स्नातक हैं।

दिल्ली सौरभ विहार के मोहम्मद इमरान, श्रावस्ती के कोर्ट रिसायत कालोनी के अभय कुमार व बलिया के भीगू आश्रम के शैलेंद्र सिंह ने मार्च 2019 में रेंजर्स क्लब के नाम से टूर एंड ट्रैवल कंपनी बनाई थी। शुरुआत में हरियाणा के होटलों में शिविर लगाकर 81 हजार रुपये में 40 दिन के पैकेज बेचे, जिनकी अवधि पांच साल होती थी। टूर ने मिलने पर करनाल के सनी खुराना समेत ग्राहकों ने उपभोक्ता निवारण आयोग में शिकायत की तो पीड़ितों से सेटलमेंट कर लिया। पिछले कुछ समय से तीनों नोएडा समेत एनसीआर में लोगों को 1.80 लाख से 2.10 लाख में दस वर्षीय हालीडे पैकेज बेचने लगे। दिसंबर 2025 में सेक्टर 55 के राकेश को भूटानी माल में कंपनी कर्मी हिदायतुल्लाह ने 2.10 लाख रुपये का पैकेज बेचा।

1.22 करोड़ की साइबर ठगी का पर्दाफाश, खाता मुहैया कराने वाले तीन गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए गए अभियान में दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने तीन अलग–अलग राज्यों में छापेमारी कर तीन शातिर ठगों को दबोचा है। इनकी गिरफ्तारी से पुलिस ने आइपीओ इन्वेस्टमेंट, डिजिटल अरेस्ट और फारेक्स ट्रेडिंग जैसे अपराधों का पर्दाफाश किया है। शातिरों ने पीड़ितों से 1.22 करोड़ से अधिक ठगे थे।

डीसीपी आदित्य गौतम के मुताबिक लक्ष्मी नगर निवासी एक व्यक्ति से पिछले साल 30 मई को स्टाक मार्केट और आइपीओ में निवेश के नाम पर 46.66 लाख रुपये ठग लिए गए थे। ठगों ने वाट्सएप ग्रुप के जरिये पीड़ित को भारी मुनाफे का लालच दिया था। शिकायत मिलने पर पुलिस ने जांच के बाद सूरत से राजेश रत्नभाई हाडिया नाम के आरोपित को गिरफ्तार किया।

3 हजार किलोवाट के दो डीजल इंजनों द्वारा संचालित भारतीय तटरक्षक बल का 'अचल' पोत 27 समुद्री मील प्रति घंटे की रफ्तार से गश्त करने में सक्षम है। इसकी परिचालन क्षमता 1,500 समुद्री मील है।

पाक-चीन मामलों के विशेषज्ञ लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि होंगे अगले सीडीएस

जनरल अनिल चौहान की लेंगे जगह, 30 मई को सीडीएस चौहान का कार्यकाल हो रहा है पूरा

सुब्रमणि तीसरे सीडीएस, पहले दो सीडीएस स्व. बिपिन रावत व अनिल चौहान भी थलसेना से ही रहे

लेफ्टिनेंट जनरल (रिटा.) एनएस राजा सुब्रमणि। फाइल/ एएनआइ

नई दिल्ली, प्रेट्र : लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एनएस राजा सुब्रमणि को भारत का अगला चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त किया गया है। उनका मुख्य कार्य महत्वाकांक्षी मिलिट्री थिएटराइजेशन प्लान को लागू करना और ट्राई-सर्विसेज समन्वय को मजबूत करना होगा। ले. जनरल सुब्रमणि सीडीएस जनरल अनिल चौहान की जगह लेंगे, जिनका विस्तारित कार्यकाल 30 मई को समाप्त हो रहा है। पाकिस्तान और चीन मामलों के विशेषज्ञ के रूप में जाने जाने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि पिछले साल 31 जुलाई को सेना के उप प्रमुख पद से सेवानिवृत्त हुए थे। वह फिलहाल राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के नेतृत्व वाले नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल सेक्रेटेरिएट (एनएससीएस) में मिलिट्री एडवाइजर हैं। उन्हें पिछले साल एक सितंबर को इस पद पर नियुक्त किया गया था। खास बात यह है कि पहले दो सीडीएस स्व. जनरल बिपिन रावत और जनरल अनिल चौहान भी थलसेना से ही बने।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सरकार ने ले. जनरल सुब्रमणि का सीडीएस के पद पर चयन किया है और वह रक्षा मंत्रालय के सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे। उन्होंने अपने 40 वर्षों के करियर में विभिन्न प्रोफाइल में सेवा की और कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वह पाकिस्तान और चीन दोनों के खिलाफ अहम आपरेशनल भूमिकाएं निभा चुके हैं। उन्होंने पूर्वोत्तर में कई काउंटर इंसर्जेंसी आपरेशंस की भी अगुआई की है। एक जुलाई 2024 से 31 जुलाई 2025 तक सेना के उप प्रमुख रहे और मार्च 2023 से जून 2024 तक केंद्रीय कमान के जनरल आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ रहे। ले. जनरल सुब्रमणि को परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, सेना मेडल और विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) और इंडियन मिलिट्री एकेडमी से पढ़ाई की है। उन्हें 14 दिसंबर 1985 को गढ़वाल राइफल्स की आठवीं बटालियन में कमीशन मिला था। वह नेशनल डिफेंस कालेज नई दिल्ली के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने लंदन के किंग्स कालेज से मास्टर आफ आर्ट्स की डिग्री और मद्रास विश्वविद्यालय से रक्षा अध्ययन में एमफिल की डिग्री प्राप्त की है।

वाइस एडमिरल स्वामीनाथन नए नौसेना प्रमुख नियुक्त

वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन नए नौसेना प्रमुख नियुक्त किए गए हैं। वह एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी का स्थान लेंगे जो 31 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। वाइस एडमिरल स्वामीनाथन वर्तमान में पश्चिमी नौसेना कमान का नेतृत्व कर रहे हैं। नौसेना प्रमुख के रूप में वाइस एडमिरल स्वामीनाथन का ध्यान बल के चल रहे आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाने पर होगा। उन्होंने एक जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन प्राप्त कर किया था। परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल और विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त स्वामीनाथन ने अपने नौसेना करियर में कई महत्वपूर्ण संचालन, स्टाफ और प्रशिक्षण पदों पर कार्य किया है।

वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन। फाइल/ एएनआइ

पशु क्रूरता के 9,000 से अधिक मामले दर्ज, महाराष्ट्र में हुईं सर्वाधिक घटनाएं

- एनसीआरबी ने पहली बार पशुओं के प्रति अपराध व क्रूरता को 'क्राइम इन इंडिया 2024' में शामिल किया
- अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा में कोई भी मामला दर्ज नहीं हुआ

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने पहली बार अपने वार्षिक डाटाबेस 'क्राइम इन इंडिया 2024' में पशुओं के प्रति अपराध और क्रूरता के मामलों को शामिल किया है। इसमें देशभर में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत कुल 9,039 मामले दर्ज किए गए हैं।

ये आंकड़े पशु अधिकार कार्यकर्ताओं द्वारा इस संबंध में लगातार की जा रही मांगों के बीच आए हैं, जो लंबे समय से कहते रहे हैं कि जानवरों द्वारा मनुष्यों पर किए जाने वाले हमलों का दस्तावेजीकरण किया गया है, लेकिन जानवरों के प्रति क्रूरता को दर्शाने वाला कोई आधिकारिक राष्ट्रव्यापी डाटाबेस नहीं है। एनसीआरबी की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र में 2024 में ऐसे मामलों की संख्या सबसे अधिक 2,927 दर्ज की गई। केंद्र शासित प्रदेशों में जम्मू-कश्मीर में सबसे अधिक 223 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद दिल्ली में 35 मामले दर्ज किए गए।

राज्यवार आंकड़ों के अनुसार, तेलंगाना में इस अधिनियम के तहत 1,890 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद केरल में 1,510 मामले और उत्तर प्रदेश में 1,121, कर्नाटक में 320, तमिलनाडु में 259 और गुजरात में 181 मामले दर्ज किए गए। एनसीआरबी के अनुसार, 2024 में अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा में कोई भी मामला दर्ज नहीं किया गया। पशु अधिकार कार्यकर्ता मेनका गांधी ने एनसीआरबी द्वारा पशु क्रूरता के मामलों को अपनी वार्षिक अपराध रिपोर्ट में शामिल करने के निर्णय का स्वागत किया।

बच्चों के खिलाफ अपराधों में बढ़ोतरी : एनसीआरबी के आंकड़ों से पता चलता है कि बच्चों के खिलाफ अपराधों में वृद्धि जारी है, जबकि देश में कुल अपराधों में कमी आई है। 2024 में भारत में बच्चों के खिलाफ कुल 1,87,702 अपराधों के मामले दर्ज किए गए, जो 2023 में 1,77,335 मामलों की तुलना में 5.8 प्रतिशत की वृद्धि है। इसके विपरीत भारत में कुल अपराधों में पिछले चार वर्षों में लगभग 10.8 प्रतिशत की कमी आई है जो 2020 में 66.01 लाख मामलों से घटकर 2024 में 58.86 लाख मामलों पर आ गई। हालांकि इसी अवधि के दौरान बच्चों के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है जो 2020 में 1,28,531 मामलों से बढ़कर 2024 में 1.87 लाख मामलों तक पहुंच गई।

आंकड़ों के अनुसार, 2024 में भारत में बच्चों के खिलाफ होने वाले हर 10 साइबर अपराधों में से नौ में बच्चों को दर्शाने वाली यौन सामग्री के प्रकाशन या प्रसारण का मामला शामिल था। इस साल बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों के संबंध में आइटी एक्ट के तहत 1,238 मामले दर्ज किए गए, जो बच्चों के खिलाफ सभी अपराधों का लगभग 0.7 प्रतिशत है। 1,099 मामलों में बच्चों को यौन रूप से स्पष्ट कृत्यों में दर्शाने वाली सामग्री को प्रकाशित करना या प्रसारित करना शामिल था, जबकि अन्य सभी श्रेणियों को मिलाकर केवल 139 मामले सामने आए।

न्यूनतम वेतन का सर्वाधिक उल्लंघन छत्तीसगढ़, ओडिशा व झारखंड में

- देश के लगभग एक चौथाई अस्थायी कार्यबल को कानूनी न्यूनतम वेतन से मिलता है कम भुगतान
- कम वेतन पाने वाले अस्थायी श्रमिकों में 45% महिलाएं, जबकि कुल कार्यबल में उनकी हिस्सेदारी महज 25%

नई दिल्ली, एएनआइ: भारत के लगभग एक चौथाई अस्थायी कार्यबल को कानूनी न्यूनतम वेतन से कम भुगतान मिलता है। भारतीय स्टेट बैंक यानी एसबीआइ द्वारा जारी एक शोध रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। यह रिपोर्ट नवीनतम पीरियडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) 2025 के आंकड़ों पर आधारित है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में वेतन नियमन के तरीके में विशाल अंतर को उजागर किया है। महिला श्रमिक सभी कम वेतन पाने वाले अस्थायी श्रमिकों का 45 प्रतिशत हिस्सा हैं, जबकि कुल अस्थायी कार्यबल में उनकी हिस्सेदारी केवल 25 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्यों को न्यूनतम वेतन अधिनियम को सख्ती से लागू करना चाहिए।

छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड उन क्षेत्रों के रूप में उभरे हैं जहां सबसे अधिक उल्लंघन होते हैं। छत्तीसगढ़ में लगभग 70% अस्थायी श्रमिक कानूनी न्यूनतम से कम कमा रहे हैं। इसके बाद ओडिशा में यह आंकड़ा 66% और झारखंड में 65% का है। आंकड़ों से पता चलता है कि इन विशेष क्षेत्रों में अस्थायी श्रमिकों का अधिकांश हिस्सा राज्य द्वारा वादे किए गए बुनियादी वित्तीय सुरक्षा के बिना काम कर रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 25 प्रतिशत अस्थायी श्रमिक कानूनी रूप से निर्धारित दरों पर नहीं कमा रहे हैं। अस्थायी श्रमिकों के बीच न्यूनतम वेतन अनुपालन में राज्य स्तरों पर बड़ी असमानताएं हैं।

पंजाब में लगभग 37.19 प्रतिशत अस्थायी कार्यबल न्यूनतम वेतन के स्तर से नीचे कमा रहा है। इसके विपरीत तमिलनाडु (4.58%) और तेलंगाना (0.36%) जैसे राज्यों ने अस्थायी कार्यबल के लिए न्यूनतम वेतन के मामले में बहुत अधिक अनुपालन दिखाया। आंध्र प्रदेश ने इस श्रेणी में कोई उल्लंघन नहीं दर्ज किया।

सरकारी विभाग के सभी अनुबंधित श्रमिकों को समय पर वेतन-सामाजिक सुरक्षा देने का निर्देश

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- वित्त मंत्रालय ने जारी किए निर्देश, ऐसा नहीं करने पर ठेकेदार को काली सूची में डाला जाएगा, फर्म को तीन साल काम नहीं मिलेगा
- सभी भुगतान डिजिटल होंगे, दैनिक मजदूर के रूप में कोई काम कर रहा है तो उसकी शिफ्ट के खत्म होते ही उसे भुगतान देना होगा

श्रमिक कल्याण की दिशा में बड़ा कदम। प्रतीकात्मक

श्रम कानून से जुड़ी नई संहिता के लागू होने के बाद सरकारी विभाग में अनुबंध पर काम कर रहे श्रमिकों को समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के लिए वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने निर्देश जारी किया है। इस निर्देश के तहत सभी मंत्रालयों, सरकारी विभागों व कंपनियों और अन्य सरकारी प्रतिष्ठानों में अनुबंध पर काम करने वालों को समय पर वेतन नहीं मिलने पर ठेकेदार को काली सूची में डाल दिया जाएगा। उस ठेकेदार को किसी भी विभाग में काम नहीं दिया जाएगा। समय पर वेतन के भुगतान के अलावा अनुबंध पर काम कर रहे श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा के निर्वाह का पालन भी अनिवार्य कर दिया गया है।

नए नियम के मुताबिक समय पर वेतन व सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने में कोताही करने वाली फर्म तीन साल के लिए सरकारी खरीद-बिक्री में हिस्सा लेने से प्रतिबंधित की जा सकती है।

वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी निर्देश के मुताबिक अगर कोई श्रमिक दैनिक मजदूर के रूप में काम कर रहा है तो उसकी शिफ्ट के खत्म होते ही उसे भुगतान देना होगा।

साप्ताहिक आधार पर काम करने वाले श्रमिकों को सप्ताह के खत्म होने से पहले तो पाक्षिक आधार वाले श्रमिकों को 15 दिन समाप्त होने के अधिकतम दो दिनों के भीतर वेतन का भुगतान करना होगा। मासिक वेतन पर काम करने वाले श्रमिकों को महीना खत्म होने के अधिकतम सात दिनों के भीतर वेतन देना होगा।

सभी प्रकार के वेतन का भुगतान बैंक ट्रांसफर या डिजिटल माध्यम से किया जाएगा। अनुबंध पर कर्मचारी रखने वाली फर्म को वेतन भुगतान के बाद संबंधित विभाग या मंत्रालय को इलेक्ट्रानिक रूप में इसकी जानकारी देनी होगी।

मंत्रालय या सरकारी विभाग किसी फर्म को अनुबंध पर कर्मचारी रखने से पहले इस बात को लेकर आश्वस्त होगा कि कर्मचारियों के वेतन भुगतान के लिए पर्याप्त फंड है या नहीं। नए निर्देश के तहत ठेकेदार की तरफ से अगर वेतन भुगतान में देर की जाती है तो मूल नियोक्ता खुद ठेके पर काम करने वाले श्रमिकों को वेतन का भुगतान कर सकते हैं।

जनगणना बाद देश में मुस्लिम आबादी हो सकती है इंडोनेशिया के बराबर

- केंद्रीय मंत्री रिजीजू ने पारसी समुदाय की घटती आबादी पर चिंता जताई
- बोले, किसी भी समुदाय के लोगों की संख्या कितनी भी हो, सभी भारतीय

किरेन रिजीजू। फाइल

मुंबई, प्रेट्र : केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू ने शनिवार को कहा कि जनगणना के बाद भारत में मुस्लिम आबादी लगभग इंडोनेशिया के बराबर होने की संभावना है। अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, 'चाहे किसी भी समुदाय के लोगों की संख्या कितनी भी हो, सभी भारतीय हैं।' वहीं, पारसी समुदाय की घटती आबादी पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि देश में उनकी संख्या लगभग 52,000 से 55,000 के बीच है। उन्होंने कहा कि पारसी भारत का सबसे छोटा अल्पसंख्यक समुदाय है और सरकार उनकी सुरक्षा और संख्या में और कमी न आने देने के लिए काम कर रही है।

रिजीजू ने देश में अल्पसंख्यकों के खतरे में होने के दावों को भी खारिज करते हुए आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक संगठन मुसलमानों और ईसाइयों में भय पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के समक्ष सभी नागरिक समान हैं और किसी के साथ धर्म या जाति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता है।

मंत्री ने कहा कि बंगाल में भाजपा का सरकार बनाना देश के लिए एक बड़ी जीत है, क्योंकि यह बांग्लादेश से सटी सीमा वाला बेहद संवेदनशील राज्य है, जहां से बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी प्रवेश करते हैं। राज्य में भाजपा की जीत राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। उन्होंने कहा कि पार्टी लंबे समय से अवैध प्रवासन को लेकर चिंता जताती रही है और नई राज्य सरकार इस मुद्दे को प्रभावी ढंग से हल करने में मदद करेगी।

उत्तराखंड के सीमावर्ती जिलों में ड्रोन कारिडोर बनाने पर अभी अनुमति का पेच

राज्य ब्यूरो, जागरण • देहरादून

- रक्षा मंत्रालय और डीजीसीए की अनुमति है जरूरी

प्रतीकात्मक

उत्तराखंड में आपदा प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सीमावर्ती जिलों को राजधानी से जोड़ने को चल रही ड्रोन कारिडोर बनाने की कवायद अभी थम गई है। इसके लिए प्रदेश सरकार को रक्षा मंत्रालय से अनुमति नहीं मिल पाई है। अनुमति के मामले में अब उत्तराखंड सरकार एक बार फिर केंद्र में दस्तक देने की तैयारी में है।

देशभर में ड्रोन के बढ़ते प्रयोग को देखते हुए उत्तराखंड में भी इस दिशा में कदम बढ़ाए गए। उद्देश्य यह कि आपात स्थिति में जब सड़क मार्ग बाधित होते हैं, तब ड्रोन के माध्यम से खाद्य सामग्री, दवाइयां और अन्य जरूरी सामान एक से दूसरे स्थान तक तेजी से पहुंचाया जा सके। इसके लिए देहरादून से उत्तरकाशी तक एक ट्रायल में ड्रोन के माध्यम से रक्त की थैली को पहुंचाया गया। इस प्रयोग को आपदा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि माना गया था। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद ड्रोन ने तय समय में रक्त पहुंचाकर तकनीक की उपयोगिता साबित की। इससे उत्साहित सरकार ने प्रदेश में छह स्थानों देहरादून, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, चमोली और रुद्रप्रयाग पर ड्रोन कारिडोर बनाने का निर्णय लिया। डीजीसीए ने सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान कर दी थी, लेकिन बाद में मामला अटक गया। उत्तराखंड की सीमा चीन और नेपाल से लगती हैं। ऐसे में ड्रोन संचालन से जुड़े मामलों में सुरक्षा एजेंसियों और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की मंजूरी अनिवार्य है। सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन गतिविधियों को लेकर केंद्र स्तर पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है, जिसके चलते प्रस्ताव को अंतिम स्वीकृति मिलने में समय लग रहा है।

प्रदेश में इस समय तीन तरह के ड्रोन का निर्माण चल रहा है। इनमें पहली श्रेणी में विवाह व अन्य समारोह, शूटिंग व मैपिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले ड्रोन हैं। ये 50 से 100 मीटर के दायरे में संचालित हो सकते हैं। इनका वजन एक किग्रा तक का होता है। दूसरी श्रेणी में आवश्यक सेवाओं में इस्तेमाल होने वाले ड्रोन हैं। इनका वजन पांच से 25 किग्रा तक होता है। ये 10 से 20 किमी की हवाई दूरी तय कर सकते हैं। इनसे दवा व खाद्य सामग्री भेजी जा सकती है। तीसरी श्रेणी के ड्रोन सर्विलांस, सुरक्षा व हथियार के रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं। इनका वजन 20 से 100 किग्रा तक हो सकता है। ये 100 किमी तक की दूरी तय करने में सक्षम हैं।

तटरक्षक बल में 'अचल' शामिल, समुद्री सुरक्षा को मिली नई धार

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय समुद्री सीमा की सुरक्षा को और पुख्ता करते हुए शनिवार को फास्ट पैट्रोल वेसल (त्वरित गश्ती पोत) 'अचल' को आधिकारिक रूप से भारतीय तटरक्षक बल में शामिल कर लिया गया। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित यह जहाज 'अदम्य' श्रेणी के आठ जहाजों की श्रृंखला का पांचवां जहाज है। रक्षा मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव ए. अनबरसु ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इसे सेवा में समर्पित किया।

'अचल' का निर्माण पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर आधारित है, जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक उपकरण भारतीय हैं। यह 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की सफलता को दर्शाता है। 51 मीटर लंबा यह जहाज आधुनिक डिजाइन और दक्षता का बेजोड़ संगम है।

इसे गुजरात के वाड़िनार में तैनात किया जाएगा, जहां से यह उत्तर-पश्चिम समुद्री क्षेत्र की निगरानी करेगा। कमांडेंट नवीन कुमार के नेतृत्व में पांच अधिकारियों और 34 कर्मियों का दल इस पर तैनात रहेगा।

हत्यारे को नहीं मिल सकती पीड़ित की संपत्ति : सुप्रीम कोर्ट

- हत्या के लिए उकसाने वाले पर भी यही नियम होगा लागू, वसीयत होने या न होने से कोई फर्क नहीं

यह रोक न्याय, निष्पक्षता और समानता के सिद्धांतों के आधार पर भी लागू होगी

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि किसी व्यक्ति की हत्या करने वाले या हत्या के लिए उकसाने वाले को पीड़ित की संपत्ति विरासत में नहीं मिल सकती है। जस्टिस जेबी पार्डीवाला और आर महादेवन की पीठ ने स्पष्ट किया कि यह नियम तब भी लागू होगा जब मृतक ने वसीयत नहीं छोड़ी हो और तब भी, जब वसीयत बनाई गई हो।

शीर्ष अदालत ने कहा कि वसीयत के बिना उत्तराधिकार व्यक्तिगत कानून के नियमों के अनुसार होता है, जबकि वसीयत के माध्यम से उत्तराधिकार तब लागू होता है, जब संपत्ति वसीयत के माध्यम से दी जाती है। यदि किसी व्यक्ति पर उस इंसान की हत्या का आरोप हो, जिसकी संपत्ति में वह हिस्सा मांग रहा है तो उसे उस संपत्ति पर अधिकार जताने का हक नहीं मिलेगा। यह रोक केवल हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 25 के तहत ही नहीं, बल्कि न्याय, निष्पक्षता और समानता के सिद्धांतों के आधार पर भी लागू होती है। यदि इस बात का प्रबल संकेत है कि अपराध घटित हुआ है, तो दीवानी कार्यवाही में पुख्ता सुबूत अनिवार्य नहीं है।

हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 25 का हवाला देते हुए पीठ ने कहा कि यह प्रविधान हत्या करने वाले या हत्या के लिए उकसाने वाले व्यक्ति को मृतक की संपत्ति का उत्तराधिकारी बनने से रोकता है। यह फैसला कर्नाटक हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर आया, जिसमें उत्तराधिकार संबंधी बेंगलुरु की एक दीवानी अदालत के फैसले को रद कर दिया गया था।

पूर्व सीजेआइ गवई बोले, भारत में संसद नहीं, संविधान है सर्वोच्च

नई दिल्ली, प्रेट्र : पूर्व प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि भारत जैसे संवैधानिक लोकतंत्र में शक्ति का कोई एक केंद्र नहीं होता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश में संसद नहीं, बल्कि संविधान सर्वोच्च है। कोलंबो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित '19वें सुजाता जयवर्धने मेमोरियल ओरेशन' में उन्होंने कहा कि शासन के तीनों अंग - विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका- अपनी शक्ति संविधान से प्राप्त करते हैं और उसी के दायरे में बंधे हैं।

जस्टिस गवई ने डा. बीआर आंबेडकर के विचारों का हवाला देते हुए कहा कि प्रत्येक अंग अपने क्षेत्र में स्वतंत्र है, लेकिन उनकी सीमाएं संविधान द्वारा निर्धारित हैं। उन्होंने न्यायपालिका को 'संवैधानिक प्रहरी' बताया, जिसका कार्य यह सुनिश्चित करना है कि अन्य अंग अपनी सीमाओं का उल्लंघन न करें। आगाह किया कि न्यायिक समीक्षा को 'न्यायिक अतिरेक' में नहीं बदलना चाहिए और सक्रियता को दुस्साहस का रूप नहीं लेना चाहिए।

नया भारत

प्रयागराज में कोरल क्लब से भी हटेगा ईस्ट इंडियन रेलवे का मेटल लोगो, बंद गला कोट के स्थान पर खादी और सूती परिधानों को प्राथमिकता

14 मई तक देशभर में रेलवे से हट जाएंगे गुलामी के निशान

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

उत्तर मध्य रेलवे के कोरल क्लब पर लगा ईस्ट इंडियन रेलवे शासन का निशान। जागरण

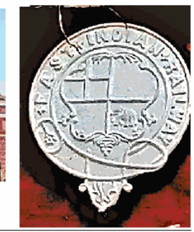

देशभर में रेलवे के सभी विभागों से ब्रिटिश काल के प्रतीकों, प्रथाओं और अवशेषों को हटाने का कार्य प्रगति पर है। अभियान के तहत दिल्ली-हावड़ा रूट पर तत्कालीन ब्रिटिश अधिकारियों के लिए बने प्रयागराज के ऐतिहासिक 'कोरल क्लब' से ईस्ट इंडियन रेलवे का मेटल लोगो उखाड़ कर हटाया जाएगा। कोरल क्लब कभी ब्रिटिश प्रभाव का केंद्र था। वर्षों से अनिवार्य रहे 'बंद गला' कोट की जगह अब बिजनेस सूट या भारतीय जलवायु के अनुकूल सफेद शर्ट-पैंट और भारतीय रेलवे के लोगो वाली स्वदेशी टाई अधिकारी पहनेंगे। गर्मी को ध्यान में रखते हुए खादी और सूती परिधानों को प्राथमिकता दी जा रही है। ऐसे सभी बदलाव के लिए 14 मई तक का समय निर्धारित किया गया है।

रेलवे के 'सैलून' अंग्रेजों के 'शाही ठाठ' का केंद्र थे, जिनमें भारी मखमली पर्दे, नक्काशीदार मेज, निजी रसोइए और विलासी बेडरूम होते थे। अब यह 'निरीक्षण यान' बन गए हैं। अब इनमें आरामदेह सोफों की जगह कान्फ्रेंस टेबल, वाइ-फाइ और डिजिटल स्क्रीन लगी हैं। विलासिता के सामान को हटाकर हाई-डेफिनिशन कैमरे और सेंसर्स लगाए गए हैं, जो पटरियों की सुरक्षा और सिग्नलिंग की लाइव मानीटरिंग करते हैं। शाही किचन अब 'टीम कैंटीन' में तब्दील हो चुका है, जहां अधिकारी और तकनीकी टीम साथ बैठकर रेल सुरक्षा पर मंथन करते हैं। पत्राचार में इस्तेमाल होने वाले 'योर ओबेडिएंट सर्वेंट' जैसे शब्दों को हटाकर अब 'भवदीय' जैसे गरिमापूर्ण शब्दों का प्रयोग शुरू हो गया है। ब्रिटिशकाल के 'गार्ड' अब ट्रेन मैनेजर हैं और 'खलासी' को सहायक के रूप में नई पहचान मिली है। पटरियों के किनारे लगे मील के पत्थरों को 'किलोमीटर पोस्ट' और पुरानी पीतल की घंटियों को डिजिटल सूचना तंत्र में बदल दिया गया है। अधिकारियों के लिए ब्रिटिश काल के 'बंद गला' काले कोट (प्रिंस कोट) को आधिकारिक ड्रेस कोड से हटा दिया गया है। वर्दी पर लगे पुराने पीतल के बटनों को हटाकर अब उच्च गुणवत्ता वाले फाइबर या स्टील के बटन लगाए जाएंगे, जिन पर अशोक चक्र अंकित होगा। सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी के मुताबिक, रेलवे अब ब्रिटिश विरासत के बोझ से मुक्त होकर 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।

कह कर रहेंगे माधव जोशी

3 प्रवक्ताओं को छह साल के लिए निलंबित कर दिया है तृणमूल कांग्रेस ने पार्टी से। चुनाव बाद पार्टी विरोधी टिप्पणियों के आरोप में तृणमूल ने पांच प्रवक्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

उसी मैदान से सत्ता परिवर्तन, जहां से 2011 में ममता ने की थी शुरुआत

ब्रिगेड मैदान से बंगाल की सियासत के एक और नए अध्याय की शुरुआत

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

ब्रिगेड परेड ग्राउंड से बंगाल की सियासत के एक और नए अध्याय की शुरुआत हुई है। शनिवार को सुवेंदु अधिकारी ने यहां आयोजित समारोह में बंगाल के नौवें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली। 15 साल बाद बंगाल में सत्ता परिवर्तन हुआ, वह भी उसी मैदान से, जहां से 2011 में ममता ने शुरुआत की थी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा शासित 22 राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र सरकार के कई मंत्री व राजग के दो दर्जन से अधिक नेता व अन्य वीवीआइपी मौजूद थे।

▶ भाजपा शासित 22 राज्यों के सीएम, कई मंत्री रहे मौजूद

<< शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मंच पर नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के साथ पीएम नरेन्द्र मोदी। रायटर

दशकों से सत्ता का भविष्य तय करता आया है ब्रिगेड: बंगाल हो या देश की राजनीति, ब्रिगेड परेड ग्राउंड दशकों से सत्ता का भविष्य तय करता आया है। यहां की मिट्टी पर खड़े होकर नेता सिर्फ भाषण नहीं देते, बल्कि इतिहास लिखते हैं। 70 एकड़ में फैला यह मैदान सिर्फ रैली स्थल नहीं, बल्कि भारत की राजनीति का मंच रहा है। ब्रिगेड से उठे नारे दिल्ली तक गूंजे हैं और यहां से सरकारें बनी व गिरी हैं। 1940 के दशक में यह क्रांतिकारियों का ठिकाना बना। 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' में यहां लाखों की भीड़ जुटी थी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के अनुयायियों ने इसी मैदान से 'दिल्ली चलो' का नारा बुलंद किया था। ब्रिगेड का सबसे स्मरणीय दिन छह फरवरी, 1972 है, जब बांग्लादेश की आजादी के बाद मुजीबुर रहमान कोलकाता आए थे और भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ यहां विशाल रैली को संबोधित किया था। उस दिन ब्रिगेड में 10 लाख से ज्यादा लोग जमा हुए थे।

1977 में बंगाल में जब वाममोर्चा (वामो) की सरकार बनी तो ब्रिगेड उसकी ताकत का प्रदर्शन स्थल बन गया। हर साल 28 जुलाई को यहां माकपा की रैली होती थी। ज्योति बसु, बिमान बोस व अनिल विश्वास जैसे दिग्गज माकपा नेता यहां से कार्यकर्ताओं को संदेश देते थे। 1989 में राजीव गांधी ने भी ब्रिगेड से बंगाल में कांग्रेस के पुनरुद्धार की कोशिश की थी। वहीं 1993 में कांग्रेस में रहते ममता बनर्जी ने यहां युवा कांग्रेस की रैली कर अपनी अलग पहचान बनाई थी।

2006 में तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने यहां से औद्योगिक निवेश की बात रखी, पर नंदीग्राम-सिंगुर आंदोलन ने माहौल को बदल दिया। 2011 में ममता ने ब्रिगेड से ही 34 वर्षों के वाम शासन को उखाड़ फेंकने का शंखनाद किया था। उसके बाद 2019 में ममता ने यहां से 'युनाइटेड इंडिया रैली' कर विपक्षी एकता का संदेश दिया। 2021 में प्रधानमंत्री मोदी व अमित शाह ने यहां से बंगाल में भाजपा की चुनावी लड़ाई शुरू की थी। कोलकाता के धर्मतल्ला इलाके के निकट होने के कारण इसका मेट्रो व सड़क से सीधा जुड़ाव है।

सुवेंदु अधिकारी ने पांचों नए मंत्रियों से साधा पूरा बंगाल

दिलीप घोष : आक्रामक योद्धा

दिलीप घोष बंगाल भाजपा का वह चेहरा हैं, जिन्होंने राज्य में संगठन को खड़ा किया। 1 अगस्त, 1964 को झाड़ग्राम के कुलियाना में जन्मे दिलीप छात्र जीवन से ही आरएसएस से जुड़ गए थे। 1990 के दशक में प्रचारक बनकर बंगाल में गांव-गांव घूमे। 2015 में जब वह पहली बार बंगाल भाजपा के अध्यक्ष बने थे, तब यहां पार्टी के मात्र तीन विधायक थे। उनके नेतृत्व में 2016 से 2021 के बीच संगठन का जमीनी स्तर पर विस्तार हुआ। उन्होंने कार्यकर्ताओं को 'पोलिंग बूथ जीतना है' का मंत्र दिया। 2016 में खड़गपुर सदर विधानसभा सीट से पहली बार चुनाव लड़ा और जीते। 2019 के लोकसभा चुनाव में मेदिनीपुर से जीतकर संसद पहुंचे। हालिया संपन्न विधानसभा चुनाव जीतकर अब उन्होंने मंत्रिपद संभाला है।

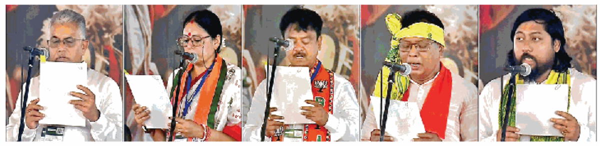

कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शनिवार को (बाएं से) मंत्री पद की शपथ लेते विधायक दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टुडू, और निशीथ प्रमाणिक। एएनआइ

अशोक कीर्तनिया : मतुआ समुदाय की आवाज

अशोक कीर्तनिया बांग्लादेश के हिंदू शरणार्थी मतुआ समुदाय का प्रमुख चेहरा हैं। कीर्तनिया लंबे समय से मतुआ समुदाय के धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। मतुआ समुदाय बंगाल की आबादी का करीब 17 प्रतिशत है। बनगांव उत्तर सीट से लगातार दो बार विधायक चुने गए कीर्तनिया विपक्ष में रहते भी बंगाल विधानसभा में मतुआ समुदाय के कल्याण व सीमावर्ती इलाकों के विकास से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। वह भीड़ जुटाने के बजाय बूथ स्तर पर काम करने के लिए जाने जाते हैं।

खुदीराम टुडु : आदिवासी समुदाय की नई उम्मीद

भाजपा सरकार में मंत्री बने खुदीराम टुडु जंगलमहल के आदिवासी समुदाय के लिए उम्मीद की नई किरण बन गए हैं। बांकुड़ा जिले के रानीबांध सीट से भारी वोटों से जीतकर आए खुदीराम राज्य में भाजपा का प्रमुख आदिवासी चेहरा है। उनकी पहचान आदिवासी समुदाय के अधिकारों व उनकी समस्याओं को राजनीतिक मंच पर उठाने वाले नेता के रूप में रही है। भाजपा ने साफ संदेश दिया है कि जंगलमहल और आदिवासी समुदाय उनकी पार्टी की प्राथमिकता में हैं। साफ-सुथरी ईमानदार नेता की छवि, शांत स्वभाव और जमीनी जुड़ाव के कारण पार्टी कार्यकर्ताओं में उनकी व्यापक स्वीकार्यता है। टुडु भी राजनीति में आने से पहले स्कूल शिक्षक थे।

अग्निमित्रा पाल : फैशन डिजाइनर से सबसे मुखर नेत्री

फैशन डिजाइनर से बंगाल भाजपा की सबसे मुखर नेत्री और अब राज्य की मंत्री। अग्निमित्रा ने पहले फैशन जगत में पहचान बनाई, फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रभावित होकर राजनीति का रूख किया। 2019 में भाजपा में शामिल हुईं। 2020 में उन्हें बंगाल भाजपा की महिला मोर्चा का दायित्व सौंपा गया। 2021 के विधानसभा चुनाव में आसनसोल दक्षिण से जीतकर पहली बार विधायक बनीं। संदेशखाली में महिलाओं के यौन उत्पीड़न व आरजी कर अस्पताल में डाक्टर से दुष्कर्म व हत्या की घटना जैसे मुद्दों पर उनका आक्रामक अंदाज चर्चा में रहा।

निशिथ प्रमाणिक : सहायक शिक्षक से बन गए मंत्री

निशिथ प्रमाणिक छात्र राजनीति से उभरे नेता हैं। पहले तृणमूल कांग्रेस से जुड़े, फिर 2019 में भाजपा में शामिल हो गए। उससे पहले काफी समय एक स्कूल में सहायक शिक्षक के तौर पर पढ़ाया। 17 जनवरी, 1986 को कूचबिहार के दिनहाटा में जन्मे निशिथ ने कूचबिहार सीट से 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा और सांसद निर्वाचित हुए। वर्ष 2021 में मात्र 35 वर्ष की उम्र में मोदी सरकार में सबसे युवा मंत्री बने। उन्हें केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बनाया गया। निशिथ की ताकत राजबंशी समुदाय और उत्तर बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में मजबूत पकड़ है।

खत्म हुआ एक परिवार का वनवास

जागरण संवाददाता, मालदा

▶ पांच साल बाद अपने घर आए कालाचंद दास, 2021 में तृणमूल के अत्याचार से किया था पलायन

मालदा जिले के हरिश्चंद्रपुर में लंबे इंतजार के बाद आखिरकार भाजपा के बूथ अध्यक्ष कालाचंद दास सपरिवार अपने घर लौट आए हैं। राज्य में सरकार बदलने के बाद उनके पांच साल के निर्वासन और संघर्ष भरे जीवन का अंत हो गया है। घर वापसी पर परिवार ने राहत की सांस तो ली है लेकिन चिंता भी कम नहीं है। कालाचंद दास का आरोप है कि जो लोग कभी तृणमूल कांग्रेस की छत्रछाया में रहकर उनके ऊपर अत्याचार कर रहे थे, वही अब 'गेरुआ अबीर' लगाकर भाजपा में आने की कोशिश कर रहे हैं।

2021 में कालाचंद के जीवन में अंधेरा छा गया था। तृणमूल समर्थित गुंडों ने उनके घर और दुकान पर हमला किया। उनके तथा उनके बेटे के साथ मारपीट की गई। पुलिस ने उन पर ही कार्रवाई कर दी। डेढ़ महीने बाद उन्हें जमानत मिली। जेल से आए तो डर से उन्होंने अपना घर-बार छोड़ दिया और दूसरे राज्य में चले गए। इस बार चुनाव से पहले इलाके में परिवर्तन की हवा महसूस कर वे लौटे जरूर लेकिन सुरक्षा कारणों से काफी समय तक छिपकर रहे। चार मई को जब भाजपा की जीत तय हो गई तो वह खुलकर सामने आ गए। कालाचंद को लगा राज्य में भाजपा की सरकार में वह पूरी तरह से सुरक्षित होंगे। उन्होंने कहा जिन लोगों के अत्याचार से उन्होंने सर्वस्व खोया वही लोग अब भाजपा का झंडा लेकर घूम रहे हैं। मेरा नेतृत्व से एक ही अनुरोध है कि इन अपराधियों को किसी भी सूरत में पार्टी में जगह न दी जाए। उनकी पत्नी आरती देवी ने भी बताया कि मुकदमा लड़ते-लड़ते उनका परिवार आज आर्थिक रूप से पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। दोषी लोग अब रंग बदलकर दबदबा दिखा रहे हैं। इस पूरे मामले पर हरीशचंद्रपुर के तृणमूल विधायक मोतिउर रहमान का कहना है कि गड़बड़ी में शामिल लोग पहले ही पार्टी बदल चुके हैं। भाजपा उत्तर मालदा संगठनात्मक जिला सचिव रूपेश अग्रवाल ने साफ शब्दों में कहा कि तृणमूल के गुंडों को किसी भी हालत में पार्टी में नहीं लिया जाएगा।

शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मंच पर योगी आदित्यनाथ ने सुवेंदु अधिकारी को भगवा पटका पहनाया। सौ. वीडियो ग्रैब

सुवेंदु को योगी का भगवा साथ

प्रथम पृष्ठ का शेष

शपथ लेने के बाद जब सुवेंदु अधिकारी मंचासीन नेताओं का अभिवादन करते हुए उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास पहुंचे तो उन्होंने उनके गले में भगवा दुपट्टा (उत्तरीय) डाला। यह महज एक शिष्टाचार नहीं, बल्कि गहरे राजनीतिक और नीतिगत संकेत हैं। भाजपा समर्थक इसे बंगाल में 'कठोर प्रशासन' और 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' के प्रतीक के रूप में देख रहे हैं। योगी आदित्यनाथ भाजपा के 'हिंदुत्व' के सबसे बड़े पोस्टर ब्वाय हैं, उनका सुवेंदु को भगवा भेंट करना यह दर्शाता है कि बंगाल की नई सरकार तुष्टीकरण की राजनीति को त्यागकर सांस्कृतिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ेगी। यह सुवेंदु को 'बंगाल के योगी' के रूप में स्थापित करने और राज्य में कानून-व्यवस्था पर जीरो-टालरेंस नीति लागू करने के वैचारिक संकल्प का भी प्रदर्शन है। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने अपनी शपथ के बाद सीधे जोरासांको ठाकुरबाड़ी जाकर कविगुरु को नमन किया।

शपथ समारोह में मंच पर पीएम ने 98 वर्षीय माखनलाल के पैर छूकर लिया आशीर्वाद

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

▶ लंबे समय से गुमनामी की जिंदगी जी रहे माखनलाल चर्चा में आए, श्यामा प्रसाद के रहे हैं अंतिम साथी

▶ माखनलाल ने बंगाल में संगठन को खड़ा करने में निभाई है अहम भूमिका

मंच पर माखनलाल सरकार के साथ पीएम नरेन्द्र मोदी। रायटर

बंगाल में भाजपा की पहली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शनिवार को भावुक पल देखने को मिला, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंच पर पहुंचते ही राज्य में पार्टी के वरिष्ठतम कार्यकर्ताओं में से एक 98 वर्षीय माखनलाल सरकार के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में समारोह में जुटी लाखों की भीड़ और मंच पर मौजूद दिग्गज केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा शासित 22 राज्यों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में पीएम ने उन्हें गले लगाया, शाल ओढ़ा कर सम्मानित भी किया और उनका कुशलक्षेम पूछा। इसके बाद माखनलाल चर्चा में आ गए हैं। बाद में पीएम ने एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें भी साझा कर उनका जिक्र किया।

वह जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की अंतिम यात्रा के साथी भी रहे हैं। 1952 में जब श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर में तिरंगा फहराने के लिए आंदोलन चलाया था, तब माखनलाल उनके साथ इस अभियान में शामिल थे। सरकार को 1952 में कश्मीर में उस समय गिरफ्तार किया गया था, जब वह वहां आंदोलन में मुखर्जी के साथ थे।1980 में जब भाजपा का गठन हुआ, तब उन्होंने बंगाल में संगठन को खड़ा करने का जिम्मा उठाया। उन्होंने बंगाल में पार्टी और संगठन के विस्तार में काफी अहम भूमिका निभाई थी। उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी निवासी माखनलाल लंबे समय से गुमनामी की जिंदगी जी रहे थे। माखनलाल संगठन की सिलीगुड़ी जिला शाखा के संस्थापक अध्यक्ष रहे हैं। माखनलाल ने उस दौर में वाममोर्चा शासित बंगाल में तत्कालीन पश्चिम दिनाजपुर, दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी जिलों के संगठनात्मक समन्वयक के तौर पर काम करते हुए महज एक साल के भीतर दस हजार नए सदस्य बनाए थे।

15 साल बाद माकपा के मुखपत्र को मिला बंगाल सरकार का विज्ञापन, पहले पन्ने पर मोदी-सुवेंदु

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

▶ टीएमसी के सत्ता में आने के बाद माकपा के मुखपत्र को सरकारी विज्ञापन देना कर दिया गया था बंद

बंगाल में 15 साल बाद माकपा के प्रातःकालीन मुखपत्र गणशक्ति को राज्य सरकार का विज्ञापन मिला है। शनिवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में राज्य की पहली भाजपा सरकार के शपथग्रहण समारोह से पहले विभिन्न अखबारों में सरकारी विज्ञापन प्रकाशित किए गए। इन्हीं में माकपा के मुखपत्र के पहले पन्ने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सुवेंदु अधिकारी की तस्वीर वाला विज्ञापन भी छपा।

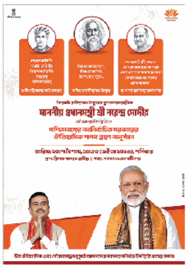

माकपा के मुखपत्र पर छपा विज्ञापन।

राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद पहली बार माकपा के मुखपत्र में सरकारी विज्ञापन प्रकाशित होने को माकपा का मुख्यालय अलीमुद्दीन स्ट्रीट सकारात्मक संकेत मान रहा है। पार्टी का आरोप था कि 2011 में ममता के सत्ता में आने के बाद से पार्टी के मुखपत्र को सरकारी विज्ञापन देना बंद कर दिया गया था। इस मुद्दे पर माकपा ने अदालत का दरवाजा भी खटखटाया था, लेकिन कोई राहत नहीं मिली थी। 2014 में माकपा ने कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि उसके समाचारपत्र को राज्य सरकार विज्ञापन नहीं दे रही है। उस समय अदालत ने टिप्पणी की थी कि सरकार को सभी समाचारपत्रों के प्रति समान दृष्टिकोण रखना चाहिए। अदालत ने यह भी कहा था कि यदि किसी राजनीतिक दल का मुखपत्र समाचारपत्र संबंधी कानूनों का पालन करता है, तो उसे समाचारपत्र के रूप में ही देखा जाना चाहिए। माकपा के मोहम्मद सलीम ने कहा कि आज का विज्ञापन कोई असाधारण घटना नहीं है। अब देखना होगा कि भविष्य में क्या होता है। माकपा नेतृत्व का एक वर्ग इस विज्ञापन को सकारात्मक मान रहा है, लेकिन पार्टी के भीतर कुछ लोग मुखपत्र में भाजपा सरकार का विज्ञापन प्रकाशित होने की आलोचना भी कर रहे हैं। 2011 में सत्ता से बाहर होने के बाद माकपा आर्थिक रूप से लगातार कमजोर हुई है। पिछले कुछ वर्षों से पार्टी के मुखपत्र और अन्य वैचारिक प्रकाशन आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। ऐसे में पार्टी नेतृत्व मानता है कि सरकारी विज्ञापनों की वापसी आर्थिक रूप से राहत देने वाली हो सकती है।

सुवेंदु की मां बोलीं- आरजी कर पीड़िता को न्याय दिलाने की दिशा में करो काम

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

▶ रोजगार, महिला सुरक्षा और गरीबों के हितों की रक्षा को भी सरकार की प्राथमिकता बनाने की बात कही

बंगाल के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की मां गायत्री अधिकारी ने शनिवार को कहा कि वह चाहती हैं कि उनका बेटा आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल की दुष्कर्म-हत्या पीड़िता को न्याय दिलाने की दिशा में काम करे। उन्होंने कहा कि बंगाल में पहली भाजपा सरकार बनने पर जितनी खुशी उन्हें है, उससे अधिक खुशी राज्य की जनता को है।

उल्लेखनीय है कि नौ अगस्त 2024 को आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे देश में अक्रोश फैल गया था। पीड़िता की मां ने पानीहाटी विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीता है। गायत्री अधिकारी ने कहा कि वह चाहती हैं कि मुख्यमंत्री रोजगार, महिला सुरक्षा और समाज के गरीब तबकों के हितों की रक्षा जैसे मुद्दों पर भी विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि सुवेंदु ने

गायत्री अधिकारी। इंटरनेट मीडिया

अपने पिता से संघर्ष करना सीखा है और उसी के बल पर आज इस मुकाम तक पहुंचे हैं। पिता शिशिर अधिकारी ने कहा कि बार-बार विभिन्न रणनीतियों के जरिए उसे पीछे धकेलने की कोशिश की गई, लेकिन आज आम लोगों की जीत हुई है। यह केवल नंदीग्राम की बात नहीं है, बल्कि कोलकाता और पूरे बंगाल की संस्कृति और भावना को मान्यता मिली है।

सुब्रत गुप्ता शुभेंदु के सलाहकार और शांतनु बाला निजी सचिव नियुक्त

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

▶ सुवेंदु के शपथ लेने के कुछ ही घंटों के भीतर राज्य सरकार ने की नियुक्ति

▶ दोनों अधिकारियों को तत्काल अपने नए कार्यभार संभालने के लिए कहा गया

▶ गुप्ता के व्यापक अनुभव से नई सरकार को नीति समन्वय और शासन संबंधी मामलों में मदद मिलने की उम्मीद

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी सुब्रत गुप्ता को बंगाल के नए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी का सलाहकार जबकि आइएएस अधिकारी शांतनु बाला को मुख्यमंत्री का निजी सचिव नियुक्त किया गया है। शनिवार को सुवेंदु के सीएम के रूप में शपथ लेने के कुछ ही घंटे बाद राज्य सरकार द्वारा जारी अलग-अलग अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। अधिसूचनाओं के अनुसार, दोनों अधिकारियों को तत्काल अपने नए कार्यभार संभालने के लिए कहा गया है।

1990 बैच के सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी गुप्ता को हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव से पहले हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) प्रक्रिया के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा रोल पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था। उनके कार्य से संतुष्ट होकर आयोग ने बाद में उन्हें विधानसभा चुनाव के लिए विशेष पर्यवेक्षक की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी थी।

हाल में चुनाव के समापन के साथ ही आयोग ने विशेष पर्यवेक्षकों को उनके दायित्वों से मुक्त कर दिया। एक अधिकारी ने बताया कि गुप्ता के व्यापक अनुभव से नई सरकार को नीति समन्वय और शासन संबंधी मामलों में मदद मिलने की उम्मीद है। एक अन्य अधिसूचना के अनुसार, भाजपा की नई सरकार के मुख्यमंत्री का निजी सचिव नियुक्त किए गए 2017 बैच के आइएएस अधिकारी शांतनु बाला इससे पहले दक्षिण 24 परगना के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट थे। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि बाला की नियुक्ति सरकार परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय के पुनर्गठन का हिस्सा है।

सत्ता का शिखर

हरियाणा में मनोहर लाल से शुरू हुआ दौर बंगाल में सुवेंदु अधिकारी तक है जारी, पार्टी के कर्मठ और युवा चेहरों को मुख्य भूमिका देने की रणनीति दिख रही है कारगर

2014 में मोदी के पीएम बनने के बाद नौ राज्यों में मुख्यमंत्री बने भाजपा के नए चेहरे

नई दिल्ली, प्रेट्र: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2014 में देश की सत्ता संभालने के बाद पहली बार ऐसा हुआ है कि नौ राज्यों में भाजपा के नए चेहरे मुख्यमंत्री के तौर पर सत्ता के शिखर पर पहुंचे हैं। बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने के बाद सुवेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री बने। इस राजनीतिक पैटर्न की शुरुआत 2014 में हरियाणा और महाराष्ट्र से हुई थी। इसके बाद असम (2016), अरुणाचल प्रदेश (2016), मणिपुर (2017), त्रिपुरा (2018), ओडिशा (2024) और बिहार (2026) में भाजपा के नए चेहरों ने मुख्यमंत्री पद संभाला।

हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व में भाजपा ने पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की थी। वहीं महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, हालांकि सरकार महायुति गठबंधन के साथ बनाई गई।

एन बीरेन सिंह।

मनोहर लाल।

देवेंद्र फड़णवीस।

सर्वानंद सोनोवाल।

मोहन चरण माझी।

गेगांग अपांग।

बिप्लव कुमार देब।

सम्राट चौधरी। फाइल

पेमा खांडू। फाइल

2014 में इस पैटर्न की शुरुआत हरियाणा और महाराष्ट्र से हुई

बीजद 24 वर्षों तक रही

ओडिशा में भाजपा ने 2024 में बीजू जनता दल को पराजित किया और मोहन चरण माझी के नेतृत्व में पहली बार सरकार बनाई। इससे पहले राज्य में बीजद लगातार 24 वर्षों तक सत्ता में रही थी। बिहार में भाजपा लंबे समय से जदयू से गठबंधन सरकार का हिस्सा रही, लेकिन राज्य में पार्टी का सीएम नहीं बन पाया था। नीतीश के रास जाने के बाद पहली बार भाजपा नेता सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बने।

इसके बाद भाजपा ने पूर्वोत्तर में अपना विस्तार किया। 2016 में पार्टी ने असम विधानसभा चुनाव जीता, जहां सर्बानंद सोनोवाल भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बने। इसके बाद भाजपा ने असम में अगले दो विधानसभा चुनावों में भी अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा, जिसमें इस वर्ष अप्रैल में हुआ विधानसभा चुनाव भी शामिल है।

2016 में भाजपा ने पहली बार अरुणाचल प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई।

जुलाई 2016 में कांग्रेस नेता पेमा खांडू ने राजनीतिक संकट के बीच मुख्यमंत्री पद संभाला, लेकिन सितंबर में वह कांग्रेस विधायकों के साथ भाजपा की सहयोगी पीपुल्स पार्टी आफ अरुणाचल (पीपीए) में शामिल हो गए।

इसके बाद दिसंबर 2016 में खांडू ने 33 विधायकों के साथ भाजपा का दामन थाम लिया। इससे भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला और राज्य में पहली बार पार्टी का शासन स्थापित हुआ।

हालांकि इससे पहले 2003 में भाजपा कुछ समय के लिए गेगांग अपांग के नेतृत्व में अरुणाचल प्रदेश की सत्ता में रही थी। अपांग ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा था, लेकिन 44 दिन बाद ही वह वापस कांग्रेस में लौट गए थे।

2017 में भाजपा ने पहली बार मणिपुर में भी सरकार बनाई। पार्टी ने नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी), नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) और अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन कर एन बीरेन सिंह को मुख्यमंत्री बनाया।

2018 में भाजपा ने त्रिपुरा में दशकों पुराने वामपंथी शासन को समाप्त कर बिप्लब कुमार देब के नेतृत्व में सरकार बनाई।

सुवेंदु ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद कानून-व्यवस्था की समीक्षा की

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : बंगाल में पहली भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में शनिवार को शपथ लेने के तुरंत बाद सुवेंदु अधिकारी ने प्रशासनिक स्तर पर सक्रियता तेज कर दी है। शपथ लेने के कुछ ही देर बाद सुवेंदु ने सबसे पहले राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव दुष्यंत नरियाला, गृह सचिव संघमित्रा घोष और डीजीपी सिद्धनाथ गुप्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में कोलकाता पुलिस के आयुक्त अजय नंद भी उपस्थित थे। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री सुवेंदु ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के संचालन के बारे में भी जानकारी ली और मुख्य सचिव को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि योजनाएं बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से जारी रहें।

11 मई को बंगाल सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार होगा। लोक भवन में आयोजित होने वाले समारोह में राज्यपाल आरएन रवि नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे।

केरलम : पांच दिन बाद भी सीएम के नाम का एलान नहीं, आज हो सकता है निर्णय

आम सहमति न बनने पर गेंद कांग्रेस हाईकमान के पाले में, खरगे और राहुल करेंगे फैसला

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन चुनाव जीतकर सत्ता की बागडोर संभालने के लिए तैयार है लेकिन परिणाम आने के पांच दिन बाद भी मुख्यमंत्री पद के लिए नाम तय नहीं हो पाया है। फिलहाल तीन कांग्रेस नेता मुख्यमंत्री पद के दावेदार बनकर उभरे हैं। ये हैं- वीडी सतीशन, रमेश चेन्निथला और केसी वेणुगोपाल। पार्टी के वरिष्ठ नेता के मुरलीधरन ने कहा है कि पार्टी 24 घंटे के भीतर नए मुख्यमंत्री के नाम का एलान कर देगी। जबकि कांग्रेस की केरलम प्रभारी दीपा दासमुंशी ने कहा है कि राज्य के नए मुख्यमंत्री के नाम का फैसला कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी जल्द कर देंगे।

केरलम चुनाव में यूडीएफ की बड़ी जीत ने प्रदेश में कांग्रेस को ताकत से भर दिया है। लेकिन पार्टी की अंदरूनी खींचतान सरकार गठन में बाधा पैदा कर रही है। सूत्रों के अनुसार प्रदेश में किसी एक नाम पर सहमति न बनने पर फैसला दिल्ली में हाईकमान पर छोड़ दिया गया है। मुरलीधरन ने कहा है कि अगले 24 घंटे में पार्टी हाईकमान मुख्यमंत्री पद को लेकर अपना फैसला दे देगा। वैसे पार्टी दिखाने की कोशिश कर रही है कि केरलम में मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई खींचतान नहीं है और पार्टी एकजुट है।

रमेश चेन्निथला, वीडी सतीशन और केसी वेणुगोपाल। फाइल

पहले बिहार में शांति से भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनने और उसके बाद बंगाल में शुवेंदु अधिकारी का नाम आम सहमति से तय होने से कांग्रेस पर दबाव बढ़ गया है। कर्नाटक में अंदरूनी कलह से जूझ रही कांग्रेस को केरलम में भी खतरा दिखाई दे रहा है। इसीलिए पार्टी मुख्यमंत्री पद पर फैसले के लिए काफी सोच-विचार कर रही है। बातचीत में मुरलीधरन ने अपनी दावेदारी से भी इन्कार नहीं किया है। उन्होंने कहा, वह सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहेंगे। लेकिन उन्होंने अपने क्षेत्र के लोगों की भावनाओं से हाईकमान के प्रतिनिधियों को अवगत करा दिया है। वैसे वरिष्ठता ही मुख्यमंत्री पद के लिए इकलौती योग्यता नहीं होती है। केरलम में गठबंधन के अन्य दलों को भी साथ लेकर चलना होता है और उनकी भी सहमति आवश्यक है। सारी बातों पर फैसला हाईकमान को करना है।

असम में सरकार बनाने की कवायद, नड्डा और सैनी गुवाहाटी पहुंचे

गुवाहाटी, प्रेट्र : केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार शाम गुवाहाटी पहुंचे। वे 10 मई को असम विधानसभा में भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव का निरीक्षण करेंगे, जो राज्य के अगले मुख्यमंत्री भी होंगे। भाजपा के प्रवक्ता ने बताया कि नवनिर्वाचित विधायक रविवार सुबह राज्य के पार्टी मुख्यालय में बैठक करेंगे और नए नेता का चुनाव करेंगे। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने राज्य में दो-तिहाई बहुमत के साथ लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल की है। 126 सदस्यीय राज्य विधानसभा में भाजपा को 82 सीटें मिलीं, जबकि उसके सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) को 10-10 सीटें मिलीं।

बंगाल की पूर्व सीएम ममता का भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय दलों की एकता का आह्वान

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- सभी विपक्षी दलों, छात्र-युवा संगठनों और एनजीओ से एकजुट होने की अपील की

भाजपा सरकार के नए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण के कुछ घंटे बाद ही तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता का आह्वान किया है। शनिवार शाम कालीघाट स्थित अपने आवास पर रवींद्र जयंती कार्यक्रम के दौरान ममता ने वाम, अतिवाम (अल्ट्रा लेफ्ट) और विभिन्न राष्ट्रीय दलों को तृणमूल के साथ मिलकर भाजपा विरोधी मंच बनाने की अपील की। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों, छात्र-युवा संगठनों और गैर सरकारी संगठनों से भाजपा के खिलाफ एकजुट होने का अनुरोध किया।

तृणमूल प्रमुख ने बताया कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे सहित कई विपक्षी नेताओं ने उनसे संपर्क किया है। इसके अलावा उद्धव ठाकरे, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल ने भी समर्थन संदेश भेजे हैं।

तृणमूल प्रमुख ने कहा कि वाम, अतिवाम और कोई भी राष्ट्रीय दल यदि भाजपा के खिलाफ साथ आना चाहता है तो उनसे बातचीत कर सकता है। राजनीतिक रूप से भाजपा ही उनकी पहली शत्रु है। रवींद्रनाथ ठाकुर की तस्वीर के सामने खड़े होकर कहा कि यह समय यह सोचने का नहीं है कि कौन किस दल से है। शत्रु का शत्रु मित्र होता है और भाजपा के खिलाफ सभी को एक मंच पर आना चाहिए। ममता की इस अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए माकपा के प्रदेश सचिव मोहम्मद सलीम ने रवींद्रनाथ ठाकुर की पंक्ति उद्धृत करते हुए कहा, जीवन जब सूख जाए, करुणा धारा बनकर आओ।

घर के सामने किया जा रहा हंगामा

उन्होंने आरोप लगाया कि बाहरी गुंडों को लाकर बंगाल के लोगों पर अत्याचार कराया जा रहा है। उनके घर और अभिषेक बनर्जी के घर के सामने लगातार हंगामा किया जा रहा है। ममता ने यह भी घोषणा की कि चुनाव बाद हिंसा में प्रभावित तृणमूल कार्यकर्ताओं की सहायता के लिए पार्टी एक विशेष कोष बनाएगी। इसके माध्यम से धन एकत्र कर पीड़ितों की मदद की जाएगी। यह भी दावा किया कि हाल ही में उनका इंटरनेट कनेक्शन तक बंद कर दिया गया था, जिसके कारण न तो फोन आ रहे थे और न ही संदेश पहुंच रहे थे।

अभिषेक का संदेश, संघर्ष जारी रहेगा

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने एक्स पर पार्टी कार्यकर्ताओं के नाम भावुक संदेश जारी किया। लिखा कि संघर्ष जारी रहेगा, कार्यकर्ताओं के साथ हूं। अभिषेक ने चुनाव प्रक्रिया और मतगणना में अनियमितताओं के आरोप फिर दोहराए। कहा कि परिणाम आने के बाद राज्य के विभिन्न जिलों में तृणमूल कांग्रेस के पार्टी कार्यालयों और कार्यकर्ताओं पर हमले हो रहे हैं। संदेश में लिखा कि मैं अपनी क्षमता के अनुसार आपके साथ खड़ा रहूंगा। उन्होंने प्रभावित कार्यकर्ताओं से मुलाकात का आश्वासन भी दिया। स्पष्ट कहा कि दिल्ली और बंगाल दोनों जगह भाजपा के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा। यह भी कहा कि ममता के नेतृत्व में ही पार्टी आगे की राजनीतिक रणनीति और आंदोलन की दिशा तय करेगी। उन्होंने मतगणना केंद्रों के सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की मांग दोहराते हुए आरोप लगाया कि कई केंद्रों से तृणमूल एजेंटों को बाहर निकाल दिया गया था।

सुवेंदु के शपथ ग्रहण समारोह में झालमुड़ी की धूम

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- शपथ समारोह स्थल पर झालमुड़ी के लगाए गए थे 20 स्टाल
- रसगुल्ला, मिष्टी दई और मिहिदाना के भी लगे थे पांच स्टाल

बंगाल में विधानसभा चुनाव के दौरान पिछले एक महीने से अधिक समय तक टीएमसी और भाजपा के बीच कड़वी सियासी जंग का अप्रत्याशित प्रतीक बन चुकी झालमुड़ी की शनिवार को कोलकाता में राज्य की पहली भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भी धूम रही। भाजपा की राज्य इकाई ने विशाल ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शपथ समारोह के दौरान झालमुड़ी के 20 स्टाल लगाए थे, कई स्वतंत्र विक्रेता भी आयोजन स्थल के पास देखे गए।

शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने आए हजारों लोग मुरमुरे, हरी मिर्च और तरह-तरह के मसालों से बने इस स्वादिष्ट झालमुड़ी का स्वाद लेने के लिए स्टाल पर उमड़ पड़े। झालमुड़ी के अलावा बंगाल की प्रसिद्ध मिठाई- रसगुल्ला, मिष्टी दई (मीठा दही) और मिहिदाना के भी पांच स्टाल लगाए गए थे। मालूम हो कि विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 19 अप्रैल को झाड़ग्राम में जनसभा के बाद सड़क किनारे एक छोटी सी दुकान से 10 रुपये की झालमुड़ी खरीद कर खाया था, तब से यह काफी लोकप्रिय और राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोर रही है। टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने पीएम के झालमुड़ी खाने को एक चुनावी नाटक बताया था। इस पर प्रधानमंत्री ने पलटवार करते हुए कहा कि झालमुड़ी मैंने खाई और मिर्ची टीएमसी को लगी। मोदी ने कहा था कि भाजपा चार मई को जीत का जश्न मनाएगी और लोगों में मिठाई और झालमुड़ी भी बांटेगी। वहीं, तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता ने कहा था कि वह प्रधानमंत्री को भेलपुरी भेजेंगी।

बंगाल के झाड़ग्राम में चुनाव रैली के बीच एक दुकान से खरीदकर झालमुड़ी खाई थी। फाइल

भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में बंगाल की सांस्कृतिक पहचान की झलक दिखाई दी। मुख्य मंच, जिसपर पीएम से लेकर दिग्गज केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा व एनडीए शासित 22 राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहे, उसके सामने वाले हिस्से में कालीघाट मंदिर, मां दुर्गा की मूर्ति और धुनुची नाच को दर्शाया गया था।

आइएनडीआइए 'अवसरवादियों का गिरोह' : प्रल्हाद जोशी

हुबली, आइएएनएस : केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शनिवार को आइएनडीआइए को "अवसरवादियों का गिरोह" करार दिया और दावा किया कि विपक्षी गठबंधन के नेताओं का कोई "वैचारिक आधार या पृष्ठभूमि" नहीं है। उनकी यह प्रतिक्रिया तब आई, जब कांग्रेस ने द्रमुक से अपना गठबंधन तोड़कर तमिलनाडु में सरकार गठन के लिए विजय के नेतृत्व वाली टीवीके को समर्थन दिया।

जोशी ने कहा, "हम द्रमुक की विचारधारा से पूरी तरह असहमत हैं, लेकिन कांग्रेस, जो एक राष्ट्रीय पार्टी है, ने ऐसी क्षेत्रीय पार्टी का साथ दिया जिसने कभी भारत की एकता में विश्वास नहीं किया। अब, चूंकि द्रमुक के साथ गठबंधन में उन्हें सत्ता नहीं मिली, इसलिए वे टीवीके की ओर चले गए हैं।

ममता का पूर्व मुख्यमंत्री लिखने से परहेज

- लिखा-तृणमूल की संस्थापक चेयरपर्सन व बंगाल की मुख्यमंत्री (15वीं, 16वीं और 17वीं विधानसभा)

ममता बनर्जी ने शनिवार को इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी प्रोफाइल में बदलाव किया। सौ. इंटरनेट मीडिया

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

आखिरकार तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इंटरनेट मीडिया पर अपनी पहचान में बदलाव कर दिया। उन्होंने अभी भी पूर्व मुख्यमंत्री लिखने से परहेज किया है। अब इंटरनेट मीडिया पर उनका नया परिचय है- अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की संस्थापक चेयरपर्सन और बंगाल की मुख्यमंत्री (15वीं, 16वीं और 17वीं विधानसभा)। संयोग से शनिवार को ही बंगाल के नए मुख्यमंत्री के रूप में सुवेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण के दिन यह बदलाव सामने आया। दूसरी ओर, सुवेंदु अधिकारी ने भी शनिवार को अपने इंटरनेट मीडिया प्रोफाइल में बदलाव करते हुए नाम के साथ मुख्यमंत्री जोड़ लिया। फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स हैंडल पर ममता ने अब तक अपने नाम के साथ पूर्व मुख्यमंत्री नहीं लिखा था। उन्होंने केवल मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल का उल्लेख किया था।

शाह ने बंगाल में भाजपा के सत्ता संभालने को 'महान दिन' बताया

चित्रदुर्ग, प्रेट्र : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि आज का दिन महान है, क्योंकि बंगाल में भगवा झंडा फहराया गया है। यह स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण परमहंस जैसे आध्यात्मिक संतों की भूमि है। वह बंगाल में भाजपा सरकार के सत्ता संभालने का जिक्र कर रहे थे। भाजपा के दिग्गज नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को सम्मानित करने के लिए आयोजित 'येदियुरप्पा अभिमानोत्सव' को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि येदियुरप्पा ने कर्नाटक में विभिन्न संप्रदायों के धर्मगुरुओं को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज का दिन इस देश के उन सभी लोगों के लिए एक महान दिन है जो भारत माता को पवित्र मानते हैं।

राष्ट्रीय फलक

योगी मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार आज, मिल सकते हैं छह और मंत्री

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ

- जातीय व क्षेत्रीय संतुलन साधने को होगी कोशिश, कैबिनेट में स्थान पा सकते हैं कुछ राज्यमंत्री
- रास चुनाव में मदद करने वाले मनोज पांडेय व पूजा पाल को बनाया जा सकता है मंत्री

योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार रविवार को होने जा रहा है। भाजपा अगले वर्ष विधानसभा चुनाव से पहले मंत्रिमंडल विस्तार के जरिये जातीय व क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश करेगी। प्रस्तावित मंत्रिमंडल विस्तार में जहां छह और मंत्री बनाए जा सकते हैं, वहीं मौजूदा राज्यमंत्रियों में से कुछ को कैबिनेट मंत्री बनाया जाएगा। राज्यसभा चुनाव में सपा से बगावत करने वाले विधायकों में से दो को मंत्री पद का पुरस्कार मिल सकता है। मंत्रिमंडल का पहला विस्तार लोकसभा चुनाव से पहले पांच मार्च, 2024 को हुआ था जिसमें चार नए कैबिनेट मंत्री बनाए गए थे।

वर्तमान में मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री, दोनों उप मुख्यमंत्रियों समेत 21 कैबिनेट मंत्री, 14 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 19 राज्य मंत्री हैं। राज्य में अधिकतम 60 मंत्री बन सकते हैं। यदि किसी को मंत्रिमंडल से हटाया नहीं गया तो छह और मंत्री बनाए जाने की गुंजाइश है। माना जा रहा है कि जातीय व क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए छह रिक्त पदों को भरा जाएगा। राज्यसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी से बगावत कर भाजपा प्रत्याशी को वोट देने वाले रायबरेली की ऊंचाहार सीट के विधायक मनोज पांडेय और कौशांबी की विधायक पूजा पाल को मंत्री बनाया जा सकता है। मनोज सपा सरकार में भी मंत्री रहे हैं। कुछ मंत्रियों को हटाकर जहां संगठन में भेजने की भी चर्चा है, वहीं संगठन के कुछ पदाधिकारियों को मंत्री बनाया जा सकता है। शनिवार को बंगाल सरकार के शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के बाद कोलकाता से लौटे मुख्यमंत्री शाम को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मिलने जनभवन पहुंचे। मुलाकात के बाद तय हो गया कि बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार रविवार को अपराह्न तीन बजे राजभवन में होगा। मंत्री बनाए जाने वाले जिन नामों की चर्चा है, उनमें जाट समाज से आने वाले भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, अति पिछड़ी जाति से आने वाले वाराणसी से विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, फतेहपुर की खागा सीट से विधायक अनुसूचित जाति की कृष्णा पासवान, अलीगढ़ के खैर से विधायक सुरेन्द्र दिलेर और गुर्जर समाज से आने वाले पूर्व मंत्री अशोक कटारिया, सीतापुर की महमूदाबाद सीट से विधायक आशा मौर्या हैं। पहले कार्यकाल में ऊर्जा मंत्री रहे मथुरा के विधायक श्रीकांत शर्मा को फिर मंत्री बनाए जाने की चर्चा है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ल को भी मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। जिन्हें राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) से कैबिनेट मंत्री के रूप में पदोन्नत किए जाने की संभावना है उनमें सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री कपिलदेव अग्रवाल, माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और समाज कल्याण असीम अरुण हो सकते हैं।

वर्तमान में भाजपा के 258 विधायक हैं। इनमें से 45 राजपूत, 42 ब्राह्मण, 84 ओबीसी, 59 एससी और अन्य सवर्ण विधायक की संख्या 28 हैं।

योगी आदित्यनाथ। फाइल

मौजूदा जातीय समीकरण

योगी सरकार 2.0 जब गठित हुई, उस समय पिछड़ा वर्ग के 20, आठ दलित, सात ब्राह्मण, छह राजपूत, चार वैश्य, दो भूमिहार मंत्री बनाए गए थे। पहले विस्तार में पिछड़ा वर्ग के दो मंत्री बढ़े थे। इससे पिछड़े वर्ग के मंत्रियों की संख्या 22 हो गई। इसके अतिरिक्त ब्राह्मण चेहरे के रूप में सुनील शर्मा को मंत्रिमंडल में स्थान मिला, लेकिन जितिन प्रसाद केंद्रीय मंत्री बन गए, जिससे ब्राह्मण मंत्रियों की संख्या सात ही रही। अलबत्ता अनिल कुमार को मंत्री बनाए जाने पर दलित मंत्रियों की संख्या बढ़कर नौ हो गई थी।

जेंडर परिवर्तन के बाद जीती पहचान की लड़ाई

संग्राम सिंह • जागरण

- चार वर्ष बाद यूपी बोर्ड ने बदला नाम और जेंडर, जारी किया नया अंकपत्र
- सर्जरी के बाद दस्तावेज में पुराना नाम बना भविष्य में बाधा

वाराणसी : यह अंकपत्र में नाम बदलने की ही नहीं, अपनी पहचान को सम्मान और कानूनी मान्यता दिलाने के संघर्ष की भी कहानी है। मीरजापुर की 'सोनी' अब आधिकारिक रूप से 'वेदांत' हैं। चार वर्षों की जटिल कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया के बाद उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने बीते अप्रैल में वेदांत के नाम से उनका हाई स्कूल व इंटरमीडिएट का नया अंकपत्र जारी किया है।

वेदांत ने 2010 में हाईस्कूल और 2012 में इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। किशोरावस्था के बाद उनके शरीर में प्राकृतिक और हार्मोनल बदलाव होने लगे। उन्होंने वास्तविक पहचान स्वीकार करते हुए लिंग पुनर्निर्धारण सर्जरी कराई और पुरुष के रूप में नया जीवन शुरू किया। हालांकि शैक्षणिक दस्तावेजों में दर्ज पुराना नाम सोनी भविष्य की राह में बाधा बना रहा। नौकरी, पहचान पत्र, बैंक व अन्य औपचारिक प्रक्रियाओं में हर बार पहचान साबित करनी पड़ती थी। इसे समाप्त करने के लिए उन्होंने 2022 में यूपी बोर्ड के वाराणसी क्षेत्रीय कार्यालय में नाम और जेंडर संशोधन के लिए आवेदन किया। हालांकि यह प्रक्रिया आसान नहीं थी।

प्रतीकात्मक

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय विशेष समिति ने मामले की जांच की। जेंडर परिवर्तन से संबंधित मेडिकल रिपोर्ट का मुख्य चिकित्सा अधिकारी से सत्यापन कराया गया। आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करने पड़े।

करीब चार वर्षों बाद 28 साल की उम्र में वेदांत को वह अंकपत्र मिला, जिसमें उनकी वर्तमान पहचान दर्ज है।

प्रयागराज की कविता पटेल अब 'कवि पटेल' हैं। लिंग पुनर्निर्धारण सर्जरी के बाद उन्होंने पुरुष के रूप में नया जीवन शुरू किया, शादी की और उनके बच्चे भी हैं, लेकिन छह वर्षों से शैक्षणिक दस्तावेजों में संशोधन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकारी दस्तावेजों में अब भी 'कविता' नाम होने से उन्हें कई बार असहज स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि बच्चों के स्कूल में अभिभावक के रूप में अपनी पहचान साबित करना चुनौती बन गया है। बहराइच की श्रेयम मौर्य भी 'श्रेयांश' नाम से अपनी नई पहचान को दस्तावेजों में दर्ज कराने के लिए प्रयासरत हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद, वाराणसी क्षेत्रीय कार्यालय के उप सचिव साहब सिंह यादव बताते हैं कि शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों में नाम और जेंडर संशोधन की प्रक्रिया बेहद जटिल है। इसके लिए मूल अंकपत्र व प्रमाण-पत्र, संशोधित नाम और जेंडर वाला आधार या अन्य पहचान पत्र, लिंग पुनर्निर्धारण सर्जरी का मेडिकल प्रमाण-पत्र, सीएमओ का सत्यापन और जिलाधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र आवश्यक होता है।

पटना में चार प्रदर्शनकारी भेजे गए जेल, पांच हजार पर प्राथमिकी

जागरण संवाददाता, पटना

- टीआरई-4 के लिए जेपी गोलंबर के पास अभ्यर्थियों ने किया था प्रदर्शन

बिहार में शिक्षक नियुक्ति परीक्षा की अधिसूचना सहित विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार को पटना में जेपी गोलंबर के पास प्रदर्शन करने वाले चार नामजद सहित पांच हजार अज्ञात प्रदर्शनकारियों पर प्राथमिकी की गई है। गांधी मैदान थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार मिश्रा ने बताया कि दिलीप कुमार, शहनवाज सहित चार अभ्यर्थियों को शनिवार को जेल भेज दिया गया है। शुक्रवार को गांधी मैदान जेपी गोलंबर के आसपास सड़क जाम, प्रदर्शन कर रहे पांच हजार से अधिक अज्ञात पर प्राथमिकी की गई है। इनकी पहचान सीसीटीवी फुटेज, वीडियोग्राफी आदि से की गई है। आरोपितों ने विधि-व्यवस्था को भंग करने का प्रयास किया है। पुलिस पदाधिकारी के साथ धक्का-मुक्की हुई थी। पुलिस ने विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए लाठीचार्ज कर अभ्यर्थियों को खदेड़ दिया था। मामले में गांधी मैदान थाने में सरकारी कार्य में बाधा डालने, सड़क जाम, प्रदर्शन करने आदि के आरोप में धाराएं लगाई गई हैं।

शुक्रवार को हुए प्रदर्शन में एक घायल। फाइल

टीआरई-4 के अभ्यर्थियों का कहना है कि फरवरी में बिहार लोक सेवा आयोग व शिक्षा विभाग ने सीटों की संख्या जारी करने के साथ जल्द आवेदन की प्रक्रिया शुरू करने की जानकारी दी थी। मार्च और अप्रैल में भी जल्द आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ करने की सूचना दी। बीपीएससी वेबसाइट पर भी जानकारी साझा किया था। तीन माह गुजरने के बाद भी आवेदन के लिए अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

मध्य प्रदेश भाजपा में आदिवासी चेहरों की कमी बन रही मंत्री विजय शाह की ढाल

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया • भोपाल

- सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणियों के बाद बीच का रास्ता निकालने में जुटी सरकार
- आदिवासी चेहरे के नाम पर मध्य प्रदेश कैबिनेट में विजय शाह ही बड़ा नाम

आपरेशन सिंदूर के संदर्भ में कर्नल सोफिया कुरैशी पर मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह की आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में सुप्रीम कोर्ट लगातार तल्ख टिप्पणी कर रहा है। शुक्रवार को शीर्ष अदालत ने कह दिया कि 'अब बहुत हो गया'। हालांकि मध्य प्रदेश भाजपा में आदिवासी चेहरों की कमी विजय शाह के विरुद्ध कार्रवाई की ढाल बन रही है। अभी भी सरकार 'वेट एंड वाच' की स्थिति में है और अभियोजन पर निर्णय लेने संबंधी न्यायालय के ताजा निर्देश की प्रतीक्षा की जा रही है। इसके बाद फिर विधिक अभिमत लेने की तैयारी है।

दरअसल, यह मामला विजय शाह पर अभियोजन की स्वीकृति देने यानी कार्रवाई करने तक सीमित नहीं है। इसके कई मायने हैं। यही कारण है कि राज्य सरकार ने इस साल जनवरी में सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश के बाद भी मंत्री के विरुद्ध अभियोजन की मंजूरी नहीं दी। इस बीच मंत्री ने सार्वजनिक तौर पर माफी भी मांगी। सुप्रीम कोर्ट में विजय शाह के वकील ने यह भी कहा कि मंत्री का भाव कर्नल सोफिया कुरैशी को अपमानित करने का कतई नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क से असहमति जताई और दो-टूक कह दिया कि हमने जो निर्देश दिए थे उसका पालन किया जाए यानी एसआइटी ने अभियोजन की अनुमति की जो मांग की है, उस पर अविलंब निर्णय लिया जाए। इसके बाद भी बहुत कुछ होता नजर नहीं आ रहा है। दरअसल, भाजपा में आदिवासी चेहरों की कमी है। आदिवासी चेहरे के नाम पर कैबिनेट में विजय शाह ही बड़ा नाम हैं।

विजय शाह। फाइल

नहीं लेना चाहती कोई जोखिम

भाजपा आदिवासी चेहरों की कमी पूरी करने को पूर्व सांसद दिलीप सिंह भूरिया को कांग्रेस से अपने पाले में लाई थी। उनके निधन के बाद से बड़े आदिवासी चेहरे की कमी आज भी है। उनकी बेटी निर्मला को कैबिनेट मंत्री बनाया गया लेकिन वह दिलीप का विकल्प नहीं बन पाईं। महाकोशल में फग्गन सिंह कुलस्ते और ओमप्रकाश धुर्वे पार्टी का चेहरा हैं। फग्गन सिंह को केंद्र में मंत्री बनाया गया तो धुर्वे को राष्ट्रीय पदाधिकारी, मगर दोनों का दायरा सीमित रहा।

बिहार में विभागों के बंटवारे वाली अधिसूचना से उप मुख्यमंत्री पदनाम नहीं

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना

- विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव के नाम के साथ उप मुख्यमंत्री पदनाम का उल्लेख नहीं
- इंटरनेट मीडिया यूजर पूछ रहे प्रश्न - राज्य में उप मुख्यमंत्री का पद समाप्त हो गया क्या?

बिहार में उप मुख्यमंत्री से जुड़ी मंत्रिमंडल विभाग की अधिसूचना को लेकर इंटरनेट मीडिया पर बहस चल रही है। यूजर प्रश्न पूछ रहे हैं-क्या राज्य में उप मुख्यमंत्री का पद समाप्त हो गया है? विभागीय सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने साफ किया-उप मुख्यमंत्री का पद समाप्त नहीं हुआ है। वह कायम है। हरेक अधिसूचना में पदनाम का उल्लेख करना जरूरी नहीं होता है।

बहस की शुरुआत सात मई की अधिसूचना से हुई है। इसमें मुख्यमंत्री और मंत्रियों के विभागों को अधिसूचित किया गया है। पदनाम में मुख्यमंत्री और मंत्री लिखा हुआ है। विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव के नाम के साथ उप मुख्यमंत्री पदनाम का उल्लेख नहीं है। इन दोनों का नाम भी मंत्रियों की श्रेणी में है। नाम के साथ विभागों का विवरण दिया गया है।

विभागीय सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने पूछने पर बताया कि 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री के अलावा दो उप मुख्यमंत्रियों का शपथ ग्रहण हुआ था। उस दिन जारी अधिसूचना में दोनों के पदनाम उप मुख्यमंत्री दिए गए हैं। वही मान्य है। वैसे, इंटरनेट मीडिया के यूजर इस तर्क से सहमत नहीं हैं। वे पिछले साल 21 नवंबर को जारी इसी विभाग की अधिसूचना का हवाला दे रहे हैं। उसमें तत्कालनीन उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा के नाम के सामने उप मुख्यमंत्री लिखा हुआ है। वैसे संविधान में उप मुख्यमंत्री के पद का उल्लेख नहीं है। उसमें मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के अन्य पदधारक मंत्री, राज्य मंत्री, उप मंत्री आदि की चर्चा है। आज भी मुख्यमंत्री को छोड़कर मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य मंत्री पद की ही शपथ लेते हैं।

8 प्रसूताओं की किडनी फेल (एक्यूट रीनल फेलियर) हुई है कोटा के सरकारी मेडिकल कालेज अस्पताल में पांच दिन में प्रसव के बाद। दो प्रसूताओं की मौत हो होने के साथ ही छह की हालत गंभीर है। उच्च स्तरीय जांच में यह जानकारी सामने आई है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार, 10 मई, 2026

न्यूज गैलरी

टैगोर की जयंती पर पीएम मोदी ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती (पोचीशे बोइशाख) के अवसर पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने टैगोर को 'भारत की सभ्यतागत आत्मा की शाश्वत आवाज' बताते हुए उनके बहुआयामी व्यक्तित्व की सराहना की। 'एक्स' पर साझा किए संदेश में उन्होंने कहा कि 'गुरुदेव' एक असाधारण लेखक, कवि, दार्शनिक और शिक्षाविद् थे, जिन्होंने मानवीय भावनाओं और भारतीय संस्कृति के आदर्शों को नई अभिव्यक्ति दी। उन्होंने कहा कि टैगोर ने समाज को नए विचारों, रचनात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक आत्मविश्वास से समृद्ध किया। मोदी ने विश्वास जताया कि टैगोर के विचार भविष्य में भी मानवता का मार्गदर्शन करते रहेंगे और देश उनके योगदान को सदैव कृतज्ञता के साथ याद रखेगा। (प्रेट्र)

कुत्ते ने चार माह के मासूम को नोच-नोचकर मार डाला

बीदर : कर्नाटक के बीदर जिले में एक आवारा कुत्ते ने घर में सो रहे चार महीने के मासूम बच्चे को नोच-नोचकर मार डाला। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और गुस्से का माहौल है। पुलिस के अनुसार, बच्चे के माता-पिता उसे घर के अंदर पालने में सुलाकर बाहर गए थे। बताया जा रहा है कि घर का दरवाजा खुला रह गया था। इसी दौरान एक आवारा कुत्ता घर के अंदर घुस आया और पालने में सो रहे मासूम पर हमला कर दिया। कुत्ते ने बच्चे के शरीर के कई हिस्सों को बुरी तरह काट डाला। मासूम की चीख सुनकर माता-पिता घबराकर अंदर पहुंचे तो उनके होश उड़ गए। बच्चा लथपथ हालत में पड़ा था। (प्रेट्र)

क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े मामले में ईडी ने तीन को किया गिरफ्तार

बेंगलुरु : ईडी ने क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में श्रीकृष्ण रमेश उर्फ श्रीकी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीकी, राबिन खंडेलवाल और सुनीश हेगड़े को आठ मई को हिरासत में लिया गया था। उन्हें शनिवार को अदालत ने उन्हें 10 दिनों के लिए हिरासत में भेज दिया। एजेंसी ने 20 अप्रैल को छापेमारी की, जिसमें आरोपित मोहम्मद हारिस नलपाद और उमर फारूक नलपाद (कर्नाटक कांग्रेस विधायक एन ए हारिस के बेटे) और अकीब खान (पूर्व केंद्रीय मंत्री के रहमान खान के पोते) से जुड़े परिसरों पर भी छापेमारी की गई। कर्नाटक युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद हारिस नलपाद ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इन्कार करते हुए कहा कि ईडी द्वारा उनके और भाई के घर में 21 घंटे की तलाशी में कुछ भी नहीं मिला। (प्रेट्र)

'अजूबा' ब्रिज मामले में क्लीनचिट के बिना ही 7 निलंबित इंजीनियर बहाल

दो इंजीनियरों के विरुद्ध विभागीय जांच जारी, पांच के बारे में निर्णय लंबित

भोपाल के 90 डिग्री कोण वाले ब्रिज मामले में सातों जून 2025 में किए गए थे निलंबित

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया • भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार ने भोपाल में 90 डिग्री कोण वाले बहुचर्चित 'अजूबा' ओवरब्रिज (आरओबी) मामले में 10 माह से निलंबित लोक निर्माण विभाग के सात इंजीनियरों को बहाल करने का निर्णय लिया है। ऐसा बिना किसी को क्लीनचिट दिए ही किया गया है। दो इंजीनियरों पर विभागीय जांच पहले ही चल रही है, वहीं, बाकी पांच के बारे में जांच प्रारंभ करने पर निर्णय लंबित है।

बता दें कि 648 मीटर लंबा व आठ मीटर चौड़ा व 17 करोड़ 37 लाख प्रोजेक्ट की लागत वाला यह ब्रिज मई 2025 में बनकर तैयार हुआ। लोकार्पण से पहले विशेषज्ञों ने इसे यातायात के लिए बेहद जोखिमभरा बताया था। जांच में ब्रिज पर 35 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक गति से वाहन चलाने को खतरनाक पाया गया। मामले में सात इंजीनियरों को 23 जून 2025 को निलंबित किया गया था। सभी इंजीनियरों को प्रमुख अभियंता कार्यालय में पदस्थ करने का निर्णय लिया है।

भोपाल में बेढंगी डिजाइन से बना यह ब्रिज बहुचर्चित हुआ था। फाइल फोटो- नईदुनिया

मोड़ के रेडियस को ढाई मीटर तक बढ़ाया जाएगा : आरओबी के खतरनाक मोड़ को री-डिजाइन करने पर निर्णय हो चुका है। मोड़ के रेडियस को दो से ढाई मीटर तक बढ़ाया जाएगा, जिससे इसकी चौड़ाई साढ़े आठ मीटर से बढ़कर 11 मीटर तक हो जाएगी। विभाग का दावा है कि ब्रिज का तीखा मोड़ 90 डिग्री नहीं 119 डिग्री था।

गर्मी पर फिर ब्रेक लगाएगा पश्चिमी विक्षोभ

- रविवार रात से उत्तर-पश्चिम भारत में तेज हवा के साथ छिटपुट बारिश के आसार
- पहाड़ी राज्यों में गरज-चमक, ओलावृष्टि और तेज बारिश की आशंका

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

उत्तर-पश्चिम भारत का मौसम फिर बदलने वाला है। रविवार से पहाड़ों पर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है। इसके प्रभाव से हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में बारिश और तेज हवाओं का दौर शुरू होने की संभावना है। इस दौरान बारिश छिटपुट होगी, लेकिन कई क्षेत्रों में हवा की गति 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। भारतीय मौसम विभाग (आइएमडी) के अनुसार, सोमवार से अगले तीन दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत में मौसम तेजी से करवट ले सकता है। मौसम के करवट लेने से आने वाली गर्मी से राहत मिल सकती है।

पहाड़ी राज्यों में गरज-चमक, ओलावृष्टि और तेज बारिश की आशंका है, जबकि मैदानी क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की स्थितियां बन सकती हैं।

भारतीय मौसम विभाग के विशेषज्ञों का कहना है कि रविवार की रात नया पश्चिमी विक्षोभ पहाड़ों में प्रवेश करेगा, जिसके बाद अगले तीन से चार दिनों तक मौसम का असर धीरे-धीरे पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक फैल जाएगा।

इसके पहले दिल्ली और आसपास के इलाकों में दिन के तापमान में बढ़ोतरी होगी, लेकिन भरातीय मौसम विभाग (आइएमडी) का मानना है कि तापमान इतना नहीं बढ़ेगा कि व्यापक स्तर पर हीटवेव की स्थिति बन जाए। हालांकि, इस दौरान राजस्थान, गुजरात और पश्चिमी मध्य प्रदेश में गर्मी का असर अधिक रह सकता है। राजस्थान और गुजरात में भी अगले छह दिनों तक लू चलने की आशंका है, जबकि 12 से 13 मई के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी गर्म हवाएं परेशान कर सकती हैं।

प्रतीकात्मक

इस बीच, पूर्वी भारत में भी मौसम पूरी तरह शांत नहीं रहेगा। बिहार, झारखंड, ओडिशा और बंगाल में अगले कुछ दिनों तक बादल बनने, तेज हवाएं चलने और कहीं-कहीं बारिश होने की आशंका है। भारतीय मौसम विभाग (आइएमडी) का कहना है कि अभी पूर्वी भारत में नमी और स्थानीय मौसमी गतिविधियां सक्रिय हैं, जिस कारण गरज-चमक के साथ बारिश का दौर बना रह सकता है।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्सों, खासकर गोरखपुर और देवरिया जैसे जिलों में भी बादल छाने और छिटपुट बारिश की संभावना है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से मिल रही नमी के कारण दक्षिण भारत में प्री-मानसून गतिविधियां तेज बनी हुई हैं।

समय पर पहुंच सकता है मानसून

मानसून के समय पर केरल पहुंचने के संकेत हैं। मौसम विज्ञानियों के अनुसार हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी में बढ़ रही गतिविधियां मानसून को गति दे रही हैं। अंडमान-निकोबार में मानसून के आने की सामान्य तिथि 22 मई मानी जाती है। इसके बाद यह धीरे-धीरे केरल की ओर बढ़ता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जो मानसूनी हवाओं को मजबूत करने में मदद कर सकता है। केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और आसपास के राज्यों में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो चुकी हैं।

मोहाली, चंडीगढ़ में बिल्डरों के ठिकानों पर 40 घंटे तक छापा

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़ : मोहाली, न्यू चंडीगढ़ और चंडीगढ़ में रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े कथित सीएलयू (चेंज आफ लैंड यूज) घोटाले और मनी लांड्रिंग मामले में ईडी की ओर से गुरुवार से शुरू की गई 12 स्थानों पर रेड करीब 40 घंटे बाद खत्म हुई। पहले दिन के छापे के दौरान खरड़ की एक सोसायटी की नौवीं मंजिल के एक फ्लैट से नोटों से भरे दो बैग गिराने और उनमें से 500-500 नोटों के बंडल गिरने का मामला काफी चर्चा में रहा था। दो दिन चली रेड के दौरान ईडी ने 21 करोड़ रुपये की नकदी और डिजिटल रिकार्ड के अलावा प्रापर्टी दस्तावेज, बैंक रिकार्ड जब्त किए है। खास बात यह है कि जिन बिल्डर के घरों व प्रतिष्ठानों पर छापा मारा गया, उनमें से कुछ के राजनेताओं से संबंध भी बताए जा रहे हैं। जांच में सामने आया है कि न्यू चंडीगढ़ में बड़े रिहायशी और कमर्शियल प्रोजेक्ट्स के लिए कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सीएलयू मंजूरियां हासिल की गईं।

बिहार में स्टेशन के पास संदिग्ध कैमरा मिलने के बाद देशभर में रेलवे सुरक्षा अलर्ट

- सभी रेल मंडलों में कैमरों की जांच शुरू, एटीएस-एसटीएफ आतंकी कनेक्शन की पड़ताल में जुटी
- हरियाणा में कई स्टेशनों के आसपास मिले थे इस तरह के कैमरे

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बिहार में मुजफ्फरपुर-हाजीपुर रेलखंड पर सराय स्टेशन के समीप सिग्नल टावर पर संदिग्ध हाईटेक इंटरनेट प्रोटोकाल (आइपी) कैमरा मिलने के बाद रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरे देश में अलर्ट जारी किया गया है। आरपीएफ महानिदेशक (डीजी) सोनाली मिश्रा ने देशभर के आरपीएफ अधिकारियों को सतर्कता बढ़ाने और रेलवे परिसरों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए 12 बिंदु तय किए हैं। इसके बाद पूर्व मध्य रेल के आरपीएफ आइजी अमरेश कुमार ने पांचों रेल मंडलों (सोनपुर, समस्तीपुर, दानापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्यान और धनबाद) में स्टेशन परिसर, सिग्नल टावर और रेलवे ट्रैक के आसपास लगे सभी कैमरों की जांच कराने का आदेश जारी किया है। मंडल रेल प्रबंधकों ने अपने-अपने इलाके में स्टेशनों पर लगे कैमरों की जांच कर तत्काल रिपोर्ट मांगी है।

आरपीएफ ने सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर जांच तेज कर दी है। आरपीएफ क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर चंदन कुमार सिंह के नेतृत्व में जांच चल रही है। रेल एसपी बीणा कुमारी ने सभी रेल डीएसपी, इंस्पेक्टर, थानेदार को इस मामले की जांच करने को कहा है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), एटीएस, एसटीएफ, जीआरपी और खुफिया एजेंसियां संयुक्त रूप से जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में कैमरे के आतंकी नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी देशभर में सेना के ठिकानों, रेलवे स्टेशन के आसपास, संवेदनशील इलाकों में 50 से ज्यादा जगह इस तरह के कैमरे मिले हैं। हरियाणा में कई स्टेशनों के आसपास भी इस तरह के कैमरे पहले मिले हैं। सराय स्टेशन के पास भी कैमरा लगाने वाला हरियाणवी बोल रहा था। इससे गिरोह के हरियाणा कनेक्शन पर जांच हो रही है।

मालूम हो कि सराय स्टेशन के आगे फाटक संख्या-43 सी स्पेशल के पास लगे सिग्नल टावर पर तीन दिन पहले हरियाणवी बोलने वाले एक संदिग्ध युवक ने कैमरा लगाया था। सोलर संचालित कैमरे में 4-जी सिम लगा था। इसका आइपी एड्रेस कर्नाटक के तटीय क्षेत्र से जुड़ा मिला।

कैमरा लगाने वालों की तलाश कर रही जीआरपी : मामले में जीआरपी मुजफ्फरपुर में प्राथमिकी दर्ज कर कैमरा लगाने वालों की तलाश की जा रही है। रेल एसपी बीणा कुमारी ने बताया कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। इसमें एक राज्य की पुलिस द्वारा वहां के वांछित बदमाश की गतिविधि को देखने के लिए भी कैमरा लगाना शामिल है। किसी राज्य की पुलिस ने यहां कैमरा लगाने से पहले सूचना नहीं दी थी।

मुंबई से आइआइटी पटना के समारोह में शामिल होने आए छात्र की करंट से मौत

जागरण संवाददाता, बिहटा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) पटना में शनिवार की सुबह करंट लगने से एक छात्र की मौत हो गई। छात्र की पहचान हैदराबाद (तेलंगाना) के सदासिवुनी हर्षित पटनायक के रूप में हुई है। वह विदाई समारोह में शामिल होने के लिए मुंबई से पटना आया था। डुअल डिग्री कोर्स के विद्यार्थी होने के कारण साढ़े तीन वर्ष आइआइटी पटना में पूरा होने के बाद अंतिम डेढ़ वर्ष की पढ़ाई आइआइएम मुंबई में कर रहा था। आइआइटी पटना प्रशासन के अनुसार छात्रावास के बैडमिंटन कोर्ट में शनिवार की सुबह छह बजे के आसपास क्रिकेट खेल रहा था। गेंद पकड़ने के दौरान बैडमिंटन कोर्ट के पोल में सटने से उसे तेज झटका लगा और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। गिरने से उसका सिर फट गया था। उसे तुरंत नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कालेज व अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सदासिवुनी हर्षित पटनायक सत्र 2022-27 का छात्र था। बताया जाता है कि वह अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। घटना की सूचना पर आइआइटी थाना पुलिस व फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की।

सदासिवुनी हर्षित पटनायक।

छात्रावास के बैडमिंटन कोर्ट में क्रिकेट खेलने के दौरान पोल छूते ही लगा झटका, गिरने से सिर फटा

बैडमिंटन कोर्ट के पोल में लाइट के लिए बिजली का बोर्ड लगा था। संस्थान को आशंका है कि शुक्रवार की शाम आंधी-वर्षा के दौरान कनेक्शन में किसी तरह की त्रुटि आई होगी। वहीं, सहपाठियों ने बताया कि झटका लगने के बाद वह सिर के बल गिरा, जिससे सिर में काफी चोट आई। शोर मचाने पर कर्मचारी और छात्र ने उसे अस्पताल पहुंचाया।

बेटों के बैंक खातों से मां को अपने आप मिलेगा गुजारा भत्ता

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़: पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एक बुजुर्ग विधवा के लिए 30 हजार रुपये मासिक भरण पोषण भत्ता देने का आदेश दिया। यह आदेश उन दो बेटों के लिए है, जिन्होंने भिवानी जिला अदालत के 13 हजार रुपये के मासिक भत्ते के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि भत्ता राशि बेटों के बैंक अकाउंट से प्रतिमाह आटो डेबिट करने की व्यवस्था की जाए, ताकि रकम सीधे बुजुर्ग मां के बैंक अकाउंट में पहुंच सके। कोर्ट ने नोट किया कि जिला अदालत के आदेश के बावजूद भत्ता नहीं दिया जा रहा था। बुजुर्ग मां की तरफ से अदालत को बताया गया कि उनके पास सरकार से मिलने वाली मासिक पेंशन के अलावा जीवनयापन की कोई व्यवस्था नहीं है। सरकार से जो पेंशन मिलती है, उससे दवाओं या घर चलाने के अन्य खर्च पूरे नहीं हो पाते हैं। हाई कोर्ट को यह भी बताया गया कि दोनों बेटे सरकारी नौकरी करते हैं और बुजुर्ग मां का सहयोग करने में समर्थ हैं।

पीएम श्री स्कूल में ईसाई प्रार्थना कराने पर प्रधानाध्यापिका निलंबित

- छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले का मामला
- राष्ट्रगान के स्थान पर कराई जा रही थी ईसाई प्रार्थना

नईदुनिया प्रतिनिधि, जांजगीर-चांपा

छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में स्थित पीएमश्री शासकीय कन्या प्राथमिक शाला की प्रधानाध्यापिका को निलंबित कर दिया गया है। ग्रामीणों और हिंदू संगठनों ने आरोप लगाया कि स्कूल में बच्चों को हिंदू संस्कृति के खिलाफ भड़काया जा रहा था तथा मतांतरण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। आरोप यह भी है कि प्रार्थना सभा में राष्ट्रगान के स्थान पर ईसाई प्रार्थना (गाड इज ग्रेट) कराई जा रही थी। मामले ने तब तूल पकड़ा, जब सात मई को ग्राम भिलाई में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों और हिंदू संगठनों ने खुलकर इस मुद्दे को उठाया। इसके बाद डीईओ अशोक सिन्हा ने प्रधानाध्यापिका का निलंबित करने का आदेश जारी किया। बलौदा थाने में प्रकरण भी दर्ज किया गया है।

वहीं प्रधानाध्यापिका के विरुद्ध स्कूल अनुदान की राशि में अनियमितता और फर्जी बिल लगाने के आरोप भी सामने आए हैं। आरोप है कि प्रधानाध्यापिका ने स्कूल प्रबंधन समिति की राशि स्वयं खर्च की और बाद में समिति से अनुमोदन लेने की कोशिश की। बीईओ आरके गौतम ने कहा है कि प्रधानाध्यापिका और उनके बच्चे अक्सर चर्च आते-जाते रहते थे, हालांकि वह खुद मतांतरित हुई थी या नहीं, इसकी जांच की जा रही है।

प्रतीकात्मक

अवैध लिंग निर्धारण रैकेट में आइएमए की महाराष्ट्र इकाई का पूर्व अध्यक्ष गिरफ्तार

मुंबई, प्रेट्र : अवैध लिंग निर्धारण रैकेट पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) की महाराष्ट्र इकाई के पूर्व अध्यक्ष डा. रविंद्र कुटे को अवैध गर्भपात और परीक्षण कराने में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि यह गिरफ्तारी अहिल्यानगर और पुणे में फैले एक रैकेट की जांच के बाद हुई है। डा. कुटे को बुधवार को राहता में गिरफ्तार किया गया। उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला है कि उन्होंने कथित तौर पर कई महिलाओं का अवैध रूप से गर्भपात कराया था। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने अब तक दो डाक्टरों, तीन एजेंटों और महिलाओं के रिश्तेदारों सहित 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। श्रीरामपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सोमनाथ वाघचौरे और उनकी टीम ने इस अभियान का नेतृत्व किया और पाया कि यह रैकेट पुणे और अहिल्यानगर तक फैला हुआ था। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

'वाट्सएप स्टेटस में उर्दू शायरी शेयर करना कोई अपराध नहीं'

- मप्र हाई कोर्ट ने शासकीय शिक्षक के विरुद्ध निरस्त की एफआइआर
- इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट की गई हर बात को अपराध नहीं माना जा सकता

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुर

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने बैतूल में सरकारी स्कूल के शिक्षक फैजान अंसारी को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में साफ किया कि वाट्सएप स्टेटस में उर्दू शायरी शेयर करना कोई अपराध नहीं है। साथ ही याचिकाकर्ता के विरुद्ध दर्ज तीन एफआइआर निरस्त करने का आदेश भी दिया। दरअसल, यह मामला उस समय सामने आया जब शिक्षक ने अपने वाट्सअप स्टेटस पर कुछ उर्दू शायरी और सामाजिक मुद्दों से जुड़ी बातें साझा कीं। पोस्ट में इतिहास, बलिदान और सामाजिक अन्याय जैसे मुद्दों का जिक्र था। इसके बाद कुछ लोगों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 153(2) सहित कई धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर लिया था। आरोप लगाया गया था कि उनकी पोस्ट से सामाजिक सद्भाव बिगड़ सकता है। शिकायत के बाद पुलिस ने शिक्षक का मोबाइल भी जब्त कर लिया था। हालांकि, जांच के दौरान ऐसा कोई स्पष्ट सबूत सामने नहीं आया, जिससे सिद्ध हो सके कि शिक्षक का उद्देश्य किसी समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाना था। विचारण के दौरान कोर्ट ने कहा कि किसी पोस्ट को अपराध मानने के लिए यह साबित होना जरूरी है कि उसमें जानबूझकर नफरत फैलाने या हिंसा भड़काने की मंशा थी। सिर्फ साहित्यिक या भावनात्मक अभिव्यक्ति को आपराधिक दायरे में नहीं लाया जा सकता।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट। फाइल

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे भागीरथ पर पाक्सो केस

हैदराबाद, प्रेट्र : केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे भागीरथ के खिलाफ हैदराबाद में पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक नाबालिग छात्रा की मां ने आरोप लगाया है कि भागीरथ ने उनकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया। दोनों में पिछले सात-आठ महीनों से जान-पहचान और कथित संबंध था। वहीं दूसरी ओर, भागीरथ ने पुलिस को शिकायत देकर पूरे मामले को साजिश और उगाही का प्रयास बताया है। भागीरथ का कहना है कि लड़की से उसका परिचय हुआ था और उसे परिवार के कार्यक्रमों तथा धार्मिक स्थलों की यात्राओं में भी बुलाया जाता था। बाद में लड़की और उसके परिवार ने उस पर शादी का दबाव बनाना शुरू कर दिया। जब उसने विवाह से इनकार किया तो परिवार ने उससे पैसे मांगने शुरू कर दिए और झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दी। डर के कारण उसने लड़की के पिता को 50 हजार रुपये भी दिए, लेकिन बाद में उससे पांच करोड़ रुपये की मांग की गई।

83 लाख के बीमा क्लेम के लिए मौत के बाद करंट से हाथ-पैर की अंगुलियां जलाईं

- राजस्थान के भीलवाड़ा जिले का मामला, युवक की मौत को हादसा दिखाने का प्रयास
- पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट, बीमा दस्तावेज की कर रही जांच, चार आरोपित गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, उदयपुर

राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में पुलिस ने बीमा क्लेम के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वाले गुजरात के एक गिरोह का राजफाश किया है। जहां 83 लाख रुपए के बीमा क्लेम के लिए गुजरात के युवक की मौत के बाद उसके शव को करंट लगाकर हादसा साबित करने का प्रयास किया गया। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया है। गांधीनगर थाना प्रभारी पुष्पा कासोटिया ने बताया कि 7 मई की रात मांडल थाना से संदिग्ध शव अस्पताल लाए जाने की सूचना मिली थी। मृतक दीपक की मां चंपा बेन ने बताया कि कुछ लोग इलाज के बहाने उनके बेटे को गुजरात से राजस्थान लेकर आए थे। रात में दीपक की मौत हो गई। महिला ने आरोप लगाया कि साथ आए लोगों ने मौत को हादसा दिखाने के लिए शव के पैर के अंगूठे और हाथ की अंगुली को जला दिया और अस्पताल में बताया कि खेत पर काम करते समय करंट लगने से मौत हुई है।

डा. रोहित सहरावत ने बताया कि शरीर पर करंट के सामान्य निशान नहीं थे, जबकि सीने पर ईसीजी इलेक्ट्रोड के निशान मौजूद थे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

83 लाख के चार बीमा

स्वजन के अनुसार, दीपक के नाम पर करीब 83 लाख रुपए के चार बीमा कराए गए थे। इससे पहले भी एक बार बीमा कराया गया था, लेकिन अवधि के दौरान उसकी मौत नहीं हुई। करीब दो महीने पहले फिर नया बीमा कराया गया। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट, काल डिटेल और बीमा दस्तावेज की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में बीमा एजेंट, सर्वेयर और अन्य लोगों की मिलीभगत वाले बड़े गिरोह की आशंका सामने आई है।

वर्ग पहेली - 3330

बाएं से दाएं :-
1. ऊंट का बोलना (5)। 3. सोना, धतूरा (3)। 5. लाठियों से किया गया प्रहार (4)। 7. मनुष्य (2)। 9. बच्चों की एक पत्रिका (4)। 10. भगवान विष्णु (4)। 12. कष्ट देना, पीड़ा पहुंचाना (4)। 14. मध्यमा और कनिष्ठा के बीच की अंगुली (4)। 15. नस, नाड़ी (2)। 17. हल्का गर्म (4)। 18. लगातार, ...तोड़ (3)। 19. घमंड या गर्व करना (2,3)।

ऊपर से नीचे :-
1. सहोदरा (3)। 2. मूर्खतापूर्ण आचरण करने वाला (4)। 3. ऋण, उधार (2)। 4. जिसके पास करोड़ों की संपत्ति हो (5)। 6. खुशामद करने वाला व्यक्ति (4)। 8. रचनाकार (4)। 11. समाचार पत्र का लेखक या संपादक (4)। 12. प्रतिद्वंद्विता, स्पर्धा (5)। 13. हिंदी-मैथिली के प्रसिद्ध कवि (4)। 14. स्वीकारना (4)। 16. गिनती, गिनना (3)। 17. ईख से यह बनता है (2)।

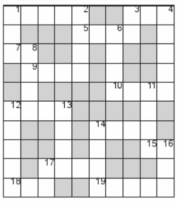

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

ख	त	र	ना	क			त		ज
				ल	घु	क	था		ल
ती	र		प	ह	ल				ला
	स		ह		नी	खु	श		ब
	प	गी	र				म	लि	न
शा	ति	र				प	न	प	
न		तै	ल	बे		र		ट	
शो				धी	रे	ती		ना	ज
क		स	मा	न	ता				
त		ह			लू	क	ल	गा	ना

जागरण सुडोकू - 3330

	9			3		5	6	
	1			9	8		7	
7		5	2					4
3			1			6		8
	4	1			6		9	
9				5	2			3
			9					
	2	9		1			3	7
5	7			2	4		1	9

कल का हल

7	1	2	9	6	4	3	8	5
9	8	4	1	3	5	2	7	6
3	6	5	2	7	8	9	4	1
6	9	3	8	5	1	7	2	4
5	7	8	4	2	6	1	9	3
4	2	1	3	9	7	5	6	8
1	3	6	7	4	9	8	5	2
2	5	7	6	8	3	4	1	9
8	4	9	5	1	2	6	3	7

आज का भविष्यफल : रविवार 10 मई, 2026

पं. के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष अष्टमी। **राहुकाल :** सायं 04:30 बजे से 06 बजे तक। **दिशाशूल :** पश्चिम। **विशेष :** पंचक। **पर्व एवं त्योहार :** शीतलाष्टमी

कल 11 मई, 2026 का पंचांग

दिशाशूल : पूर्व। **विशेष :** पंचक, सूर्य कृतिका नक्षत्र में, मंगल अश्वनी नक्षत्र और मेष राशि में।

विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की नवमी 15 घंटे 25 मिनट तक, तत्पश्चात दशमी शतभिशा नक्षत्र 25 घंटे 29 मिनट तक, तत्पश्चात पूर्वभाद्रपद नक्षत्र ऐंद्र योग 25 घंटे 05 मिनट तक, तत्पश्चात वैधृति योग, कुंभ में चंद्रमा।

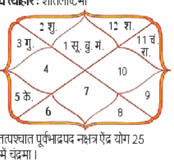

मेष : कुछ समस्याएं आ सकती हैं। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।
वृष : नेत्र विकार या अप्रिय समाचार मिल सकता है। सावधानी बरतें।
मिथुन : पिता का सहयोग मिलेगा। मांगलिक उत्सव में शामिल होंगे।
कर्क : सेहत के प्रति सचेत रहें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
सिंह : छोटी बातों पर विवाद न उत्पन्न करें। सफलता हासिल करेंगे।
कन्या : आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। रिश्तों में निकटता आएगी।
तुला : आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। सेहत के प्रति सचेत रहें।
वृश्चिक : महिला राजनेता का सहयोग मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
धनु : बहन का सहयोग मिल सकता है। अधीनस्थ से तनाव मिलेगा।
मकर : व्यावसायिक मामलों में प्रगति होगी। जीविका में वृद्धि होगी।
कुंभ : आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। सत्ता में सहयोग मिलेगा।
मीन : वाहन चलाते समय सावधान रहें। आर्थिक मामलों में सचेत रहें।

8 लोगों की तबीयत बिगड़ गई बक्सर जिले में सोनवर्षा गांव के तरबूज खाने से। सभी एक ही परिवार के हैं। इनमें एक को तो हायर सेंटर रेफर कर दिया गया, जबकि सात का उपचार किया गया। इसमें से पांच लोग स्वस्थ हो चुके हैं।

देश में तकनीक और अनुसंधान की नई चेतना तेजी से विकसित हो रही है। यही वजह है कि भविष्य का भारत अब केवल बड़ी प्रयोगशालाओं, अंतरिक्ष केंद्रों या प्रतिष्ठित संस्थानों तक सीमित नहीं है। स्कूलों की अटल टिंकरिंग लैब से भी नई पीढ़ी अपने प्रयोगों से बदलाव की जमीन तैयार कर रही है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस (11 मई) के अवसर पर ऐसी ही कुछ कहानियां पढ़िये। कहीं अंगुलियों की गतिविधियों को शब्दों में बदलने वाला स्मार्ट ग्लव संवाद की नई उम्मीद बन रहा है तो कहीं जलते कूड़े से ऊर्जा और हरियाली पैदा करने का माडल पर्यावरण संरक्षण की नई राह दिखा रहा है। दूसरी ओर वर्षों के धैर्यपूर्ण शोध के बाद पार्किंसंस जैसी लाइलाज मानी जाने वाली बीमारी के उपचार की दिशा में भारतीय अनुसंधान नई संभावना जगा रहा है। इन सभी प्रयासों के केंद्र में समाज की वास्तविक समस्याएं और उनके व्यावहारिक समाधान हैं। नई पीढ़ी के विद्यार्थी कम उम्र में ही तकनीक को सामाजिक जरूरतों से जोड़ रहे हैं, जबकि अनुभवी विज्ञानी अपने लंबे शोध से देश को आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए सक्षम बनाने में जुटे हैं।

नई तकनीक की नई सोच से भविष्य का भारत

गढ़ रहे देश के ये विज्ञानी

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस (11 मई)

अंगुलियों की भाषा से खुला संवाद का नया रास्ता

'इकोग्लव' डिवाइस पहने डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल के छात्र जिवाज ● स्वयं

डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल, कदमा के अटल टिंकरिंग लैब में एक सामान्य चर्चा ने एक असामान्य सोच को जन्म दिया। सवाल था, अगर कोई व्यक्ति आपात स्थिति में बोल न सके तो क्या होगा? दरअसल, कई बार देखा गया कि बोलने में असमर्थ लोग अपनी बात ठीक से नहीं रख पाते, खासकर संकट के समय। इसी कमी को दूर करने की दिशा में स्कूल के दो छात्रों ने कदम बढ़ाया। जिवाज साहू व विवान पाठक के प्रयास, परीक्षण व सुधार के बाद 'इकोग्लव' नामक स्मार्ट डिवाइस तैयार की। यह पहनने योग्य दस्ताना है, जो अंगुलियों की गतिविधियों को समझकर उन्हें टेक्स्ट संदेश में बदल देता है।

ऐसे काम करती है यह डिवाइस

इकोग्लव में लगे सेंसर अंगुलियों की हरकतों को ट्रैक करते हैं। ये संकेत माइक्रोकंट्रोलर तक पहुंचते हैं, जहां उन्हें पहले से निर्धारित संदेशों में बदला जाता है। इसके बाद यह संदेश स्क्रीन पर दिखता है या मोबाइल डिवाइस पर भेजा जा सकता है। इस तरह बिना बोले भी व्यक्ति बात रख सकता है।

शुरुआती चुनौतियां और समाधान

शुरुआत में सबसे बड़ी समस्या सटीकता की थी। ग्लव कई बार गलत संकेत पढ़ लेता था। इसे सुधारने के लिए छात्रों ने सेंसर की पोजिशन बदली, कोडिंग में बदलाव किए और बार-बार परीक्षण किया। गाइड शिक्षक के रूप में हीरक विश्वास ने दोनों युवा विज्ञानियों का मार्गदर्शन किया।

प्रतियोगिता से मिली पहचान : इस नवाचार को झारखंड स्कूल इनोवेशन चैलेंज (आविष्कार 5.0) में प्रदर्शित किया गया। 144 स्कूलों की 200 से अधिक टीमों के बीच इस प्रोजेक्ट ने अपनी अलग पहचान बनाई। टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। उन्हें ट्राफी, प्रमाण-पत्र और 30,000 रुपये का पुरस्कार मिला। यह प्रतियोगिता दिसंबर 2025 में हुई थी।

धनबाद में हुई प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त करते जिवाज व विवान (दाएं से दूसरा) ● स्वयं

सरल, सस्ता और उपयोगी समाधान

इकोग्लव की खास बात इसकी सरलता और किफायती डिजाइन है। जहां कई सहायक तकनीकें महंगी और जटिल होती हैं, वहीं यह डिवाइस आसानी से इस्तेमाल की जा सकती है। यह बोलने में असमर्थ लोगों व आपात स्थितियों जैसे दुर्घटना या मेडिकल इमरजेंसी में बेहद उपयोगी साबित हो सकता है।

ये हैं भविष्य की योजनाएं

अब छात्र इस डिवाइस को और बेहतर बनाने पर काम कर रहे हैं। उनका लक्ष्य इसमें वायरलेस कनेक्टिविटी जोड़ना, एआइ के जरिये इसे कई भाषाओं में उपयोगी बनाना है। जिवाज और विवान कक्षा नौ के छात्र हैं।

(जमशेदपुर से वेंकटेश्वर राव)

देश के विज्ञानी की दवा से दुनिया को मिलेगी लाइलाज पार्किंसंस से निजात

कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के कुलपति व प्रसिद्ध रसायन विज्ञानी प्रो.दीवान सिंह रावत के निर्देशन में शोध के बाद लाइलाज कही जाने वाली बीमारी पार्किंसंस के उपचार की उम्मीद जगी है। शोध के बाद अमेरिकी दवा कंपनी ने मानव परीक्षण में पहले चरण की सफलता भी हासिल कर ली है। इसी साल नया पेटेंट हासिल होने के बाद अब इस दवा के दूसरे चरण के मानव परीक्षण की तैयारी है, जिसे कोरिया या अन्य देश में किए जाने की संभावना तलाशी जा रही है।

प्रो. रावत ने शोध कर ऐसा नवीन अणु (मालिक्यूल) विकसित किया है, जो पार्किंसंस रोग के उपचार में सक्षम हो सकता है। यह एक ऐसी बीमारी है, जिसके लिए वर्तमान में कोई प्रभावी दवा नहीं है। प्रो. रावत के नेतृत्व में दिल्ली विश्वविद्यालय में कार्यरत रहने के दौरान उनके शोध छात्रों के ग्रुप की ओर से इस बीमारी के कारक अणुओं को विकसित किया गया था। 2012 से शुरू हुए इस शोध में प्रयोगशाला में करीब 600 यौगिक तैयार किए गए, जिसके लिए 12 अंतरराष्ट्रीय पेटेंट मिले। अमेरिकी फार्मा कंपनी हैनआल बायोफार्मा, डेवूंग फार्मास्युटिकल और न्यूरान फार्मास्युटिकल्स ने पार्किंसंस रोग की संभावित चिकित्सा के लिए पहले मानव अध्ययन के सफल समापन की पिछले साल घोषणा भी कर दी थी।

पहले परीक्षण के लिए चयनित 76 रोगियों में परिणाम उत्साहजनक: प्रो. रावत के अनुसार पहले चरण में दवा के मानव परीक्षण में 76 प्रतिभागियों में किसी में भी सुरक्षा से संबंधित समस्या नहीं आई। उन्होंने दवा को बेहतर तरीके से सहन किया। इस परीक्षण में यह परिणाम आया कि दवा की खुराक दिन में एक बार ली जाएगी। इसके बाद पार्किंसंस से पीड़ित रोगियों का उपचार शुरू हो चुका है, ताकि यह देखा जा सके कि दवा लेने बाद उनमें कितना सुधार हुआ है।

दुनियाभर में एक करोड़ से अधिक लोग पार्किंसंस से ग्रसित: दुनियाभर में एक करोड़ से अधिक लोग पार्किंसंस से ग्रसित हैं। इस बीमारी के प्रमुख लक्षणों में जो अहम हैं, उसमें व्यक्ति का पूरा शरीर या हाथ पैर कांपना, सुन्न पड़ना या चाल धीमी पड़ जाना आदि है। यह बीमारी रोगियों के गंभीर डिप्रेशन का कारण भी बनती है।

(नैनीताल से किशोर जोशी)

कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के कुलपति व रसायन विज्ञानी प्रो. दीवान सिंह रावत ● जागरण

मलेरिया की दवा से आया विचार

प्रो. रावत के अनसुार 2012 में अमेरिकी जर्नल नेचर कम्युनिकेशन में मलेरिया ट्रीटमेंट पर उनका शोध प्रकाशित हुआ था। इस दौरान मलेरिया की दवा क्लोरोकीन के पार्ट से पार्किंसंस की दवा बनाने का विचार आया। इस पर शोध में खास प्रोटीन की पहचान की गई। दरअसल, उसी साल मैकलीन अस्पताल अमेरिका के प्रो. किम ने पार्किंसंस रोग के उपचार के लिए अणु विकसित करने में सहयोग के लिए संपर्क किया था। जिसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय व मैकलीन अस्पताल के बीच करार हुआ। प्रो. रावत बताते हैं कि पेटेंट फाइलिंग से लेकर एमओयू साइन करने व तकनीकी हस्तांतरण में 16 माह का समय लगा।

कूड़े से बनेगी बिजली, धुएं से पोषित होंगे पौधे

लखनऊ के बख्शी का तालाब इंटर कालेज में कक्षा 10 के छात्र अभय सिंह ने विज्ञान के सिद्धांतों के साथ ऐसा माडल तैयार किया, जिससे जलते हुए कूड़े से न केवल बिजली बनेगी, बल्कि उससे निकलने वाले कार्बन का प्रयोग जैविक खाद के रूप में होगा। यही नहीं, निकलने वाले धुएं को पानी के माध्यम से कार्बन मोनो आक्साइड में बदला जाएगा और उसका प्रयोग पौधों की बढ़ोतरी के लिए किया जाएगा। अभय सिंह के सोच के इस माडल को मूर्तरूप देने में कालेज के शिक्षक व उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान प्राप्त हरिश्चंद्र सिंह ने मदद की। मंडल स्तरीय बाल विज्ञानी प्रदर्शनी में अभय सिंह को पहला स्थान प्राप्त हुआ।

ऐसे काम करेगा माडल: अभय ने बताया कि कूड़ा जलाने के लिए बने कंटेनर के पास ऊष्मीय ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलने के लिए सोलर सिस्टम लगाया गया और उसे बैटरी से जोड़ दिया गया। सोलर से बैटरी चार्ज होने के साथ ही इसका प्रयोग घर को रोशन करने और बड़े स्तर पर गांव में स्ट्रीट लाइट जलाने में प्रयोग किया जा सकेगा। इससे निकलने वाले धुएं को पाइप के माध्यम से पानी के टब में भेजा जाएगा। धुएं से निकलने वाले कार्बन का निस्तारण पानी में होगा। कार्बन युक्त पानी टब में कार्बन मोनोक्साइड में बदलेगा और उस पानी का प्रयोग पौधों को दिए जाने वाले पोषक तत्व के रूप में किया जाएगा। राख जैविक खाद के रूप में प्रयोग होगी।

कूड़े के ढेर और बदबू से परेशानी बना माडल की प्रेरणा: अभय ने बताया कि गांवों में कूड़ा निस्तारण के लिए अक्सर खुले में जलाने की प्रक्रिया अपनाई जाती है, जिससे प्रदूषण बढ़ता है। बदबू से जीना दूभर हो गया था। तभी मेरे मन में विचार आया कि इसके निस्तारण के लिए कुछ किया जाए। विज्ञान के शिक्षक से बात की और फिर माडल तैयार करने में लग गया। एक ऐसा माडल विकसित किया, जिसमें कचरे को उपयोगी संसाधन में बदला जा सकता है। स्कूल के गाइड व शिक्षक हरिश्चंद्र सिंह के अनुसार, अभय सिंह सीमित संसाधनों के बावजूद असाधारण विज्ञानिक सोच रखते हैं। उनके पिता अमित दिव्यांग हैं, फिर भी अभय ने कठिन परिस्थितियों में यह माडल तैयार कर एक उदाहरण पेश किया है। इस परियोजना को पेटेंट कराने के लिए शिक्षा विभाग के माध्यम से शासन को प्रस्ताव भेजने की तैयारी की जा रही है। यह प्रयास नई पीढ़ी को विज्ञान के जरिये समाज और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देता है।

(लखनऊ से जितेंद्र उपाध्याय)

खुद के तैयार किए गए माडल के साथ छात्र अभय सिंह व शिक्षक हरिश्चंद्र सिंह ● जागरण

फर्जी अदालती आदेशों पर मिजोरम जेल से 17 दोषी रिहा

- न्यायाधीश के सामने दो विचाराधीन कैदी पेश होने पर सामने आया मामला
- मामले में एक कैदी और अंशकालिक जेल एंबुलेंस चालक गिरफ्तार
- संदेह होने पर मामले की पुष्टि के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने जिला जेल का निरीक्षण किया

आइजल, प्रेट्र : मिजोरम के लुंगलेई जिला जेल से पोक्सो, एनडीपीएस और चोरी के मामलों में दोषी ठहराए गए 17 कैदियों को कथित तौर पर जाली अदालती दस्तावेजों और फर्जी रिहाई आदेशों का इस्तेमाल कर धोखाधड़ी से रिहा करा दिया गया। इस जालसाजी रैकेट को अंजाम देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से एक कैदी है और दूसरा अंशकालिक जेल एंबुलेंस चालक है।

रैकेट के संबंध में जानकारी तब सामने आई जब 27 अप्रैल को लुंगलेई के जिला एवं सत्र न्यायाधीश आर लालदुहावमी ने प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई। दरअसल, उनके सामने 24 अप्रैल को दो विचाराधीन कैदी पेश हुए। दोनों ने लुंगलेई जिला न्यायालय और गुवाहाटी हाई कोर्ट से जारी किए गए कथित रिहाई आदेश प्रस्तुत किए और दावा किया कि उन्हें 50,000 रुपये के बांड पर रिहा किया जाना था। संदेह तब पैदा हुआ, जब न्यायाधीश ने देखा कि उन्होंने ठीक एक दिन पहले (23 अप्रैल) ही उनकी सुनवाई की थी और अगली सुनवाई आठ मई को निर्धारित की गई थी। संदेह होने पर लालदुहावमी ने मामले की पुष्टि के लिए तुरंत जिला जेल का दौरा किया, जहां पता चला कि कई कैदियों ने जाली अदालती आदेशों का इस्तेमाल कर पहले ही रिहाई हासिल कर ली थी। पुलिस ने जांच शुरू की और शिकायत में नामित 15 लोगों का पता लगाना शुरू किया। उनमें से 11 को लुंगलेई पुलिस ने दोबारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जबकि एक को खाजाल पुलिस ने गिरफ्तार किया और एक जिला जेल से रिहा होने के बाद मृत पाया गया।

फर्रुखाबाद में फल विक्रेता की मौत के बाद ढाई घंटे उपद्रव, सीओ-दारोगा समेत 14 घायल

- शराब ठेके पास मिला युवक का शव, सेल्समैन पर हत्या का आरोप लगा भड़के ग्रामीण
- एसएचओ की जीप नाले में फेंकी, आबकारी निरीक्षक भी घायल, 50 से अधिक पकड़े गए

जागरण संवाददाता, फर्रुखाबाद

फर्रुखाबाद में घर से गायब फल विक्रेता का गांव से बाहर शराब ठेके से 500 मीटर दूर शव मिला है। इससे भड़के ग्रामीणों ने ढाई घंटे तक उपद्रव किया। पथराव कर पुलिस जीप समेत कई वाहनों व शराब ठेके में तोड़फोड़ की। इसमें सीओ-दारोगा, आबकारी निरीक्षक व लेखपाल समेत 14 लोग घायल हो गए। एसपी आरती सिंह ने बताया कि चार महिलाओं समेत 50 से अधिक उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है।

बालकराम राजपूत का 22 वर्षीय पुत्र ब्रजेश उर्फ गट्टू आठ दिन पहले दिल्ली से गांव चाचूपुर जटपुरा लौटा था। वह गांव के पास बरेली हाईवे के किनारे फल व पेठा बेचता था। शनिवार सुबह 9:30 बजे उसका शव पुलिया के नीचे पानी में मुंह के बल पड़ा मिला। स्वजन ने शराब ठेके के सेल्समैन सिंटू व विमलेश पर हत्या का आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों का उससे विवाद हुआ था। उस समय ब्रजेश घर लौट आया था व रात करीब 9:30 बजे चला गया था। उसके बाद सुबह उसका शव मिला। पुलिस ने शव को उठवाने का प्रयास किया तो भीड़ ने मार्ग पर जाम लगा दिया। पुलिस ने दबाव बनाकर शव उठाकर ई-रिक्शा में रखवाया तो ग्रामीण भड़क गए। शराब ठेके के सेल्समैन समेत सभी कर्मियों को बंधक बना लिया।

महिलाओं ने लाठी-डंडों से पुलिस कर्मियों को पीटना शुरू कर दिया। जब पुलिस कर्मियों ने खदेड़ा तो पथराव करने लगे। पत्थर लगने से सीओ ऐश्वर्या उपाध्याय, आबकारी विभाग की निरीक्षक रीता वर्मा, एसएसआइ सुदेश कुमार विश्वकर्मा, थानाध्यक्ष नागेंद्र सिंह, पुलिस जीप के चालक रविंद्र कुमार, दारोगा कपिल कुशवाह, सिपाही अमर सिंह, विष्णु, सौरभ, अक्षय, लेखपाल आशीष यादव व गांव अंबरपुर निवासी रविता, श्रीदेवी, करवेश घायल हो गए। एक महिला ने सुदेश के हाथ में भी काट लिया।

शराब ठेके के बाहर की गई तोड़फोड़। जागरण

नाले में पलटाई गई गाड़ी को बाहर निकालने का प्रयास करते पुलिस कर्मी। जागरण

'जांच के नाम पर धन अनिश्चितकाल तक नहीं रोक सकते सरकारी विभाग'

- हाई कोर्ट ने ठेकेदारों के भुगतान वर्षों तक लंबित रखने की प्रवृति पर की टिप्पणी
- गैर विवादित राशि को तीन माह के भीतर याचिकाकर्ता को जारी करने का आदेश

दयानंद शर्मा ● जागरण

चंडीगढ़: सरकारी विभागों द्वारा विजिलेंस जांच या विभागीय पड़ताल का हवाला देकर ठेकेदारों और सेवा प्रदाताओं के भुगतान वर्षों तक लंबित रखने की प्रवृत्ति पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया है कि जांच लंबित होना भुगतान रोकने का स्थायी लाइसेंस नहीं हो सकता। हाई कोर्ट ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति ने कार्य किया है और उसका कुछ भुगतान जांच के दायरे से बाहर है तो उसे रोका नहीं जा सकता। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार विजिलेंस जांच का हवाला देकर पूरी राशि को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रख सकती।

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसने पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग विभाग के लिए कार्य किया, लेकिन उसका भुगतान नहीं किया गया। याचिका में उसने अपने कार्यों के एवज में लंबित राशि के साथ 18 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दिलाने की मांग की थी। हरियाणा सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि याचिकाकर्ता के विरुद्ध विजिलेंस जांच लंबित है। जांच पूरी होने के बाद ही भुगतान पर निर्णय लिया जाएगा।

राज्य का पक्ष सुनने के बाद हाई कोर्ट ने माना कि जिन दावों या भुगतानों पर जांच चल रही है, उन पर अंतिम निर्णय जांच परिणाम से जुड़ सकता है, इसलिए कोर्ट तत्काल संपूर्ण भुगतान का आदेश नहीं दे रहा।

कोर्ट ने आदेश दिया कि जो भुगतान विजिलेंस जांच का विषय नहीं है, उसे आज से तीन माह के भीतर याचिकाकर्ता को जारी किया जाए। अदालत ने कहा कि राज्य की जांच शक्तियां अपनी जगह हैं, लेकिन नागरिकों और ठेकेदारों के वैध आर्थिक अधिकार भी समान रूप से संरक्षित रहेंगे।

तीर्थ के जल से होगा सोमनाथ मंदिर के शिखर का अभिषेक

राज्य ब्यूरो, जागरण ● अहमदाबाद : ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर की स्थापना के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सोमनाथ अमृत पर्व में 11 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंदिर में महापूजा करेंगे। प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव मंदिर के सानिध्य में मनाए जा रहे सोमनाथ अमृत पर्व के दौरान पुनर्निर्मित शिखर कलश को 90 मीटर ऊंची क्रेन के माध्यम से मंदिर के शिखर पर पहुंचाया जाएगा तथा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 11 तीर्थों के जल से अभिषेक किया जाएगा। तीर्थ पुरोहित सोमपुरा ब्राह्मण समाज के प्रमुख हेमलभाई भट्ट ने बताया कि सोमनाथ मंदिर के इतिहास में पहली बार कुंभ अभिषेक होगा।

उन्होंने बताया कि दक्षिण के मंदिरों में कुंभ अभिषेक की परंपरा है, सोमनाथ मंदिर में पहली बार यह अभिषेक होगा। अमृत पर्व पर वायुसेना के सूर्य किरण विमान एयर शो का प्रदर्शन करेंगे। वहीं मोदी की गुजरात यात्रा को लेकर सोमनाथ, जामनगर व वडोदरा में जोर-शोर से तैयारियां की जा रही हैं।

अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ दर्ज मामलों में 17 परिसरों की तलाशी

- तलाशी अभियान के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए
- मामले में कंपनियों की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली

नई दिल्ली, प्रेट्र : सीबीआइ ने शनिवार को मुंबई में 17 परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई रिलायंस एडीए समूह की कंपनियों रिलायंस टेलीकाम लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड तथा उनके निदेशकों के खिलाफ दर्ज तीन मामलों के सिलसिले में की गई है।

सीबीआइ ने कहा, "ये तलाशी अभियान उपर्युक्त कंपनियों के निदेशकों के आवासीय परिसरों के साथ-साथ उन मध्यस्थ कंपनियों के कार्यालयों में भी चलाए जा रहे हैं जिनके खातों का इस्तेमाल बैंक निधि के गबन के लिए किया गया था।" कंपनियों की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

सीबीआइ ने शुक्रवार को मुंबई की एक विशेष अदालत से तलाशी वारंट जारी कराया था। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

इन मामलों में बैंकों और एलआइसी को कथित तौर पर 27,337 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। बयान में कहा गया है, जांच में यह भी पता चला है कि एक ही पते से कई बिचौलिया कंपनियां काम कर रही थीं। जांच जारी है।

केंद्रीय एजेंसी ने अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह के खिलाफ विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और एलआइसी की शिकायतों के आधार पर हजारों करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के संबंध में सात मामले दर्ज किए हैं।

अनिल अंबानी। फाइल

साइबर थाने से पुलिस का वाहन चुराकर हुआ फरार, गिरफ्तार

कन्नूर, प्रेट्र : केरलम के कन्नूर में एक व्यक्ति ने पुलिस की ही गाड़ी चुरा ली। उसने यह चोरी थाना परिसर से की। उसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी पहचान हमसाथ के रूप में हुई है, जो त्रिशूर का रहने वाला है।

आरोपित शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात कन्नूर के साइबर पुलिस स्टेशन परिसर में घुस गया। इधर-उधर घूमने के बाद थाने में खड़ा वाहन लेकर फरार हो गया। आरोपित उसे लेकर एक पेट्रोल पंप पर पहुंचा, जहां पुलिस गाड़ियां अक्सर ईंधन भरवाती हैं। बिना भुगतान किए गाड़ी में ईंधन भरवाने के बाद वह पास के एक ढाबे पर चला गया। ढाबे पर मौजूद लोगों को शक हुआ और उन्होंने कन्नूर नगर पुलिस को सूचना दी। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने हमसाथ से पूछताछ की और पता चला कि गाड़ी थाने से चोरी हुई थी। आरोपित के खिलाफ सरकारी संपत्ति की चोरी का मामला दर्ज किया गया। गाड़ी बाद में कन्नूर साइबर पुलिस स्टेशन के अधिकारियों को सौंप दी गई।

गीता प्रेस की अभिनव पहल : शुद्ध पांच श्लोक सुनाएं, 'सरल गीता' उपहार पाएं

- गीताप्रेस की काठमांडू शाखा की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभिनव पहल
- नई पीढ़ी में गीता संस्कार विकसित करने के लिए आनलाइन अभियान

गजाधर द्विवेदी ● जागरण

गोरखपुर : श्रीमद्भगवद्गीता के संदेश को सरल और प्रभावी ढंग से नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए गीताप्रेस की काठमांडू शाखा अभिनव पहल करने जा रही है। बच्चों, किशोरों और युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सनातन धर्म से जोड़ने व उनमें गीता का संस्कार विकसित करने के उद्देश्य से आनलाइन श्लोक वाचन प्रतियोगिता कराई जाएगी। इसमें दुनिया भर से प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे।

गीताप्रेस के अंतरराष्ट्रीय संयोजक और काठमांडू शाखा के प्रबंधक जय किशन सारडा इसके सूत्रधार हैं। वह बताते हैं कि प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के लिए प्रतिभागियों को गीता के पांच श्लोकों का शुद्ध उच्चारण करते हुए शार्ट वीडियो भेजना होगा।

श्लोकों का शुद्ध और प्रभावी उच्चारण करने वाले चयनित प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप 'सरल गीता' भेंट की जाएगी। इसे डाक द्वारा भेजने की योजना है। सरल भाषा, संधि-विच्छेद और सहज भावार्थ के कारण कम समय में तेजी से लोकप्रिय हुई 'सरल गीता' का पहला प्रकाशन वर्ष 2017 में हिंदी में हुआ था। अब तक सात भाषाओं में इसकी 6.91 लाख प्रतियां प्रकाशित होकर पाठकों तक पहुंच चुकी हैं।

काठमांडू केंद्र की नई योजना को गीता वाचन के माध्यम से युवाओं को धार्मिक-सांस्कृतिक साहित्य से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

10 मई हो होगी अभियान की शुरुआतः जय किशन सारडा ने बताया कि काठमांडू केंद्र में इस अभियान की औपचारिक शुरुआत 10 मई को होगी।

उद्घाटन श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि करेंगे। इसके बाद वाट्सएप नंबर जारी करके प्रविष्टियां आमंत्रित की जाएंगी।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर महिला से एक करोड़ की ठगी

नईदुनिया, बिलासपुर : छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 82 वर्षीया सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. रमना श्रीवास्तव से एक करोड़ चार लाख की ठगी का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के चुरू से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपितों को ट्रांजिट रिमांड पर बिलासपुर लाया गया है।

जालसाजों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर प्रोफेसर को आतंकी संगठन से जुड़े होने का डर दिखाया और घंटों डिजिटल अरेस्ट रखा। आरोपितों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और उच्चतम न्यायालय के फर्जी दस्तावेज दिखाकर महिला से कुल एक करोड़ चार लाख रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए। वे 50 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग भी करने लगे, जिससे घबराकर पीड़िता ने मुंबई में रहने वाले अपने बेटे को सारी बात बताई। तकनीकी जांच और बैंकिंग ट्रेल के आधार पर पुलिस ने राजस्थान से आरोपितों को गिरफ्तार किया।

दैनिक जागरण

अतीत की गलतियों पर पश्चाताप न करें, बल्कि उनसे सीख लें

तमिलनाडु में विजय

बंगाल में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण के बाद अब प्रतीक्षा है अप्रत्याशित चुनाव परिणाम वाले दूसरे राज्य तमिलनाडु में सरकार गठन की। चूंकि टीवीके नेता जोसेफ विजय ने डीएमके से छिटकने वाली कांग्रेस, माकपा, भाकपा, वीसीके और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सहयोग से समर्थन जुटा लिया है, इसलिए उनके मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने में संदेह नहीं। विजय का अभिनेता से नेता बनकर एक तरह से आनन-फानन मुख्यमंत्री पद तक पहुंचना किसी चमत्कार से कम नहीं। उन्होंने दो वर्ष पूर्व अपने दल का गठन किया और पहले ही प्रयास में सत्ता की कुर्सी तक पहुंच गए। उनकी जीत यह बताती है कि तमिलनाडु में फिल्म कलाकारों के प्रति लोगों की एक अलग तरह की दीवानगी रहती है। इसी के चलते करुणानिधि और एमजीआर से लेकर जयललिता जैसी फिल्मी हस्तियों ने राजनीति में अपनी छाप छोड़ी। फिलहाल यह कहना कठिन है कि विजय मुख्यमंत्री के रूप में कैसी राजनीतिक छाप छोड़ते हैं, क्योंकि उन्हें प्रशासन चलाने का कोई अनुभव नहीं। उनकी सरकार पांच दलों के सहयोग पर टिकी होगी, इसलिए एक अभिनेता के रूप में तमाम लोकप्रियता के बाद भी उनके लिए शासन चलाना बहुत आसान नहीं होगा। यह ठीक है कि तमिलनाडु अपेक्षाकृत एक समृद्ध राज्य है, लेकिन विजय ने जिस तरह थोक के भाव लोक-लुभावन वादे कर रखे हैं, उसे देखते हुए उनके लिए उन्हें पूरा करना आसान नहीं होगा।

आखिर आर्थिक दृष्टि से सक्षम तमिलनाडु में नेताओं को इतने अधिक लोक-लुभावन वादे क्यों करने पड़ते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में यही अधिक दिखता है कि राज्य का एक तबका अभी भी निर्धनता की परिधि में ही बना हुआ है। यह एक विसंगति ही है। इसमें संदेह है कि रेवड़ियां बांटकर निर्धनता को दूर किया जा सकता है। विजय के मामले में यह भी देखना होगा कि वे द्रविड़ दलों की तरह से ही अपनी राजनीति चलाते हैं या फिर कोई नई राह पकड़ते हैं? द्रविड़ पार्टियों के बारे में यह किसी से छिपा नहीं कि वे हिंदी विरोध के साथ दिल्ली यानी केंद्रीय सत्ता से टकराव मोल लेने की राजनीति करती रही हैं और तमिल अस्मिता के नाम पर तमिलवाद को इस तरह उभारने की भी कोशिश करती रहीं, जैसे यह राज्य शेष देश से विशिष्ट हो। इस तमिलवाद में क्षत्रीय संकीर्णता के साथ प्रायः एक तरह के अलगाववाद की भी बू आती रही है। फिलहाल यह जानना कठिन है कि ईसाइयत को मानने वाले जोसेफ और उनके राजनीतिक दल की विचारधारा क्या है? क्या यह अजीब नहीं कि वे भाजपा को तो धार्मिक पार्टी मानते हैं, लेकिन मुस्लिम लीग को नहीं? वास्तव में विजय को लेकर एक नहीं कई सवाल हैं। इनमें से एक यह भी है कि कहीं उनके सत्ता में आने से ईसाई मिशनरियों का मतांतरण अभियान और तेज तो नहीं हो जाएगा?

विवाद का हो निपटारा

झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) में भाषा संबंधी विवाद लंबे समय से अभ्यर्थियों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। इसी विवाद के कारण परीक्षा में लगातार विलंब हो रहा है, जिससे हजारों युवाओं का शिक्षक बनने का सपना अधूरा रह गया है। अब राज्य सरकार द्वारा इस मसले के समाधान के लिए पांच मंत्रियों की समिति गठित किया जाना सकारात्मक पहल माना जा सकता है। उम्मीद है कि यह समिति जल्द ठोस और संतुलित निर्णय लेकर स्थिति स्पष्ट करेगी। झारखंड भाषाई और सांस्कृतिक विविधता वाला राज्य है। यहां कई क्षेत्रीय और जनजातीय भाषाएं बोली जाती हैं। ऐसे में जेटेट में किन भाषाओं को शामिल किया जाए और किन्हें नहीं, यह केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक संवेदनशीलता से जुड़ा विषय भी है। अब तक स्पष्ट नीति के अभाव में समय-समय पर भाषाओं को जोड़ा और हटाया जाता रहा है, जिससे भ्रम और असंतोष की स्थिति बनी। सरकार को चाहिए कि वह सभी पक्षों से संवाद कर स्थायी और पारदर्शी नीति बनाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार का विवाद दोबारा न हो। जेटेट का समय पर आयोजन केवल नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का मामला नहीं है, बल्कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने से भी जुड़ा है।

> जेटेट नियमावली की सुलझाने के लिए पांच मंत्रियों की समिति से बढ़ी उम्मीदें, युवा चाह रहे समाधान

बंगाल को पटरी पर लाने की चुनौती

संजय गुप्त

बंगाल में राष्ट्रवादी विचारों वाली भाजपा सरकार के गठन से न केवल हिंसा की राजनीतिक संस्कृति खत्म होनी चाहिए, बल्कि घुसपैठ पर भी रोक लगनी चाहिए

पश्चिम बंगाल में जैसे ही मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया शुरू हुई थी, वैसे ही ममता बनर्जी ने उसका उग्र विरोध करना शुरू कर दिया था और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया। शीर्ष अदालत ने एसआइआर को न केवल सही माना, बल्कि उसे जारी रखने के आदेश भी दिए। यही नहीं उसने इस प्रक्रिया की निगरानी न्यायिक अधिकारियों को भी सौंप दी। जब चुनाव आयोग ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय बलों की तैनाती की तो उसका भी ममता ने विरोध किया, जबकि यदि चुनाव के पहले और चुनाव के समय हिंसा नहीं हुई तो इसका श्रेय चुनाव आयोग को ही जाता है। इसके बाद भी ममता ने अपनी हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ा। इस्तीफा देने से इन्कार करके उन्होंने बचकाने राजनीतिक व्यवहार का ही परिचय दिया है।

निःसंदेह अन्य राज्यों की तरह बंगाल में भी मृत, स्थानांतरित और दोहराव वाले लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, लेकिन इसके आधार पर इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता कि तृणमूल कांग्रेस यानी टीएमसी एसआइआर के कारण हारी। यह आरोप इस तथ्य से झूठा साबित होता है कि जिन 20 सीटों पर सबसे अधिक नाम काटे गए, उनमें से 13 में टीएमसी जीती। इससे इन्कार नहीं कि एसआइआर में कुछ विसंगतियां रही होंगी, क्योंकि कोई भी प्रक्रिया सौ प्रतिशत सही नहीं होती, पर टीएमसी की हार के लिए एसआइआर को दोष देना इस सच से मुंह मोड़ना है कि ममता का शासन कुशासन का पर्याय बन गया था। 15 वर्षों से सत्ता पर आसीन ममता ने मुस्लिम तुष्टीकरण की हदें पार कर दी थीं। इसकी प्रतिक्रिया में हिंदू भाजपा के पक्ष में गोलबंद हुए और इसी कारण उसे अप्रत्याशित जीत मिली। टीएमसी की पराजय इस कारण भी हुई, क्योंकि खुद ममता भी अलोकप्रिय हो गई थीं। इसका कारण था उनके नेताओं और कार्यकर्ताओं की ओर से अवैध वसूली और लोगों की संपत्तियों पर कब्जा करना। बंगाल में महिला असुरक्षा का मुद्दा भी सतह पर आया, क्योंकि आरजी कर मेडिकल कालेज की डाक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या और संदेशखाली में हिंसा एवं महिलाओं से दुर्व्यवहार की घटनाओं ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। इससे टीएमसी के प्रति सत्ता विरोधी माहौल और अधिक गहराया। ममता अपनी गलतियों को स्वीकार करने के बजाय जिस तरह यह कह रही हैं कि वे हारी नहीं, बल्कि उन्हें हराया गया है, वह उनकी खीझ ही है।

अवधेश राजपूत

बंगाल में आजादी के बाद पहले कुछ दशकों तक कांग्रेस का शासन रहा, फिर वाम दल तीन दशक से भी अधिक समय तक सत्ता में रहे। जब वाम दलों का शासन कुशासन का पर्याय बना तो लोगों ने परिवर्तन के नारे के साथ उन्हें चुनौती देने वाली ममता का साथ दिया, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने भी वाम दलों वाले तौर-तरीके अपना लिए। इसका एक कारण यह भी रहा कि वाम दलों के तमाम नेता और कार्यकर्ता टीएमसी में आ गए थे। एक समय जो ममता बांग्लादेशी घुसपैठियों का विरोध करती थीं, वही सत्ता पाने और उसे बनाए रखने के लोभ में उनकी अनदेखी करने लगीं। वे इस सच से इन्कार करती रहीं कि बांग्लादेश से घुसपैठ होती है। वे घुसपैठियों का बचाव करने लगीं, जबकि हिंदू समाज यह देख रहा था कि बांग्लादेशी घुसपैठियों ने किस तरह असम की तरह बंगाल के सीमांत क्षेत्रों में डेमोग्राफी बदल दी है। डेमोग्राफी में यह बदलाव सामाजिक असंतुलन पैदा करने और हिंदू अस्मिता को चोट पहुंचाने के साथ राज्य की सुरक्षा के लिए खतरा भी बन रहा था। जैसे बंगाल में घुसपैठ एक चुनावी मुद्दा बनी, उसी तरह असम में भी और इसी कारण भाजपा वहां तीसरी बार जीती।

पड़ोसी देश बांग्लादेश में पिछले दिनों जो राजनीतिक उथलपुथल एवं हिंसा हुई और जिसमें हिंदुओं को निशाना बनाया गया, उसका भी बंगाल के हिंदुओं पर असर पड़ा। उन्हें लगा कि पश्चिम बंगाल में राष्ट्रवादी विचारों वाली सरकार बननी चाहिए। पता नहीं क्यों ममता यह भूल गईं कि वाम दलों को भी बांग्लादेशी घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बनाने की कीमत चुकानी पड़ी थी? भाजपा ने घुसपैठियों को निकालने का नारा देकर जो नैरेटिव खड़ा किया, उसने इसलिए काम किया, क्योंकि बंगाली हिंदू अपने आसपास और खासकर सीमावर्ती जिलों में घुसपैठियों का दखल देख रहे थे। बंगाल में राष्ट्रवादी विचारों वाली सरकार के गठन से न केवल राज्य का बिगड़ा माहौल सुधरना चाहिए, बल्कि घुसपैठ पर भी रोक लगनी चाहिए। आशा है कि भाजपा सरकार के रहते बांग्लादेश के साथ अनसुलझे मसले सुलझाने में भी मदद मिलेगी। बंगाल को राजनीतिक और चुनावी हिंसा की संस्कृति से मुक्त करना राज्य की नई सरकार के एजेंडे में खास तौर पर होना चाहिए। यह आसान नहीं, क्योंकि राज्य की राजनीति एक तरह से हिंसा और दबंगई के सहारे ही संचालित होती रही है। यह दुर्भाग्य की बात रही कि टीएमसी के शासन में भी यह अराजक राजनीतिक संस्कृति और फली-फूली। इसके लिए ममता बनर्जी अपने अलावा किसी अन्य को दोष नहीं दे सकतीं।

बंगाल में चुनाव बाद जो हिंसा देखने को मिली और जिसके चलते कुछ भाजपा समर्थकों के साथ सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक की हत्या की गई, उसके लिए टीएमसी अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकती। भाजपा को सावधान रहना होगा कि उसके जो कार्यकर्ता और समर्थक टीएमसी से आए हैं, वे हिंसा और दबंगई की राजनीतिक संस्कृति न अपनाने पाएं। ध्यान रहे खुद सुवेंदु अधिकारी एक समय टीएमसी के प्रमुख नेता और ममता के विश्वासपात्र थे। स्पष्ट है कि भाजपा को अपने संग आए टीएमसी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के कार्य-व्यवहार के प्रति सतर्क रहना होगा। उसे यह भी देखना होगा कि टीएमसी का अराजक प्रवृत्ति वाला काडर भाजपा में न आने पाए। यदि भाजपा इसे लेकर सचेत नहीं रहती तो राजनीतिक हिंसा की संस्कृति को खत्म करने में कठिनाई होगी। इसकी अनदेखी न की जाए कि चुनाव बाद हिंसा ने यही सिद्ध किया है कि भाजपा सरकार के सामने कानून एवं व्यवस्था को ठीक करना और ममता के कुशासन के असर को खत्म करना एक बड़ी चुनौती है। किसी राज्य का माहौल तब बदलता है, जब कानून एवं व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त होती है। इसे दुरुस्त करके ही बंगाल को पटरी पर लाया जा सकता है।

response@jagran.com

प्रकृति का नियम बनता पाला बदल

हास्य-व्यंग्य

मुकेश राठौर

तमाम अनुभवों से एक बात स्पष्ट हैं कि गर्मी किसी की नहीं ठहरती, फिर वह मौसम की हो या मानुष की

किसी विचारक ने कहा है कि समय के साथ खुद को बदलिए, वरना एक दिन समय आपको बदल देगा, क्योंकि समय कभी भी एक जैसा नहीं रहता। फिर आप एक जैसे कैसे रह सकते हैं श्रीमान? परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है। आज तपने वाला, कल बरसेगा और परसों ठंडा पड़ जाएगा। वैसे भी जब जिनका समय होता है, जमकर तपते हैं और बरसते भी हैं। रहा सवाल ठंडा पड़ने का तो यह तो जमाने की रीत है। सभी को कभी न कभी ठंडा होना ही पड़ता है। मैंने तो आग खाकर अंगार रूपी लघुशंका करने वाले ऐसे-ऐसे गरममिजाज लोग देखे हैं, जिनकी मौजूदगी भर से एक समय गली-मोहल्ले का तापमान 42 डिग्री बना रहता था, लेकिन उन्होंने जब एक बार खाट पकड़ी तो ऐसी स्थिति हो गई कि घर के बच्चे भी तलवों में गुदगुदी कर भाग जाते। वे सिवाय मुंह हल्का करने के उनका कुछ नहीं कर पाते। जब कुछ करने का समय था तो क्या बूढ़े, क्या जवान और क्या ही बच्चे...जिसके साथ जो करना चाहते थे, कर डालते थे। एक बात तो स्पष्ट है कि गर्मी किसी की नहीं ठहरती, फिर वह चाहे मौसम की हो या मानुष की।

वह समय और था जब चाहे जैसा भी समय आ जाए, लोग बदलते नहीं थे। न अंदर से और बाहर से...दाएं-बाएं से भी नहीं। कोई कवच-कुंडल मांग ले या राजपाट...कौरवों के बीच कर्ण बनकर आजीवन पड़े रहते थे। भ्रष्टाचारियों के बीच एकमात्र ईमानदार सरीखे, मगर भूले से भी पाला बदलने का विचार मन में नहीं लाते थे, पर आज ऐसा नहीं है। अब भलेमानसों की तो छोड़िए, चोर भी सिद्धांतवादी हो गए हैं। चोरी की रकम का बराबर बंटवारा न हो तो गिरोह बदलते देर नहीं करते। तो बदलिए भाई साहब आप भी बदलिए। अब न बदलने वाले पिछड़े करार दिए जाते हैं। बदलाव ही विकास का पैमाना है। सो रोजाना कपड़े बदलिए, चेहरे बदलिए, जुबान बदलिए, ईमान बदलिए, दोस्त बदलिए, दुश्मन बदलिए, विचार बदलिए, धारा बदलिए।

सियासत में तो बदलाव की थरथराहट दूर तलक जाती है। धरती के करवट बदलने टाइप। हालांकि इसमें किसी तरह की जनहानि और धनहानि नहीं होती, बल्कि धन की हानि से बचने के लिए ही सियासतदान मानहानि की परवाह किए बगैर खुशी-खुशी पाला बदल लेते हैं। लोकतंत्र में अकेले आदमी के बदलने से कुछ नहीं बदलता, न देश की व्यवस्था बदलती है और न खुद की। मीडिया पाला पड़ने की चर्चा करे न करे, पाला बदलने की चर्चा पूरे जोर-शोर से करता है। इससे यह होता है कि मि. पालेदार रातोंरात स्टार बन जाता है। हाल में राघव अरविंद से कमल के साथ हुए तो यकायक चर्चा में आ गए। कौन है, जो चर्चा में नहीं रहना चाहता? लू से बचाव, बल्कि चर्चा में बने रहने के लिए आदमी प्याज, लहसुन क्या...धतूरा भी साथ रखने से परहेज नहीं करता। एक्चुअली चर्चित आदमी को जब चर्चा से बाहर होने का डर सताने लगता है तो वह चर्चा में आने के उपाय करने लगता है। इस जतन में दूसरा घर भी करना पड़े तो कोई बात नहीं।

बहरहाल बदलने वाला बदलाव को अपनी नजर से देखता है। अब आप उसे अगर दूसरी नजर से देखते हैं तो यह आपकी नजरों का कसूर है। और कुछ नहीं।

response@jagran.com

तथ्य-कथ्य | **भारत का कच्चा तेल आयात** (आंकड़े वित्त वर्ष 2026 के प्रतिशत में)

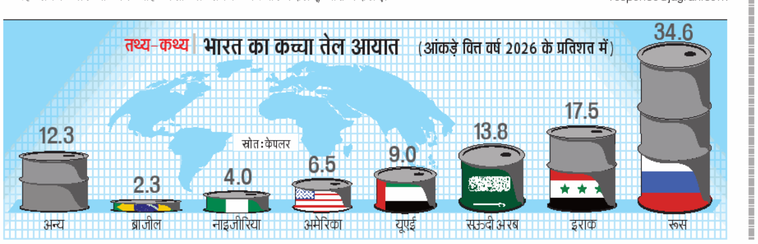

देश	प्रतिशत
अन्य	12.3
ब्राजील	2.3
नाइजीरिया	4.0
अमेरिका	6.5
यूएई	9.0
सऊदी अरब	13.8
इराक	17.5
रूस	34.6

स्रोत: केप्लर

ऊर्जा

मां

मां से ही सृष्टि का सृजन है। धरा के समस्त पवित्र संबंधों की निर्मात्री माता ही है। मां की ममता, स्नेह, प्रेम, त्याग एवं वात्सल्य की छाया को शब्दों से व्यक्त करना संभव नहीं है। वैदिक ग्रंथों में माता को निर्माता कहा गया है। अर्थात श्रेष्ठ संतान का निर्माण करने वाली। मां ही संस्कारों की प्रथम पाठशाला है, जिसकी स्नेहमयी गोद में रहकर बच्चा अमूल्य संस्कारों को ग्रहण करता है। इसलिए मां को संतान की सबसे पहला शिक्षक माना गया है। महर्षि वेदव्यास जी ने कहा है कि माता के समान कोई छाया नहीं, उसके समान कोई आश्रय, रक्षक तथा जीवन दाता नहीं है।

माता के सान्निध्य में ही मनुष्य ज्ञानवान एवं संस्कारवान बनता है। यह अपने स्नेह से हाड़-मांस के छोटे से पुतले में विराट व्यक्तित्व का आधान करती है। मां ही दुनिया का एकमात्र व्यक्तित्व है, जो अपनी संतान को पूरी दुनिया से नौ महीने अधिक जानती है। मां हर एक रिश्ते की प्रतिपूर्ति कर देती है, पर मां की प्रतिपूर्ति कोई नहीं कर सकता। निःस्वार्थ सेवा का प्रतिबिंब करुणा से भरी एक ऐसी भाषा मां है जिसे बहरे भी सुन सकते हैं और नेत्रहीन भी देख सकते हैं। संसार के सभी संबंध स्वार्थ, लोभ और अपेक्षाओं पर आधारित हैं। अपनी संतान से मां का रिश्ता स्वार्थहीन है जिसमें केवल अपनी संतान का मंगल एवं हित ही निहित है। संतान चाहे कितनी भी बड़ी क्यों नहीं हो जाए और मां चाहे कितनी भी वृद्ध क्यों नहीं हो जाए, पर यह संबंध सदैव पुनीत ही रहता है।

मां की सेवा में ही समस्त तीर्थों की यात्रा का फल समावेशित है। इसलिए मां को देवता की संज्ञा देते हुए कहा गया है कि मातृ देवो भव। मां के त्याग, समर्पण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने में ही मानव जीवन की सार्थकता है।

आचार्य दीप चंद भारद्वाज

पृथ्वी के निकट क्षुद्रग्रहों की निगरानी

मुकुल व्यास

> **पृथ्वी की निकटवर्ती कक्षाओं में विचरने वाले क्षुद्रग्रहों का सही-सही पता लगाना जरूरी हैं, क्योंकि ये खतरनाक हो सकते हैं**

पृथ्वी की निकटवर्ती कक्षाओं में विचरने वाले क्षुद्रग्रहों का सही-सही पता लगाना जरूरी है, क्योंकि इनमें से कोई भी पिंड हमारे ग्रह के लिए खतरनाक हो सकता है। पृथ्वी से टकराने पर ये बड़ा विध्वंस कर सकते हैं। नासा एक नई पीढ़ी के टेलीस्कोप का परीक्षण कर रहा है, जो खगोलविदों को ऐसे क्षुद्रग्रहों का पता लगाने में मदद कर सकता है। नियर अर्थ आब्जेक्ट सर्वेयर अथवा नियो सर्वेयर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी का पहला इंफ्रारेड स्पेस टेलीस्कोप है, जिसे विशेष रूप से इनकी तलाश के लिए डिजाइन किया गया है। खगोलविदों को 'शहर-तबाह करने वाले' क्षुद्रग्रहों में से आधे से भी कम का पता चल पाया है। अगर यह नया टेलीस्कोप न हो तो उन सभी का पता लगाने में 30 साल और लग जाएंगे। चूंकि क्षुद्रग्रह बहुत छोटे और गहरे रंग के होते हैं, इसलिए जमीन पर तैनात टेलीस्कोप को पृथ्वी के करीब मौजूद चीजों का जल्दी पता लगाने में मुश्किल होती है। अंतरिक्ष में एक छोटा टेलीस्कोप स्थापित करने से यह समस्या हल हो हो सकती है। अनुमान है कि नियो सर्वेयर 10 साल के भीतर पिछले 50 वर्षों में खोजे गए क्षुद्रग्रहों से भी ज्यादा क्षुद्रग्रहों का पता लगा लेगा। 1.6 अरब डालर की लागत वाले इस टेलीस्कोप को अगले वर्ष प्रक्षेपित करने की योजना है। यह पृथ्वी से लगभग 16 लाख किलोमीटर दूर, पृथ्वी और अंतरिक्ष के बीच एक निश्चित बिंदु पर जाकर स्थापित होगा और कम से कम पांच साल तक काम करेगा।

नासा के जेम्स वेब टेलीस्कोप की तरह ही नियो सर्वेयर भी वस्तुओं का पता उनकी ऊष्मा के आधार पर लगाएगा, लेकिन आकाशगंगाओं के विपरीत इन वस्तुओं से निकलने वाली ऊष्मा का स्रोत सूरज होता है। पृथ्वी के करीब आने वाले क्षुद्रग्रह और धूमकेतु सूरज की गर्मी से गर्म होते हैं, और वे जो ऊष्मा छोड़ते हैं, उसे नियो सर्वेयर मिशन पकड़ने में सक्षम होगा। यहां तक कि कोयले के टुकड़े जितने गहरे रंग वाले क्षुद्रग्रह भी टेलीस्कोप की इंफ्रारेड आंखों से छिप नहीं पाएंगे।

सर्वेयर का पिछला मिशन, नियोवाइज भी इंफ्रारेड क्षमताओं से लैस था, लेकिन इसे शुरू में क्षुद्रग्रह और धूमकेतु खोजने के लिए डिजाइन नहीं किया गया था। इस टेलीस्कोप ने 34,000 से ज्यादा अज्ञात क्षुद्रग्रहों और पृथ्वी के करीब मौजूद 3,000 से ज्यादा आब्जेक्ट्स का पता लगाया। इसका मिशन 2024 में खत्म हो गया था। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, खगोलविदों ने पृथ्वी के करीब मौजूद 40,000 से ज्यादा क्षुद्रग्रहों का पता लगा लिया है। एक दशक के भीतर 137 मीटर व्यास वाले ऐसे 90 प्रतिशत क्षुद्रग्रह खोजे जा चुके हैं। मेंजर के अनुसार लगभग 25,000 पिंड इतने बड़े हैं कि वे दक्षिणी कैलिफोर्निया जैसे किसी इलाके को पूरी तरह तबाह कर सकते हैं। 137 मीटर से ज्यादा व्यास वाले पिंड किसी भी इलाके में भारी तबाही मचा सकते हैं। नए मिशन का लक्ष्य ऐसे क्षुद्रग्रहों को खोजना है।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

राजरंग

परख की कमी

किसी भी स्तर पर नेतृत्व के लिए जरूरी गुणों में से एक है-जौहरी की आंख होना। यानी व्यक्ति और समय की सही पहचान करना। यदि यह गुण न हो तो बार-बार पछताना तय है। राजनीति में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की कहानी काफी सुनी जा चुकी है। बताया जाता है कि वह तत्कालीन मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के रुख से परेशान होकर अपनी गुहार लेकर राहुल गांधी के पास पहुंचे थे, लेकिन उनकी बात सुनी ही नहीं गई। वहां से निकलने के बाद उन्होंने भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के घर फोन किया। तुरंत जवाब आया और हिमंत भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने जमकर काम किया और यह सुनिश्चित किया कि कांग्रेस राज्य में लगातार पराजित हो। अब तमिलनाडु में आंधी बनकर उभरे टीवीके नेता विजय की कहानी सामने आई है। बताया जा रहा है कि वह भी 2009 में कांग्रेस में शामिल होना चाहते थे, लेकिन राहुल गांधी ने उन्हें पहले खुद को साबित करने और छात्र राजनीति के जरिये आगे आने की सलाह दी। जबकि तब तक विजय सिनेमा में बेहद लोकप्रिय हो चुके थे। राज्य में उनके प्रशंसकों की संख्या करोड़ों में थी। प्रदेश कांग्रेस के नेता भी चाहते थे कि विजय की पार्टी में एंट्री हो, लेकिन तब या तो राहुल दमक के दबाव में थे या फिर तमिलनाडु की राजनीति को ठीक से समझ नहीं पाए। वह यह भी नहीं देख सके कि वहां सिनेमा सितारों के पीछे जनता किस तरह उमड़ती है। नतीजा यह हुआ कि उन्होंने विजय जैसे हीरे को कोयला समझ लिया। अब स्थिति यह है कि राज्य में कांग्रेस विजय के पीछे खड़ी नजर आ रही है और वह भी अपने पुराने सहयोगी द्रमुक की आलोचना झेलकर।

चुनाव प्रबंधन

अच्छे दिनों के बाद कभी-कभी बुरे दिन भी आते हैं। एक समय था, जब चुनाव प्रबंधन के नाम पर पीआर कंपनियों की खूब चलती थी। राजनीतिक दल इनसे मोटी रकम पर करार करते थे। चुनाव नतीजे पक्ष में आएं या नहीं, कंपनियों की कमाई करोड़ों में होती थी। अब तस्वीर बदलती दिखाई दे रही है। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के लिए काम करते हुए आइपैक का जो हश्र हुआ, उससे सबक लेते हुए उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने भी उससे अपना करार खत्म कर दिया। आइपैक के संस्थापक प्रशांत किशोर अपने चुनावी प्रबंधन कौशल के दम पर प्रधानमंत्री से लेकर कई मुख्यमंत्रियों को जिताने का दावा करते रहे हैं, लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव में झटका लगने के बाद से आइपैक का ग्राफ लगातार नीचे आता दिख रहा है। बंगाल में ममता बनर्जी ने भी आइपैक से करार किया था, लेकिन अपेक्षित नतीजे नहीं मिले। इसके बाद अखिलेश यादव भी सतर्क हो गए। उन्हें लगा होगा कि कहीं उनका हाल भी ममता जैसा न हो जाए। दरअसल चुनाव प्रबंधन की सफलता केवल रणनीति पर निर्भर नहीं होती। इसके पीछे राज्य का माहौल, सामाजिक समीकरण और जनता का रुझान भी अहम भूमिका निभाते हैं। पीआर कंपनियां अक्सर उन्हीं दलों के साथ जुड़ती हैं, जिनके पक्ष में पहले से माहौल बना होता है। इससे उन्हें नाम और दाम, दोनों मिल जाते हैं। मगर लगातार खराब नतीजों के बाद अब राजनीतिक दल भी सतर्क होने लगे हैं।

चुनावी मुड़ी

आजकल हर चुनाव के साथ कुछ पकवान और खाने-पीने की चीजें भी खास तौर पर चर्चा में आने लगी हैं। पिछले साल हरियाणा चुनाव के बाद जलेबी खूब प्रचलित हुई थी। भाजपा की जीत के बाद जगह-जगह जलेबी बांटी गई। हालात ऐसे हो गए कि राजनीति में जलेबी का नाम लेते ही उसका संबंध हरियाणा से जोड़ा जाने लगा। पश्चिम बंगाल के नतीजों के बाद झालमुड़ी केवल भाजपा कार्यालय में ही नहीं, बल्कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ब्रीफिंग के बाद भी बांटी गई। रेल मंत्रालय में तो यह वर्षों से कुछ अलग स्वरूप में मिलती रही है। इस बीच सबकी नजरें असम पर थीं कि वहां क्या होने वाला है। क्या वहां पेड़ा बांटा जाएगा? हालांकि ऐसा कुछ नहीं हुआ।

संस्थापक- स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक- स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन- महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक- संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा-201309 से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

54 हजार करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया था खेल, कला और संस्कृति के मद में बिहार सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, ताकि प्रदेश में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके।

आजकल

अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

फिल्म संस्थान की आवश्यकता-अपेक्षा

बिहार सरकार के कला और संस्कृति विभाग के सचिव प्रणव कुमार ने हाल ही में फिल्म और टेलीविजन संस्थान पुणे का दौरा किया है। प्रथम द्रष्टया यही समझा जा सकता है कि बिहार में स्थानीय कला प्रतिभाओं को निखारने के लिए स्थानीय स्तर पर संबंधित संस्थान की स्थापना के संदर्भ में ही यह यात्रा हो सकती है। वैसे भी बिहार में कला से जुड़ी प्रतिभा की कमी नहीं है, कमी है तो केवल बेहतर अवसर की। यदि बिहार में ही युवाओं को अवसर मिलेगा तो इससे यहां एक बड़ा परिवर्तन संभव है

अमित शाह। फाइल

सम्राट चौधरी। फाइल

फिल्म और टेलीविजन संस्थान पुणे ने हाल में फेसबुक पर एक पोस्ट डाली। इसमें बताया कि बिहार सरकार के कला और संस्कृति विभाग के सचिव प्रणव कुमार ने संस्थान का दौरा किया। सचिव ने फिल्म और टेलीविजन संस्थान के शार्टटर्म कोर्स और आउटरीच कार्यक्रम के बारे में समझा। संस्थान इस तरह के कोर्स और कार्यक्रम देश के अलग अलग हिस्सों में चलाता है। इस संभावना को भी टटोला गया कि क्या ये कोर्स बिहार में भी चलाए जा सकते हैं, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को लाभ मिले। राज्य में फिल्म शिक्षा को बेहतर किया जा सके। इस पोस्ट को देखते हुए बिहार विधानसभा चुनाव के पहले तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की एक पोस्ट की याद आई। उसमें लिखा गया था, बिहार फिल्म एवं नाट्य संस्थान की स्थापना को मिली स्वीकृति। बताया गया था कि कैबिनेट बैठक के महत्वपूर्ण निर्णय से बिहार की कला और संस्कृति को नई उड़ान मिलेगी। फिल्म इंडस्ट्री को प्रस्तावित संस्थान नई पहचान देगा। थिएटर और नाट्यकला के कलाकारों के लिए प्रशिक्षण केंद्र होगा और स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का सेतु बनेगा। कुछ इसी तरह का पोस्ट तत्कालीन उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भी डाला था। उन्होंने लिखा था कि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) की तर्ज पर राज्य में बिहार नाट्य विद्यालय बनेगा। विजय सिन्हा ने लिखा था कि विद्यालय निर्माण की प्रक्रिया के लिए जल्द ही कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाएगा। छात्र राज्य में नाट्य विधा से जुड़ी पढ़ाई और प्रशिक्षण ले सकेंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव संपन्न हो गए। पहले जनता दल (यू) के नीतीश कुमार और अब भारतीय जनता पार्टी के सम्राट चौधरी बिहार के मुख्यमंत्री बने। मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया। अब अपेक्षा है कि सम्राट चौधरी चुनाव पूर्व दी गई जानकारी के बारे में ठोस पहल करें। संभव है कि बिहार के कला संस्कृति विभाग के सचिव का फिल्म और टेलीविजन संस्थान, पुणे का दौरा इस संबंध में ही रहा हो। आज बिहार में एक फिल्म और टेलीविजन के लिए अभिनय समेत विभिन्न विधाओं को सिखानेवाले एक संस्थान की बहुत आवश्यकता है। बिहार में रंगमंच की परंपरा रही है। मनोज बाजपेयी, पंकज त्रिपाठी तो जाना पहचाना नाम हैं। इसके अलावा बिहार से अखिलेन्द्र मिश्रा, विजय कुमार, संजय मिश्रा जैसे उत्कृष्ट कलाकारों ने रंगमंच और फिल्म दोनों में अपनी जगह बनाई। अमिताभ सिन्हा ने लेखन और निर्देशन में नाम कमाया है। वह बिहार के हैं और फिल्म और टेलीविजन संस्थान, पुणे के छात्र रह चुके हैं। इनके अलावा भी बिहार का रंगमंच काफी समृद्ध रहा है। बावजूद इसके बिहार में न तो कोई सरकारी नाट्य विद्यालय है और न ही कोई फिल्म और टेलीविजन से जुड़ा संस्थान। बिहार में कोई संस्थान नहीं होने के कारण यहां के छात्रों को दिल्ली, मुंबई की ओर रुख करना होता है। कई ऐसे प्रतिभाशाली छात्र हैं जो नाट्य कला या सिनेमा निर्माण से जुड़ना चाहते हैं, लेकिन अवसर नहीं होने के कारण उनकी प्रतिभा का उपयोग नहीं हो पाता है। निजी संस्थानों की फीस इतनी अधिक होती है कि सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार के छात्रों के लिए वहां जाना संभव नहीं हो पाता। स्वाधीनता के इतने वर्षों बाद भी बिहार में इस तरह के किसी संस्थान के नहीं होने से यहां के राजनीतिक नेतृत्व पर प्रश्न चिन्ह खड़ा होता है। अब अवसर है कि इस भूल को सुधारा जाए। बिहार में एक नाट्य कला विद्यालय या फिल्म इंस्टीट्यूट की स्थापना करके यहां के छात्रों के सपने को पूरा किया जाए।

पिछले दिनों बिहार से खबर आई थी कि राज्य सरकार फिल्मसिटी का निर्माण करना चाहती है। मुंबई से सिनेमा से जुड़े कुछ लोगों के साथ अधिकारियों ने बांका इलाके में फिल्मसिटी निर्माण की संभावनाओं पर विचार करने के लिए दौरा किया था। इस बात को कई महीने बीत गए, लेकिन अब तक यह ज्ञात नहीं हो सका है कि फिल्मसिटी के निर्माण की योजना का क्या हुआ। अगर बिहार में फिल्मसिटी का निर्माण करके उसको सफल और क्रियाशील बनाना है तो बिहार में फिल्म निर्माण से जुड़े मानव संसाधन तैयार करने पर भी विचार करना होगा। इसके लिए आवश्यक है कि बिहार में राज्य का अपना एक फिल्म इंस्टीट्यूट हो। इस फिल्म इंस्टीट्यूट में केवल अभिनय का प्रशिक्षण नहीं दिया जाए, बल्कि तकनीकी में भी छात्रों को प्रशिक्षित किया जाए चाहे वह साउंड रिकार्डिंग हो, डबिंग हो या फिर वीएफएक्स जैसी विधा हो। बिहार सरकार चाहे तो केंद्र सरकार से अनुरोध करके फिल्म एंड टेलीविजन संस्थान, पुणे या सत्यजित राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, कोलकाता का एक केंद्र पटना या बिहार के किसी अन्य शहर में खोल सकती है। दोनों संस्थानों को अब विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त है, लिहाजा उन्हें कहीं भी केंद्र खोलने में किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होगी। बिहार सरकार को आधिकारिक रूप से सूचना और प्रसारण मंत्रालय को अनुरोध भेजना होगा। सूचना और प्रसारण मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के साथ समन्वय करके इस कार्य को पूरा किया जा सकता है। आवश्यकता राजनीतिक इच्छा शक्ति और प्रयास की है। डबल इंजन की सरकार का इतना लाभ तो बिहार को मिलना ही चाहिए।

शुक्रवार को सुवेंदु अधिकारी को जब भाजपा के बंगाल विधानमंडल दल का नेता चुना गया था तो गृह मंत्री अमित शाह ने वहां उपस्थित विधायकों को संबोधित किया था। अमित शाह ने बंगाल में एक विश्वस्तरीय नाट्य और कला विद्यालय की स्थापना की बात की थी। बंगाल में अगर विश्वस्तरीय नाट्य कला विद्यालय बनाया जाता है तो अच्छी बात होगी, लेकिन ध्यान में रहना चाहिए कि वहां तो पहले से ही सत्यजित राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान है। नया संस्थान बनाने से बेहतर है कि इस संस्थान को ही संसाधानयुक्त करके, नियुक्तियां करके इसको विश्वस्तरीय बनाया जाए। जबकि बिहार में तो ऐसा कोई संस्थान है भी नहीं। सुवेंदु की तरह सम्राट चौधरी भी गृह मंत्री अमित शाह की पसंद बताए जाते हैं। बंगाल की तरह बिहार चुनाव के समय भी अमित शाह ने कमान संभाली थी। मंत्रिमंडल विस्तार के पहले उनके पटना पहुंचने से स्पष्ट है कि उनकी नजर बिहार पर भी है। गृह मंत्री ने जिस तरह से बंगाल को नाट्य विद्यालय देने की घोषणा की उसी तरह उनका ध्यान बिहार पर भी जाए, ऐसी अपेक्षा बिहार के लोग कर रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री को विधानसभा चुनाव पूर्व के कैबिनेट के उक्त निर्णय पर ध्यान देना चाहिए। प्रस्ताव को पुनर्जीवित करते हुए सरकार की ओर से केंद्र सरकार को अनुरोध भेजना चाहिए। इसमें कोई समस्या है तो बिहार को मध्य प्रदेश की तर्ज पर अपना नाट्य विद्यालय खोलना चाहिए। बिहार में प्रतिभा की कमी नहीं है, कमी है तो बेहतर अवसर की। अगर राज्य में ही छात्रों को अवसर मिलता है तो ये बदलाव के एक बड़े कदम के तौर पर रेखांकित हो सकता है।

खरी खरी

टोपी पहनाने की कला

अभिजित दुबे

टोपी पहनाना एक कला है। हम भारतीयों के पास यह कला सदियों से है। हर पीढ़ी इस कला की बारीकियों को अगली पीढ़ी को हस्तांतरित कर देती है। अब यह अगली पीढ़ी पर निर्भर करता है कि वह कला तथा कलाकारी को कितनी निपुणता से ग्रहण करती है। इस कला में वाक कला का योगदान सबसे अहम रहता है। प्रशंसा करना, भरोसा दिलाना, वादा करना, आश्वासन देना, भाव-भंगिमा, स्मरण शक्ति तथा झूठ बोलने में महारत हासिल होना इस कला के सहयोगी टूल्स हैं।

टोपी पहनाने का इतिहास उतना ही पुराना है, जितनी पुरानी टोपियां हैं। टोपियां बनी ही हैं पहनाने के लिए। दुनिया में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसे टोपी नहीं पहनाया जा सकता हो। योग्यता संपन्न व्यक्ति तो 140 करोड़ लोगों को टोपी पहना देता है, तिस पर तुर्रा यह कि लोगों को पता भी नहीं चलता कि उन्हें टोपी पहनाया जा चुका है। कर्णधार टोपी पहनाने के लिए विभिन्न मुद्दों को ढूंढते हैं। जात-पात, धर्म-संप्रदाय, देशभक्ति आदि कुछ मुद्दों के सहारे टोपी पहनाने की प्रक्रिया मुकम्मल होती है।

कोई भी मनुष्य स्वयं टोपी नहीं पहनता है। कोई न कोई टोपीबाज उसे पहनाता है। दूसरे को टोपी पहनाने का आनंद ही कुछ और होता है। इस कला में निपुण व्यक्ति की पांचों उंगलियां घी में तथा सिर कड़ाही में रहती है। इस देश में बहुतेरे लोग टोपी पहनाने की कला में निष्णात हैं। हर व्यक्ति दूसरे को टोपी पहनाने के फिराक में लगा रहता है।

पुराने समय में जब राजतंत्र था तब दरबारी, चाटुकार एवं छद्म प्रशंसक लोग अपने राज्य के राजा को टोपी पहनाने के लिए उनका स्तुतिगान करते थे। उन्हें पृथ्वी का सर्वश्रेष्ठ राजा घोषित कर देते थे। इस प्रकार स्वर्ण मुद्राएं एवं अन्य राजकीय सुख आसानी से प्राप्त होते थे। किसी कारणवश जब ये एक राजा को छोड़कर दूसरे राजा के शरण में जाते थे तब फिर उस राजा को पृथ्वी का सर्वश्रेष्ठ राजा घोषित कर देते थे।

मनुष्यों के अतिरिक्त टोपी पहनाने के लिए बाजार भी तत्पर रहता है। कंपनियां विज्ञापन एजेंसियों के माध्यम से अपने उत्पाद आपके अवचेतन मन-मस्तिष्क पर चित्रित कर देती हैं। फिर इंटरनेट मीडिया के द्वारा इन उत्पादों को आपके सामने से गुजारा जाता है। आप इन उत्पादों पर मित्र-मंडली में चर्चा-परिचर्चा प्रारंभ कर देते हैं। बाजार ने हाथी खरीदने पर चूहा मुफ्त पकड़ा दिया।

हमारे पड़ोस में एक सज्जन रहते हैं। पूरा मोहल्ला उन्हें चाचाजी कहकर संबोधित करता है। बचपन से देखता आ रहा हूं कि चाचाजी के घर पर सुबह से ही लोगों की भीड़ लगी रहती है। पहले भीड़ लगने का कारण समझ नहीं आता था, फिर एक दिन पिताजी ने समझाया कि वह बहुत बड़े टोपीबाज हैं। लोगों को बहुत ही निपुणता से टोपी पहनाते हैं। इनकी पहुंच ऊपर तक है। कई मंत्री-संतरी के साथ खिंचवाई हुई फोटो इनके ड्राइंग रूम के दीवार की शोभा बढ़ा रही है। वाट्सएप की प्रोफाइल फोटो तथा फेसबुक आदि पर भी यह तस्वीर लगी हुई है, जो मछली पकड़ने के लिए डाले गए चारा का काम करती है। दुनिया के किसी भी कोने में कोई काम करवाना हो, वह हाजिर रहते हैं। प्रार्थी योग्य हो या अयोग्य, उसे इच्छित जगह सेट करवाने की गारंटी दे देते हैं। गारंटी भारतीयों को खूब लुभाती है। इसकी चाहत रखने वाला सहर्ष इसका मूल्य चुकाने को तैयार रहता है।

चाचाजी की अब उम्र हो गई है। अपनी कला अपने सुपुत्र को सौंप रहे हैं। पिछली पीढ़ी का दायित्व है अगली पीढ़ी को सक्षम बनाना। आप भी बनाइए। जहां मौका मिले टोपी पहनाइए। (लेखक व्यंग्यकार हैं)

पोस्ट

सुवेंदु ही मुख्यमंत्री पद के 'अधिकारी' थे। भाजपा नेतृत्व ने न केवल उनके संघर्ष का, बल्कि जनभावनाओं का भी सम्मान किया
नवनीत मिश्र@navneetmishra99

बताया जा रहा है कि आइपीएल की टीवी दर्शक संख्या में गिरावट आई है। बीसीसीआइ को इसे गंभीरता से लेना चाहिए, क्योंकि आइपीएल अब क्रिकेट मुकाबले से अधिक केवल बल्लेबाजी प्रदर्शन बनता जा रहा है। क्रिकेट तब सबसे रोमांचक होता है जब उसमें अनिश्चितता और संतुलन हो। हर्ष गोयनका@hvgoenka

डीएमके ने एक समय अटल बिहारी वाजपेयी की भाजपा के साथ भी गठबंधन किया था और फिर सोनिया गांधी की कांग्रेस के साथ भी। इससे यह संकेत मिलता है कि तमाम वैचारिक दावों के बावजूद वह एक बेहद व्यावहारिक और अवसरवादी राजनीतिक दल रहा है। सत्ता-समीकरण अक्सर घोषित विचारधारा पर भारी पड़ते हैं।
स्वाति चतुर्वेदी@bainjal

यदि केसी वेणुगोपाल को केरलम का मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो राज्य का भविष्य क्या होगा यह तो नहीं पता, लेकिन कांग्रेस पार्टी का देशभर में भविष्य जरूर उज्ज्वल हो जाएगा। कांग्रेस के सैकड़ों नेता प्रार्थना कर रहे होंगे कि उन्हें केरलम भेज दिया जाए।
सुमंत रमन@sumanthraman

रचनाकर्म

नारी शक्ति के संघर्ष की गाथा

ब्रजबिहारी

बंगाल में करवट ले चुकी राजनीति के बीच उसी राज्य की एक अन्यतम नारी शक्ति के निजी एवं युग संघर्षों की दास्तान पढ़ने का अवसर मिलना किसी के लिए मात्र संयोग हो सकता है, लेकिन एक समीक्षक के लिए यह नियति से साक्षात्कार की तरह है। आज वहां की राजनीति में जो घटित हो रहा है, उसे डेढ़ सौ वर्ष पहले जन्मीं डाक्टर जेमिनी (यामिनी) सेन की जीवन गाथा पढ़ते हुए महसूस किया जा सकता है। उस समय भी बंगाल समय से आगे था, आज भी है। उनकी परपोती दीपा राय चक्रवर्ती ने विस्तृत यात्रा एवं गहन शोध के आधार पर एक ऐसी रचना प्रस्तुत की है, जिसमें पाठक को कथा और कथेतर दोनों विधाओं का आनंद आएगा।

घर में दादी और मां से जेमिनी राय के बारे में सुनते हुए बड़ी हुई लेखिका को बार-बार मन में यह कचोटता था कि उनकी परदादी के साथ हुए अन्याय की कहानी को सामने लाने का काम अब तक क्यों नहीं हुआ है। उन्होंने स्वयं इसे लिखने का निर्णय लिया। इसे पढ़ते हुए लगेगा कि लेखिका का फैसला बिल्कुल सही है। डा. जेमिनी सेन की कहानी केवल उनके संघर्षों के बारे में नहीं है, बल्कि यह बंगाली समाज में चल रहे पुनर्जागरण आंदोलन के साथ नेपाल, ब्रिटेन और जर्मनी की स्थितियों से भी परिचय कराती है।

जेमिनी का जन्म 1871 में एक प्रतिष्ठित बंगाली परिवार में हुआ था। उस समय बंगाल में ब्रह्म समाज का दौर था। इसे परंपरागत समाज ईश्वर विरोधी मानता था। जेमिनी के पिता चंडी चरण सेन, राजा राम मोहन राय और केशव चंद्र सेन जैसे लोगों से प्रेरित होकर ब्रह्म समाजी हो चुके थे और इस वजह से कुटुंब में उन्हें संदेह की नजर से देखा जाता था। ऐसे घर में एक के बाद एक दो बेटियों के जन्म को भी चंडी बाबू के ईश्वर विरोधी आचरणों को माना गया। ऐसे घर में जन्म लेने के बाद भी मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए जेमिनी को अपने पिता से काफी संघर्ष करना पड़ा, क्योंकि अपने समय के प्रगतिशील कहे जाने वाले चंडी बाबू भी महिलाओं को पढ़ाने के पक्ष में थे, लेकिन उनके नौकरी करने के विरोधी थे। उनका मानना था कि स्त्री का बड़ा कर्तव्य उसके परिवार के प्रति है। उनकी बड़ी बहन कामिनी भी डाक्टर बनना चाहती थीं, लेकिन उन्हें अनुमति नहीं मिली। जब जेमिनी की बारी आई तो कामिनी ने पिता को राजी कराने का काम किया।

डा. जेमिनी को सिर्फ घर में ही लड़ाई नहीं लड़नी पड़ी। कार्यस्थल पर पुरुष सहयोगियों का व्यवहार खिल्ली उड़ाने वाला होता था। बहरहाल, केशव चंद्र सेन के भारत आश्रम में पली-बढ़ी जेमिनी राय को वहां से सामुदायिक जीवन के साथ ही सिर उठाकर जीने का साहस भी मिला था। अपने काम से मतलब रखने और संक्षिप्त लेकिन विश्वास से भरपूर संवाद की शैली ने उनकी हर जगह रक्षा की। देश में तैनाती के दौरान ब्रिटिश अफसरों से और विदेश में हावी होने का प्रयास करने वाले लोगों से निपटने में जिस दृढ़ता का परिचय दिया, वह आज की महिलाओं के लिए भी मिसाल है।

यह पुस्तक बंगाल की धरती पर जन्मीं आरंभिक भारतीय महिला चिकित्सकों में अग्रणी जेमिनी सेन के संघर्षों की कथा के साथ बंगाल के पुनर्जागरण आंदोलन व नेपाल, ब्रिटेन और जर्मनी की स्थितियों से भी परिचय कराती है...

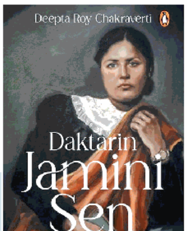

पुस्तक : डाक्टारनी जेमिनी सेन
लेखिका : दीपा राय चक्रवर्ती
प्रकाशक : पेंग्विन रैंडम हाउस
मूल्य : 599 रुपये

नेपाल में राजपरिवार को सेवाएं देने के कारण डा. जेमिनी की जिंदगी में कई खतरे भी आए और उन पर कई आरोप भी मढ़े गए, लेकिन इन सबसे वह अप्रभावित रहीं और अपनी मंजिल की ओर बढ़ती रहीं। कहते हैं बंगाल समय के साथ सिर्फ बदलता ही नहीं है, बल्कि वह बार-बार बेहतर और नए रूप में पल्लवित होता है। डा. जेमिनी का जीवन इस बात का प्रमाण है। सचमुच, बंगाल की धरती में कुछ तो ऐसा है, जो आपको कुछ करने के लिए न सिर्फ प्रेरित करता है, बल्कि उसके लिए माहौल भी मुहैया कराता है।

डा. लोहिया के विचार और कार्य

कन्हैया झा

स्वतंत्रता सेनानी डा. राममनोहर लोहिया आधुनिक भारत के मौलिक चिंतक और विचारक के रूप में भी प्रख्यात हैं। उन्हें आधुनिक भारत के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक बदलाव के आधार शिल्पी के रूप में भी जाना जाता है। देशसेवा के प्रति पूर्णतया समर्पित रहे डा. लोहिया आजीवन अविवाहित रहे। हालांकि आज समाजवादी विचारधारा के लोग लगभग लुप्तप्राय हो चुके हैं, फिर भी लोहिया का भारत के प्रति योगदान इस विचार को चर्चा में बनाए रखता है। वैसे लोहिया का समाजवाद से तात्पर्य था कि समाज के सभी सदस्य समान हैं, कोई ऊंचा नहीं है, कोई नीचा नहीं है।

राममनोहर लोहिया की मान्यता थी कि भारत की अधिकांश जनता गांवों में रहती है, इसलिए वह गांवों का स्तर उठाना चाहते थे। गांव में कौशल विकसित करना चाहते थे। यदि उनके विचारों के अनुरूप विकास का प्रारूप तैयार किया जाता तो आज गांव और शहर की प्रगति में इतना बड़ा अंतर नहीं दिखता और गांवों से शहरों की ओर व्यापक स्तर पर हुए पलायन को रोका जा सकता था। लोहिया ने महिला और पुरुष के बीच समानता की वकालत की थी। आज कार्यक्षेत्र में महिलाओं को वही सम्मान प्राप्त है, जो पुरुषों को है।

इस पुस्तक में आठ अध्याय हैं, जो लोहिया के कार्यों और विचारों का विश्लेषण करते हैं। कुछ अध्यायों के नाम इस प्रकार हैं : आजादी की लड़ाई और लोहिया की भूमिका, भारतीय राजनीति की रूपरेखा, दूरदर्शी डा. लोहिया की दृष्टि में बांग्लादेश आदि। लोहिया की मान्यता थी कि पाकिस्तान, जिसे 15 अगस्त, 1947 को तोड़कर भारत से अलग कर दिया गया, इतिहास में अपना स्थान स्थायी रूप से नहीं बना सकता। काफी हद तक ऐसा आज प्रतीत भी हो रहा है। लोहिया के जीवन दर्शन को जानने-समझने के लिहाज से यह पुस्तक बहुत ही उपयोगी है।

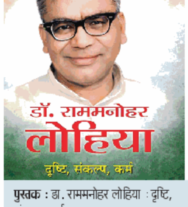

पुस्तक : डा. राममनोहर लोहिया : दृष्टि, संकल्प, कर्म
लेखक : श्रीभगवान सिंह
प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन
मूल्य : 400 रुपये

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या कांग्रेस के डीएमके से नाता तोड़ने से विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए और अधिक कमजोर होगा?

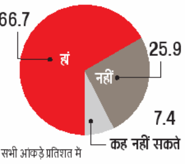

सभी आंकड़े प्रतिशत में

आज का सवाल

क्या तमिलनाडु में जोसेफ विजय के नेतृत्व में पांच साल स्थिर सरकार चलने की उम्मीद है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है

जनपथ

फितरत इनकी पूर्व में समझ चुका है देश,
बेहतर हो अब जान लें डीएमके-अखिलेश।
डीएमके-अखिलेश और सब खद्दरधारी,
सैयाँ धोखेबाज करेंगे ही गद्दारी!
'इंडी' गढ़े नितीश कर दिया उनको ही कट,
यही असल कांग्रेस यही है इसकी फितरत!!
-ओम प्रकाश तिवारी

सात सुरन की बेला

भारतीय शास्त्रीय संगीत के व्याकरण पक्ष और संगीत सिद्धांत को समझने के लिए शब्दकोश निर्माण की एक प्राचीन परंपरा रही है। यह एक हद तक सांस्कृतिक अध्ययन की भी महत्वपूर्ण बानगी बन जाती है, जब हम प्रचलित और अल्पप्रचलित सांगीतिक मुहावरों, विशेषणों और प्रत्ययों को उस अर्थ में समझते हैं, जैसा परंपरा और शास्त्र ने उन्हें अंगीकार कर रखा है। यह भी स्मरण में आता है कि अधिकतर शब्दकोश व्यावहारिक ढंग से, जिनकी प्रामाणिकता असंदिग्ध मानी जाती है, अंग्रेजी भाषा में रचे गए। इनमें प्रमुख रूप से, जिनके काम शीर्षस्थ माने जाते हैं, उनमें वामनराव देशपांडे, अशोक रानाडे और ऐलेन डेने ल्यू के नाम प्रमुख हैं। इसी कड़ी में प्रख्यात संगीतकार पं. अमरनाथ द्वारा रचा गया संगीतकोश अब हिंदी में राकेश पाठक के अनुवाद के साथ उपलब्ध है। किताब की एक आत्मीय बात यह भी है कि पंडित अमरनाथ की बेटी बिंदु चावला ने एक सुदीर्घ निबंध अपने पिता की स्मृति में लिखा है, जो एक हद तक उनकी प्रतिभा, जीवन-यात्रा और सांगीतिक उपलब्धियों को आपस में गूंथती हुई प्रभावशाली, संस्मरणात्मक अभिव्यक्ति है, जिसका अलग से महत्व है।

यतीन्द्र मिश्र

हिंदी की वर्णमाला के अनुसार इस शब्दकोश को बेहद प्रामाणिकता से तैयार किया गया है और सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि यह मात्र शुष्क डिक्शनरी की तरह न बनकर एक रसिक या भावक के अंतःप्रक्रियाओं के अंतर्गत बनाई गई है, जिससे इसकी पाठकीयता अद्भुत ढंग से उभरती है। जैसे इंदौर घराने पर संक्षिप्त टिप्पणी में उस घराने को समझने के सारे सूत्र मिल जाते हैं अथवा किराना घराने के संदर्भ में जब टिप्पणी मिलती है, तो वहां यह संकेत करते हुए समझाया गया है कि आप इस घराने को पूर्णता से समझने के लिए अब्दुल वहीद खां, अब्दुल करीम खां और सवाई गंधर्व पर टिप्पणियां भी जाकर इसी शब्दकोश में देखें। पंडित अमरनाथ ने इसकी भूमिका में इस कोश निर्माण की जरूरत पर वैचारिक ढंग से बात की है, जिसे उन्होंने रोचक ढंग से न केवल लिखा है, बल्कि यह भी बताया है कि रियाज के बाद तानसेन के दस्तरख्वान पर क्या होता था, इन चीजों से कलाकार को कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए, जबकि दुर्भाग्य से अधिकतर संगीत का इतिहास ऐसी ही कहानियों से भरा है। एक महत्वपूर्ण, आवश्यक और बोधगम्य संगीतकोश!

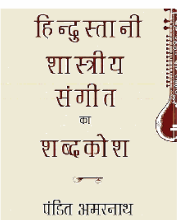

पुस्तक : हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का शब्दकोश, **लेखक :** पंडित अमरनाथ
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन
मूल्य : 595 रुपये

औपनिवेशिक कानून के दर्पण में स्त्री-जीवन

कानून के दायरे में स्त्री की स्थिति को लेकर उठे प्रश्न किसी एक समय की उपज नहीं हैं, यदि इसे कुछ शताब्दियों के भीतर देखें, तो औपनिवेशिक दौर में पहली बार स्त्रियों के विरुद्ध भेदभाव को कानून के जरिये चुनौती देने की पहल दिखती है, जिसे औपनिवेशिक प्रशासन, सुधारवादी चिंतन और स्वयं स्त्रियों की भागीदारी ने दिशाएं दीं। आज जब महिलाओं से जुड़े मुद्दे बार-बार सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में लौटते हैं, मौजूदा सरकार भी कानूनों व नीतियों के माध्यम से उनके जीवन में सुधार के प्रति संवेदनशील दिखाई देती है, तब यह समझना आवश्यक हो जाता है कि इन सबके पीछे एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि सक्रिय है, जिसे जाने बिना वर्तमान की किसी भी बहस की गहराई तक पहुंचना संभव नहीं। इस संदर्भ में जानकी नायर की 'विमेन एंड कोलोनियल ला : अ फेमिनिस्ट सोशल हिस्ट्री' महत्वपूर्ण हस्तक्षेप की तरह सामने आती है। गौरतलब है कि इतने व्यापक फलक के बावजूद पुस्तक अपने मूल प्रश्नों से विचलित नहीं होती, श्रम करती स्त्रियों के लिए कानूनी संरक्षण, राजनीतिक प्रतिनिधित्व के प्रश्न तथा यौनिकता और प्रजनन से जुड़े पारिवारिक ढांचों का नियमन, सभी पहलुओं को सामने लाती है।

पुस्तक : विमेन एंड कोलोनियल ला : अ फेमिनिस्ट सोशल हिस्ट्री
लेखिका : जानकी नायर
प्रकाशक : कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, यूके
मूल्य : 1295 रुपये

शुरुआत औपनिवेशिक काल में विकसित विधिक ढांचे की आधारभूमि के परिचय से होती है, जिसमें प्रथागत कानूनों के स्त्रियों पर पड़े दीर्घकालिक प्रभाव भी शामिल हैं। आगे 19वीं शताब्दी के सामाजिक सुधार (सती-प्रथा, कन्या-हत्या, विधवा-विवाह और बाल-विवाह) से जुड़े औपनिवेशिक तथा भारतीय हस्तक्षेप सामने आते हैं। पुस्तक में स्त्री की कानूनी स्थिति को समझने के लिए आवश्यक अवधारणाओं के साथ इतिहास-लेखन और नारीवादी विधि-अध्ययन के नवीनतम विकास समेत तीन दशकों में बदले दृष्टिकोणों का विश्लेषण है।

यहां स्त्री-यौनिकता में आए परिवर्तनों और 'सम्मानजनक' तथा 'असम्मानजनक' के बीच खींची गई रेखाओं के सामाजिक प्रभावों को भी महसूस किया जा सकता है, जिन्होंने स्त्रियों के जीवन को प्रभावित किया। यह कृति विभिन्न क्षेत्रों के उदाहरणों के माध्यम से औपनिवेशिक सामाजिक इतिहास की एक जटिल, बहुआयामी तस्वीर उकेरती है। यहां स्पष्ट कर देना चाहूंगा कि औपनिवेशिक काल के इन पक्षों का उल्लेख अंग्रेजों के अत्याचारों को कमतर आंकना बिल्कुल नहीं है, यहां सिर्फ स्त्री-जीवन को समझने का प्रयास हुआ है। एक व्यापक नारीवादी सामाजिक ऐतिहासिक अध्ययन।

बिरला कारपोरेशन को 294.8 करोड़ रुपये का लाभ

नई दिल्ली: एमपी बिरला समूह की कंपनी बिरला कारपोरेशन लिमिटेड ने शनिवार को बताया कि जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के दौरान उसका शुद्ध लाभ 294.77 करोड़ रुपये रहा है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 256.6 करोड़ रुपये से ज्यादा है। बीती तिमाही के दौरान कंपनी का संचालन राजस्व मामूली बढ़कर 2,836 करोड़ रुपये रहा है, जो जनवरी-मार्च 2025 में 2,814.91 करोड़ रुपये था। (प्रेट्र)

पांच हजार करोड़ रुपये की क्रेडिट गारंटी स्कीम के जरिये सरकार ने सेवा क्षेत्र के सबसे अहम स्तंभों में से एक विमानन क्षेत्र के प्रति मजबूत नीतिगत प्रतिक्रिया दिखाई है।

– **राजीव जुनेजा, प्रेसिडेंट, पीएचडीसीसीआइ**

10 सेक्टरों में 45 अरब डालर निवेश के अवसर

डीपीआइआइटी के अधीन इन्वेस्ट इंडिया ने कहा, दुनिया के कई देश इन क्षेत्रों में निवेश करने के इच्छुक

- इन्वेस्ट इंडिया के प्रयासों से पिछले वर्ष भारत को 6.1 अरब डालर का निवेश मिला
- बेहतर इन्फ्रा वाले गुजरात में सबसे अधिक 263 करोड़ डालर का निवेश हुआ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआइआइटी) के अधीन काम करने वाली एजेंसी इन्वेस्ट इंडिया मुताबिक, दुनिया के दस देश भारत में सबसे अधिक निवेश करने के इच्छुक है। यह देश इलेक्ट्रानिक्स सिस्टम डिजाइन एंड मैन्यूफैक्चरिंग (ईएसडीएम), ऊर्जा, फार्मा, इलेक्ट्रिक आटो, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, कैपिटल गुड्स, इन्फ्रा, केमिकल्स व क्रिटिकल मिनरल्स क्षेत्र में भारत में निवेश करना चाहते हैं। इन्वेस्ट इंडिया का अनुमान है कि इन सेक्टर में भारत में 45 अरब डालर के निवेश के अवसर है और इसको लेकर वह दुनियाभर के पांच हजार से अधिक निवेशकों के संपर्क में है।

इन्वेस्ट इंडिया का कहना है कि अमेरिका, जर्मनी, जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ताइवान, ब्रिटेन, फ्रांस और आस्ट्रेलिया जैसे देशों के निवेशक भारत में निवेश करने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

इन्वेस्ट इंडिया के प्रयासों से बीते वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत को 6.1 अरब डालर का निवेश मिला है। इसमें से सबसे अधिक 263.80 करोड़ डालर का निवेश गुजरात में किया गया। गुजरात के बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर को इसके लिए प्रमुख कारण माना जा रहा है। इस दौरान महाराष्ट्र में 81 करोड़ डालर, उत्तर प्रदेश में 23.2 करोड़ डालर का निवेश किया गया। वहीं, कारोबारी इकोसिस्टम की कमी वाले बिहार में मात्र 20 लाख डालर का निवेश किया गया।

इन्वेस्ट इंडिया की सीईओ निवरुति राय के मुताबिक जिन राज्यों में कारोबार का इकोसिस्टम अच्छा है, वहां अधिक निवेश हो रहे हैं। उनका प्रयास है कि बिहार जैसे राज्य में भी निवेश लाया जाए ताकि एक संतुलित विकास हो।

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य निवेशकों को आकर्षित करने में अधिक सफल होते दिख रहे हैं। मध्य प्रदेश में पिछले वित्त वर्ष में 82 करोड़ डालर का निवेश किया गया। राजस्थान में 32.8 करोड़ डालर, तेलंगाना में 27.1 करोड़ डालर, हरियाणा में 17.6 करोड़ डालर, असम में 50 लाख डालर, दिल्ली में 8.9 करोड़ डालर, कर्नाटक में 11.6 करोड़ डालर तो सिक्किम में 2.7 करोड़ डालर निवेश किए गए।

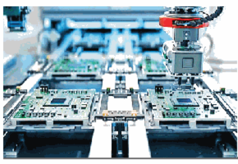

20 लाख डालर का निवेश मिला कारोबारी इकोसिस्टम में पिछड़े बिहार को

भारत से दुनियाभर के लिए उत्पाद बनाना चाहते हैं वैश्विक निवेशक

विशेषज्ञों का कहना है कि बिहार जैसे राज्य में निवेश कम होने की सबसे बड़ी वजह कारोबारी इकोसिस्टम की कमी है। विदेशी निवेशक सिर्फ भारत में ही अपने उत्पाद बेचने के लिए निवेश नहीं करते हैं। वे चाहते हैं कि भारत में बनाए जाने वाले उनके सामान दुनिया भर में बेचे जा सके। इस काम के लिए बंदरगाह और एयर कार्गो जैसे इन्फ्रा की बेहतरीन सुविधा होनी चाहिए, जो बिहार में नहीं है। बिहार जैसे राज्यों में मैन्यूफैक्चरिंग का पहले से कोई इकोसिस्टम नहीं है। किसी एक प्रमुख उत्पाद को बनाने में सैकड़ों आइटम की जरूरत है और निवेशक यह देखता है वे कि उनके उत्पाद से जुड़े छोटे- छोटे आइटम किन राज्यों में आसानी से उपलब्ध है। उदाहरण के लिए, गुजरात में चिप उत्पादन की सबसे अधिक फैक्ट्री लग रही हैं क्योंकि चिप निर्माण में केमिकल की काफी आवश्यकता है। गुजरात केमिकल मैन्यूफैक्चरिंग का हब पहले से है।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

गोल्ड ईटीएफ में लगातार 11वें माह सकारात्मक निवेश

नई दिल्ली, एएनआइ: वैश्विक निवेशकों ने अप्रैल में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेश करना शुरू कर दिया है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने भारत में गोल्ड ईटीएफ में 29.7 करोड़ डालर का निवेश हुआ है। गोल्ड ईटीएफ में यह लगातार 11वां महीने सकारात्मक निवेश रहा है।

वैश्विक स्तर पर अप्रैल में गोल्ड ईटीएफ में 6.6 अरब डालर का निवेश हुआ है। इससे पहले मार्च में इससे भारी निकासी हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने सभी क्षेत्रों में गोल्ड ईटीएफ में सकारात्मक निवेश दर्ज किया गया। इसमें यूरोपीय फंड्स सबसे आगे रहे। रिपोर्ट में कहा गया है कि ताजा निवेश के साथ अप्रैल में गोल्ड ईटीएफ का वैश्विक एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 615 अरब डालर पर पहुंच गया और इसमें मासिक आधार पर एक प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

खत्म हुआ ओमाहा का वो दौर

छह दशक में पहली बार बर्कशायर हैथवे की सालाना बैठक वारेन बफे की स्टेज पर मौजूदगी के बिना हुई। चार्ली मंगर का नवंबर 2023 में निधन हो गया था। बफे ने पिछले साल के अंत में सीईओ पद छोड़ दिया। हालिया बैठक में वे दर्शकों में बैठे थे और कभी-कभार फ्लोर से कोई बात कह देते थे। एक मौके पर उन्होंने खुद कहा कि अब यह उनका शो नहीं रहा। हर मायने में, यह अगली पीढ़ी को कमान सौंपने जैसा था।

धीरेंद्र कुमार, संपादक, हिंदी डाट वैल्यूरिसर्चआनलाइन डाट काम

बोनस

ग्रेग एबेल, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में सीईओ की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने अजीत जैन के साथ मिलकर बैठक का संचालन किया। सभी के मुताबिक, यह एक काबिल और कारोबारी अंदाज में हुई मीटिंग थी। एबेल ने बर्कशायर के विशाल साम्राज्य में आपरेशनल परफार्मेंस पर बात की। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) पर चर्चा की और टेक्नोलाजी के जोखिम दिखाने के लिए बफे का एक डीपफेक वीडियो भी पेश किया। सब कुछ व्यवस्थित, प्रोफेशनल और पूरी तरह साधारण था। और होना भी यही चाहिए था।

एबेल और जैन ने समझदारी दिखाई और पुरानी चीजों को दोहराने की कोशिश नहीं की। दशकों तक बर्कशायर की बैठक असल में शेयरहोल्डर्स की मीटिंग थी ही नहीं। वह एक परफार्मेंस थी। एक मास्टरक्लास थी। एक सांस्कृतिक आयोजन था। बफे और मंगर घंटों स्टेज पर बैठे रहते। डेरिवेटिव्स से लेकर इंसानी फितरत तक हर सवाल का जवाब देते और ऐसी समझ बांटते। ऐसा लगता था कि जैसे इन्वेस्टिंग के दो सबसे तेज दिमागों से सीख मिल रही हो। बफे की कहानियां और मंगर के दो-टूक जुमले, दोनों का आपसी तालमेल बेमिसाल और बिना रिहर्सल का थिएटर था। कोई भी कारपोरेट इवेंट इसके आसपास भी नहीं था।

नई लीडरशिप ने, बुद्धिमानी से, टिम कुक बनने की कोशिश नहीं की, जो स्टीव जाब्स की जगह ले सकें। एपल में कुक बेहद कामयाब रहे, लेकिन उन्होंने कभी स्टेज पर जाब्स बनने की कोशिश नहीं की। उन्हें पता था कि नकल करने से बस तुलना होती है और वो भी नुकसानदेह। समझदारी इसमें है कि असरदार बनो, मनोरंजक नहीं। एबेल ने भी यही समझा।

मेरे लिए निजी तौर पर, यह बदलाव देखना किसी ऐसी चीज के खत्म होने जैसा लगा, जिससे मैं अपनी लेखन-जिंदगी के बड़े हिस्से को सींचता रहा। मैं बर्कशायर का शेयरहोल्डर नहीं हूं और कभी था भी नहीं। दुनिया भर के उन ज्यादातर लोगों की तरह, जो पूरे साल ओमाहा की बैठक का इंतजार करते थे। वो वहां स्टाक की कीमत या कमाई के लिए नहीं जाते थे। वो वहां जाते थे उस समझ के लिए, उस हास्य के लिए और उस सामान्य समझ के लिए जो एक शरारती मुस्कान के साथ परोसी जाती थी। इन सालों में मैंने बफे और मंगर की बातों पर आधारित इतने कालम लिखे हैं कि उनके प्रति मेरे मन में गहरी कृतज्ञता है कि वे वैसे ही दिखते थे, जैसे थे।

वह दौर गया और मैं तो ऐसा ही मानता हूं। काफी हद तक। लेकिन, एक अफसोस जरूर है। इन वर्षों में मैं कोशिश करके सच में ओमाहा जा सकता था। हजारों लोगों के साथ घूम सकता था और उन उस्तादों को सामने से सुन सकता था। मुझे हमेशा लगा कि वक्त है। अब जब मौका चला गया, तो काश मैंने उसे भुनाया होता।

यहां एक छोटा-सा निवेश का सबक छुपा है, जिसे बफे खुद भी सराहते। जो चीज आपको जरूरी लगे, उस पर अभी काम करो। बाद में नहीं। चाहे एसआइपी शुरू करनी हो, पोर्टफोलियो रिबैलेंस करना हो, या नेब्रास्का में उस बैठक में जाना हो जो जिदगी की तालीम भी देती थी। ऐसे मौके हमेशा बने रहते।

2.57 लाख करोड़ के बकाया कर की वसूली को चलेगा अभियान

नई दिल्ली, आइएएनएस: केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) चालू वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान 2.57 लाख करोड़ रुपये की बकाया कर मांगों की वसूली के लिए अभियान चलाने की तैयारी कर रहा है। एनडीटीवी प्राफिट से बातचीत में कर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के तहत देशभर में विशेष टीमें बनाई जाएंगी, जो उच्च मूल्य वाले शीर्ष 10 हजार बकाया मामलों पर नजर रखेंगी।

अधिकारियों ने कहा कि वसूली के लिए टीमें बकायेदारों से जुड़ी संपत्तियों और सुरक्षित संपत्तियों का पता लगाने के लिए सीईआरएसएआइ के बंधक और संपत्ति डाटाबेस का भी उपयोग कर सकती हैं। बीते वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सीबीडीटी ने 8.27 लाख करोड़ रुपये की विवादित कर मांगों से संबंधित 2.24 लाख अपीलों का निपटारा किया। अब लंबित अपीलें घटकर 4.95 लाख हो गई हैं।

फरवरी में पेश किए गए आम बजट में चालू वित्त वर्ष के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य 26.97 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। बीते वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में वार्षिक आधार पर 5.1 प्रतिशत बढ़कर 23.4 लाख करोड़ रुपये रहा है। हालांकि, यह संशोधित अनुमान से लगभग 81,000 करोड़ रुपये कम है।

- अभियान के तहत देशभर में विशेष टीमें बनाई जाएंगी
- यह टीमें शीर्ष-10 हजार बकाया मामलों पर नजर रखेंगी

2047 तक 2.5 करोड़ नौकरियां सृजित कर सकता है खनन क्षेत्र

नई दिल्ली, एएनआइ: निवेश सलाहकार फर्म डेलाइट और आइसीसी ने एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत के खनन क्षेत्र में वर्ष 2047 तक अर्थव्यवस्था में अतिरिक्त 500 अरब डालर का योगदान करने और 2.5 करोड़ तक नई नौकरियां सृजित करने की क्षमता है। हालांकि, इसे हासिल करने के लिए खनन क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाना होगा, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटीग्रेटेड डिजिटल सिस्टम और सस्टेनेबल आपरेशंस पर आधारित हो।

"माइनिंग 5.0 - 2030 तक उभरती माइनिंग टेक्नोलाजीज" शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का खनन उद्योग एक 'संरचनात्मक बदलाव' के दौर से गुजर रहा है। इसका कारण यह है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार, ऊर्जा बदलाव के लक्ष्यों और मैन्यूफैक्चरिंग में बढ़ोतरी के बीच देश में खनिजों की मांग बढ़ रही है।

जन सुरक्षा योजनाओं में अब तक 25,160 करोड़ रुपये के दावों का किया गया निपटान

नई दिल्ली, प्रेट्र: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) जैसी जन सुरक्षा योजनाओं के तहत 2015 में शुरुआत से अब तक करीब 25,160 करोड़ रुपये के दावों का निपटारा किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौ मई 2015 को पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की शुरुआत की थी। इन योजनाओं की 11वीं वर्षगांठ पर वित्त मंत्री ने कहा कि पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई के तहत अब तक क्रमशः 27 करोड़, 58 करोड़ और 9 करोड़ से अधिक नामांकन हो चुकते हैं।

वित्त मंत्री ने बताया कि पीएमजेजेबीवाई के तहत अब तक 10.7 लाख से अधिक परिवारों के लिए 21,500 करोड़ रुपये से अधिक के दावों का निपटारा किया जा चुका है। इसी तरह, पीएमएसबीवाई के तहत 1.84 लाख से अधिक परिवारों के लिए करीब 3,660 करोड़ रुपये के दावों का निपटारा किया गया है। अप्रैल 2025 तक एपीवाई में 7.66 करोड़ नामांकन हो चुके हैं।

योजनाओं की खास बातें

पीएमजेजेबीवाई: इस योजना में 436 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर जीवन कवर दिया जाता है। 18 से 50 वर्ष की आयु के पात्र व्यक्ति बैंकों या डाकघरों के माध्यम से इसमें नामांकन करा सकते हैं। योजना के तहत नामांकित व्यक्ति की मृत्यु होने पर नामिनी को दो लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है।

पीएमएसबीवाई: यह योजना 18 से 70 वर्ष की आयु के व्यक्तियों को प्रति वर्ष 20 रुपये के मामूली प्रीमियम पर आकस्मिक मृत्यु और विकलांगता बीमा प्रदान करती है। योजना के तहत आकस्मिक मृत्यु या पूर्ण विकलांगता के लिए दो लाख रुपये और आंशिक विकलांगता के लिए एक लाख रुपये का भुगतान किया जाता है।

हमारी सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाएं लोगों के जीवन में गरिमा, आश्वासन और आर्थिक सुरक्षा लाने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। 11 वर्ष पहले शुरू की गई प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का जमीनी स्तर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। **-नरेन्द्र मोदी,** प्रधानमंत्री

राष्ट्रीय फलक

संजीव अरोड़ा पर सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने का आरोप

प्रथम पृष्ठ से आगे

आरोप है कि फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी), जीएसटी रिफंड लेने के लिए दिल्ली की गैर-मौजूद फर्मों से फर्जी जीएसटी खरीद बिल हासिल किए गए, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचा। ईडी सूत्रों के मुताबिक, संजीव अरोड़ा की कंपनी हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड और अन्य संस्थाओं के बैंक खाते, डीमैट होल्डिंग्स और अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच की गई हैं। इनमें लुधियाना, मोहाली और गुरुग्राम स्थित संपत्तियां शामिल हैं।

ईडी का दावा है कि मोबाइल खरीद से जुड़े एक्सपोर्ट के नाम पर कथित तौर पर फर्जी लेनदेन किए गए। जांच में सामने आया कि निर्यात के मुकाबले 102.50 करोड़ का लेनदेन केवल यूएई स्थित दो संस्थाओं मेसर्स फोर्टवेल टेलीकाम एफजेडसीओ व मेसर्स ड्रैगन ग्लोबल एफजेडसीओ के माध्यम से हुआ। इनके मालिक हेमंत सूद और चंद्र शेखर बताए गए हैं।

मान बोले, डर का माहौल बनाकर पंजाब में कब्जा करना चाहती भाजपा : मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आरोप लगाया कि ईडी, सीबीआइ, चुनाव आयोग को भाजपा द्वारा हथियारों के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। पहले अशोक मित्तल के घर पर ईडी की रेड हुई, जिसके बाद वे भाजपा में शामिल हो गए थे व रेड खत्म हो गई। अब संजीव अरोड़ा पर तीसरी बार ईडी की रेड करवाई गई है। ...

हैम्पटन रियल्टी ने दी सफाई, कहा- मोबाइल निर्यात पूरी तरह वैध

हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड ने बयान जारी कर मोबाइल फोन निर्यात कारोबार को वैध बताया। कंपनी ने कहा कि मेक इन इंडिया व पीएलआइ योजना के तहत कंपनी ने मई 2023 में मोबाइल फोन निर्यात कारोबार शुरू किया था।

केजरीवाल ने पीएम को बताया औरंगजेब, भाजपा भड़की

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- भाजपा ने कहा, आप नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप बेबुनियाद नहीं
- पीएम नहीं, बल्कि केजरीवाल पंजाब में कर रहे औरंगजेब जैसी कार्रवाई

भाजपा ने पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा के खिलाफ ईडी की छापेमारी के मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तुलना औरंगजेब से करने के लिए शनिवार को अरविंद केजरीवाल पर पलटवार किया। कहा कि आम आदमी (आप) प्रमुख और उनकी पार्टी घबराई हुई हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि पंजाब में उनके गिने-चुने दिन बाकी रह गए हैं। इंटरनेट मीडिया पर केजरीवाल की पोस्ट के बाद भाजपा ने यह प्रतिक्रिया दी है। आप संयोजक केजरीवाल ने अपनी पोस्ट में पीएम की तुलना औरंगजेब से की। लिखा, "मुगल बादशाह की तरह मोदीजी ने देश के विभिन्न हिस्सों पर बेईमानी से कब्जा कर लिया है और अब पंजाब तक पहुंच गए हैं।"

आप मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर केजरीवाल ने कहा कि जैसे ही बंगाल चुनाव खत्म हुए प्रधानमंत्री मोदी ने पंजाब में रोज ईडी की छापेमारी कराना शुरू कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में पीएम मोदी ने पंजाबियों को तरह-तरह से प्रताड़ित किया है। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी की तुलना औरंगजेब से की। कहा कि पंजाब गुरुओं की धरती है। पंजाब ने औरंगजेब को भी जवाब दिया था। औरंगजेब का भी पंजाब कब्जाने का सपना पूरा नहीं हुआ था। पीएम मोदी का भी सपना पंजाबी पूरे नहीं होने देंगे।

केंद्रीय मंत्री किरेण रिजीजू ने केजरीवाल पर तीखा हमला करते हुए उन पर भारतीय राजनीति के मानकों को गिराने का आरोप लगाया। कहा कि उनका "अध्याय समाप्त" हो चुका है। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि केजरीवाल के बयानों का जवाब देना "समय की बर्बादी" होगी।

आप ने पंजाब की अर्थव्यवस्था को कर दिया बर्बाद : राघव चड्ढा

नई दिल्ली, एएनआइ : राज्यसभा सदस्य और भाजपा नेता राघव चड्ढा ने शनिवार को पंजाब के मंत्री संजीव अरोरा के आवास पर ईडी की छापेमारी के बाद आम आदमी पार्टी (आप) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राज्य में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं के साथ ही जनता के भरोसे के साथ विश्वासघात का आरोप लगाया। कहा कि आप ने पंजाब को "रंगला पंजाब" बनाने का वादा किया था, लेकिन इसके बजाय उसने राज्य की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया। इसे "कांगला पंजाब" बना दिया। ईडी की छापेमारी के दौरान बालकनी से 21 लाख रुपये नकद बैग में फेंके जाने व लगभग 100 करोड़ रुपये की धनराशि के गबन की खबरें दिखाती हैं कि यह लोगों द्वारा दिए गए जनादेश का घोर उल्लंघन है।

हरियाणा में विवाह के समय धर्मगुरु दिलाएंगे 'बेटी बचाने' का संकल्प

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

- सरकार ने पंडितों, मौलवियों और पादरियों से मांगा सहयोग

हरियाणा में लिंगानुपात को आदर्श स्थिति में लाने के लिए प्रदेश सरकार ने अब सामाजिक और धार्मिक मोर्चे पर घेराबंदी तेज कर दी है।

सरकार ने विवाह संपन्न कराने वाले पंडितों, पादरियों, मौलवियों और ग्रंथियों से विशेष सहयोग मांगा है। स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. सुमिता मिश्रा ने अपील की है कि धार्मिक गुरु विवाह के समय ही नवविवाहित जोड़ों को कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध और बेटी बचाने का संकल्प दिलाएं, ताकि समाज की मानसिकता में जमीनी बदलाव लाया जा सके।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक में डा. मिश्रा ने स्पष्ट किया कि लिंग चयन से जुड़ी अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और एएनएम को निर्देश दिए हैं कि वे उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की कड़ी निगरानी करें। अधिकारियों ने बताया कि जनवरी से मार्च 2026 के बीच ही 606 गर्भपात मामलों की 'रिवर्स ट्रैकिंग' की गई, जिससे अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने में मदद मिली है।

इन जिलों ने पेश की मिसाल : बैठक में बताया गया कि वर्ष 2015 से शुरू हुए अभियान के सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। अब तक प्रदेश में 60 हजार से अधिक बेटियों को बचाया जा चुका है। इसका प्रदेश के कई जिलों में देखने को मिल रहा है। विशेष रूप से पंचकूला, फतेहाबाद, पानीपत और करनाल जैसे जिलों ने लिंगानुपात सुधारने में बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

सेना भर्ती में ब्लूटूथ डिवाइस से नकल करते 19 अभ्यर्थी पकड़े

जागरण संवाददाता, मेरठ : सेना की चतुर्थ श्रेणी भर्ती में अभ्यर्थियों ने नकल करने के लिए इलेक्ट्रोनिक्स डिवाइस का प्रयोग किया। नकल करते हुए एक महिला समेत 19 अभ्यर्थियों को पकड़ा गया।

शनिवार दोपहर सेना के अधिकारी 18 अभ्यर्थियों को लेकर थाने पहुंचे। उन्होंने बताया कि 510 आर्मी बेस वर्कशाप पर चतुर्थ श्रेणी की भर्ती परीक्षा कराई जा रही थी। परीक्षा के दौरान एक महिला समेत 19 अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर परीक्षकों ने नकल करते हुए पकड़ा है। सात अभ्यर्थी ब्लूटूथ डिवाइस लगाकर नकल कर रहे थे, जबकि दो अभ्यर्थियों के पास मोबाइल फोन था। ये लोग गूगल का प्रयोग कर प्रश्न पत्र हल कर रहे थे। दस अभ्यर्थी उनकी सीट के पास पहुंचकर नकल कर रहे थे। एएसपी नवीना शुक्ला ने बताया कि अभ्यर्थियों ने पूछताछ में बताया कि परीक्षा केंद्र पर कोई तलाशी नहीं ली गई थी। न ही उन्हें बताया गया कि परीक्षा केंद्र में इलेक्ट्रोनिक्स डिवाइस और मोबाइल लाना प्रतिबंधित है। इसलिए घर से मोबाइल और ब्लूटूथ लेकर आ गए।

पर्यटन विभाग के दो और कर्मचारियों से पूछताछ, अब तक 67 के बयान दर्ज

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुर

क्रूज हादसा

- जबलपुर के बरगी बांध में 30 अप्रैल को हुए क्रूज हादसे की जांच जारी
- रोजाना लिए जा रहे प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, नतीजे तक नहीं पहुंची जांच टीम

जबलपुर के बरगी बांध में 30 अप्रैल को हुए हृदय विदारक क्रूज हादसे की जांच जारी है। शनिवार को तीसरे दिन भी प्रशासनिक जांच टीम ने क्रूज हादसे के प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किए। बयान की वीडियोग्राफी कराई जा रही है। पूछताछ में सुरक्षा में कमी और बचाव कार्य में देरी सामने आई। पूछताछ के दौरान जांच टीम में शामिल अधिकारी तो खुलकर कुछ नहीं कह रहे, परंतु प्रत्यक्षदर्शियों से अब तक जो बयान लिए गए उससे स्पष्ट हो गया है कि 13 पर्यटकों की मौत का मुख्य कारण सुरक्षा व्यवस्था में चूक और जिम्मेदारों की लापरवाही रही है। इस मामले में अब तक 67 लोगों के बयान हो चुके हैं। जिसमें हादसे में मृत पर्यटकों के स्वजन, क्रूज में सवार पर्यटक, मैकल रिसार्ट के अधिकारी, कर्मचारी सहित बचाव दल के मजदूर भी शामिल है। हालांकि जांच टीम अभी तक किसी नतीजे तक नहीं पहुंच सकी है।

प्रशासनिक स्तर पर एसडीएम अभिषेक सिंह और तहसीलदार पूर्णिमा सहित जांच टीम में शामिल अधिकारियों व कर्मचारियों की टीम चश्मदीदों के बयान दर्ज कर ही है। बयान और वीडियोग्राफी सहित पूरी जानकारी हर दिन उच्चाधिकारियों को सौंपी जा रही है। इसके आधार पर आगामी जांच की रणनीति बनाई जा रही है।

पुलिस कर रही जांच रिपोर्ट का इंतजार : इधर, मामले में पुलिस की जांच सुस्त पड़ी है। जिला अदालत ने स्वतः संज्ञान लेते हुए दोषियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए थे, परंतु पुलिस का तर्क है कि विभाग से प्रतिवेदन के आधार पर पुलिस कार्रवाई करती है। क्रूज मामले में उच्चस्तरीय जांच समिति जांच कर रही है। पुलिस उसी जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार, 10 मई, 2026 से शनिवार 16 मई, 2026 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ)
कार्य क्षेत्र में सफलता, अर्थसाधन में प्रयास, दिनचर्या व्यस्ततम्, कार्य करने वालों पर सर्तकता, लक्ष्य के प्रति सजगता, माता-पिता का ध्यान रखे, सामाजिक कार्य में यश, भूमि, भवन कार्य में देरी, चयन में सफलता, वाणी पर संयम, प्रणय में सुख, राजनैतिक अपयश, शुभ अंक 4

वृष (इ, ऊ, ए, ओ, पा, वी, वू, वे, वो)
अर्थसाधन में अवरोध, कार्य में सलाह लें, प्रतिस्पर्धा से चिन्ता, महिला से सहयोग, निजी संबंधों में सुधार, अतिविश्वास से बचें, स्व :सम्पत्ति की वृद्वि, सन्तान से सहयोग, मित्रों से सावधान, त्वचा, रक्त विकार योग, दाम्पत्य में सुख, स्थान पद परिवर्तन, आय में सुधार, शुभ अंक 5

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)
विचारों की अधिकता, धनागम में प्रयास, कार्य विस्तार से बचें, परिस्थिति के अनुसार कार्य करें, साधनों की पूर्ति, स्वार्थीजनों से सावधान, निर्माण कार्य में देरी, स्वास्थ्य में सुधार, शत्रुपक्ष प्रभावी, प्रणय में अनबन, भ्रमण योग, धर्म में रुचि, रुके कार्य संपन्न, शुभ अंक 6

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
नये कार्य में सावधानी, धनागम में सुधार, पूंजी निवेश में सावधानी, नकारात्मक विचारों से बचें, महिला से सहयोग, सन्तान से सहयोग, मित्रों से सावधान, जीवनसाथी का मिलन, उन्नति के अवसर, धर्म में रुचि, पद की प्राप्ति, व्यय अधिक, शुभ अंक 7

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
मन की प्रसन्नता, धनागम में प्रयास, कार्य विस्तार से बचें, विदेश कार्य में देरी, पारिवारिक सहयोग, कल्पना, अतिविश्वास से बचें, निर्माण कार्य में देरी, सन्तान से अनबन, शत्रुपक्ष प्रभावी, ससुराल से सहयोग, चुनाव में विजय, व्यय अधिक, शुभ अंक 8

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कला, संगीत के प्रति रुचि, अर्थसाधन में प्रयास, नकरात्मक कार्य करने वालों से सावधान, कार्य क्षेत्र में अनुभव और युक्ति, निर्माण साजसज्जा का योग, सन्तान से चिन्ता, वायु विकार, रक्त विकार प्रभावी, प्रणय में सुख, कार्य में विजय, चिन्ता का समाधान, व्यय अधिक, शुभ अंक 9

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
कार्य में सफलता, अर्थसाधन में सुधार, पूंजी निवेश में सावधानी, समाज में यश, भूमि, भवन कार्य में देरी, विदेश कार्य में अवरोध, मानसिक चिन्ता, शिक्षा में रुचि, मित्रों से सावधान, प्रणय में सुख, स्थान पद परिवर्तन, व्यय अधिक, शुभ अंक 1

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)
कार्य में सहयोग से सफलता, धनागम में प्रगति, कार्य क्षेत्र में विस्तार से बचें, महिला से सहयोग, अतिविश्वास से बचें, निजी संबंधों में सुधार, वाहन, आभूषण योग, सन्तान का सहयोग, चयन में देरी, मित्रों से सहयोग, शत्रुपक्ष प्रभावी, दाम्पत्य में सुख, त्वचा, शुभ अंक 2

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
कार्य में प्रयास से सफलता, अर्थसाधन अच्छा, प्रतिस्पर्धा से तनाव, विदेश कार्य में प्रयास, चिन्ता का समाधान, स्वार्थीजनों से बचें, भवन साजसज्जा का योग, सन्तान की प्रगति, कुसंग से बचें, भ्रमण योग, विजय कर प्राप्ति, व्यय पर नियन्त्रण, शुभ अंक 4

मकर (भो, जा, ज, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
कार्य में सफलता, अर्थसाधन अच्छा, निर्णय सलाह से करें, साझेदारी में सावधानी, पारिवारिक चिन्ता, समाज में यश, स्व :सम्पत्ति की वृद्धि, चयन में देरी, शिक्षा में रुचि, वायु विकार, रक्त विकार प्रभावी, जीवनसाथी का मिलन, व्यय अधिक, शुभ अंक 5

कुम्भ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सा, दा)
धन के आवागमन में सावधानी, कार्य में प्रगति, धनागम में सुधार, विदेश कार्य में अवरोध, निजी संबंधों में सुधार, निजी मतभेद, अतिविश्वास से बचें, शिक्षा में रुचि, शत्रुपक्ष परास्त, दाम्पत्य में सुख, रुके कार्य संपन्न, व्यय अधिक, शुभ अंक 6

मीन (दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची)
पूंजी निवेश में सलाह लें, अर्थसाधन में सुधार, कार्य में सफलता, चिन्ता का समाधान, वाहन, आभूषण योग, राजनैतिक जनसहयोग, शिक्षा में अवरोध, मित्रों से सहयोग, दाम्पत्य में सुख, भ्रमण, मनोरंजन योग, राजनैतिक अपयश, शुभ अंक 7

12 लोगों की मौत दक्षिणी लेबनान में इजराइली हवाई हमलों में हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, साकसाकियेह इलाके में एक रिहायशी इमारत को निशाना बनाया गया। इस इमारत में कई विस्थापित परिवार रह रहे थे।

अगले हफ्ते पाक में आमने-सामने हो सकते हैं अमेरिका- ईरान

बातचीत का रोडमैप ▶ 14 सूत्रीय अमेरिकी शांति प्रस्ताव पर जारी है तेहरान में मंथन

आइआरजीसी से जुड़ाव के आरोप में बहरीन में 41 गिरफ्तार, ईरान ने चेताया

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

प्रतीकात्मक

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच अगले हफ्ते पाकिस्तान में नई वार्ता हो सकती है। एएनआइ ने वाल स्ट्रीट जर्नल के हवाले से बताया कि दोनों देश इस्लामाबाद में संभावित बैठक के जरिए अमेरिकी शांति प्रस्ताव पर चर्चा और आगे की बातचीत का रोडमैप तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं।

रिपोर्ट में मामले से जुड़े सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि अमेरिका ने ईरान को युद्ध समाप्त करने के लिए एक पेज का 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा है, जिसे 'मेमोरैंडम आफ अंडरस्टैंडिंग' के तौर पर देखा जा रहा है। प्रस्ताव में ईरान के परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज स्ट्रेट में तनाव कम करने, क्षेत्रीय संघर्षों पर नियंत्रण और उच्च संवर्धित यूरेनियम भंडार को किसी तीसरे देश में स्थानांतरित करने जैसे मुद्दे शामिल हैं।

हालांकि, दोनों पक्षों के बीच कई अहम मुद्दों पर अब भी सहमति नहीं बन सकी है। खासतौर पर ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत को लेकर गतिरोध कायम है। रिपोर्ट के अनुसार, यही मुद्दा बातचीत को सबसे ज्यादा जटिल बना रहा है और वार्ता की गति धीमी पड़ सकती है।

अल जजीरा के मुताबिक, ईरान ने कहा है कि अमेरिकी प्रस्ताव की समीक्षा अभी जारी है और उचित समय पर इसका जवाब दिया जाएगा। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका की ओर से तय की गई किसी समयसीमा का तेहरान पर कोई दबाव नहीं है। उन्होंने कहा कि ईरान प्रस्ताव के हर पहलू की तकनीकी और राजनीतिक स्तर पर विस्तृत समीक्षा कर रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्ताव की जटिल प्रकृति के कारण ईरानी वार्ताकार दस्तावेज के हर प्रविधान की बारीकी से जांच कर रहे हैं। अंतिम जवाब देने से पहले संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गलीबाफ, रिवोल्यूशनरी गार्ड (आइआरजीसी), सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद और अन्य वरिष्ठ संस्थानों से भी राय ली जा रही है। अंततः इसे ईरान के सर्वोच्च नेता की मंजूरी मिलना भी जरूरी होगा।

न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वाशिंगटन को जल्द ही ईरान की ओर से जवाब मिलने की उम्मीद है। जब उनसे पूछा गया कि क्या ईरान जानबूझकर बातचीत को लंबा खींच रहा है, तो ट्रंप ने कहा कि इसका पता जल्द चल जाएगा।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी माना कि ईरान की आंतरिक स्थिति फिलहाल काफी बिखरी हुई है। उन्होंने कहा कि सत्ता तंत्र के भीतर गुटबाजी और अव्यवस्था के कारण निर्णय प्रक्रिया प्रभावित हो रही है, जिससे जवाब आने में देरी हो सकती है।

हाल के ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद खाड़ी देशों में भी सुरक्षा सतर्कता बढ़ा दी गई है। इस बीच बहरीन ने दावा किया है कि उसने ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड से जुड़ाव रखने के आरोप में 41 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस पर ईरानी संसद के राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने बहरीन को चेतावनी दी है कि अमेरिका की शह पर बहरीन के कार्रवाई करने के गंभीर परिणाम होंगे। होर्मुज आपके लिए भी बहुत जरूरी है, इसे हमेशा के लिए बंद किए जाने का जोखिम न उठाएं।

होर्मुज के पास मालवाहक जहाज में आग, एक भारतीय नाविक की मौत

प्रेट्र के अनुसार, होर्मुज स्ट्रेट के पास शुक्रवार को एक छोटे मालवाहक जहाज में आग लगने से एक भारतीय नाविक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य झुलस गए। जहाज पर कुल 18 भारतीय सवार थे। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब अमेरिका-ईरान ने होर्मुज क्षेत्र में मिसाइल और ड्रोन से एक दूसरे पर हमले किए। जहाज में आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। बताया गया है कि जहाज सामान्य कार्गो सामान लेकर जा रहा था। दुबई स्थित भारतीय कौंसुलेट के अनुसार, 17 लोगों को सुरक्षित बचाकर दुबई लाया गया है और घायलों का इलाज जारी है। कौंसुलेट अधिकारियों ने बचाए गए नाविकों से मुलाकात की है तथा जहाज मालिक के संपर्क में भी हैं। भारतीय कौंसुलेट ने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में कहा कि प्रभावित नाविकों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही मृतक भारतीय नाविक के प्रति शोक संवेदना भी व्यक्त की गई।

होर्मुज स्ट्रेट में 24 घंटे तक ठप रहा समुद्र का यातायात

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- अमेरिका-ईरान के बीच गोलाबारी के चलते जहाजों ने जोखिम नहीं उठाया
- शनिवार को कतर का टैंकर होर्मुज स्ट्रेट की ओर बढ़ता नजर आया

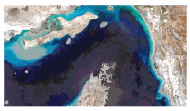

होर्मुज स्ट्रेट। फाइल

अमेरिका और ईरान के बीच गुरुवार रात मिसाइलों और ड्रोन हमलों के चलते होर्मुज स्ट्रेट में तनाव चरम पर पहुंच गया, जिसके चलते किसी भी देश के जहाज ने जोखिम उठाकर होर्मुज पार करना उचित नहीं समझा। इसके चलते होर्मुज से 24 घंटे तक एक भी जहाज नहीं निकल सका। मरीन ट्रैफिक के आंकड़ों का हवाला देते हुए रशिया टुडे की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका-ईरान युद्ध शुरू होने से पहले इस अहम समुद्री मार्ग से रोज औसतन 130 से अधिक जहाज गुजरते थे।

रायटर के अनुसार, शनिवार को कतर का एलएनजी टैंकर 'अल खरैतियात' होर्मुज स्ट्रेट की ओर बढ़ता दिखाई दिया। एलएसईजी शिपिंग डाटा के अनुसार, यह जहाज कतर के रास लाफान बंदरगाह से पाकिस्तान के पोर्ट कासिम के लिए रवाना हुआ है। अगर यह टैंकर सुरक्षित रूप से होर्मुज पार कर लेता है, तो ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद यह कतर के एलएनजी टैंकर का पहला सफल ट्रांजिट होगा। हालांकि, कतर एनर्जी की ओर से इस पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। खाड़ी देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान के खिलाफ सख्त प्रस्ताव को लेकर दबाव बढ़ा दिया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, कतर, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत और अमेरिका मिलकर एक मसौदा प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं, जिसमें ईरान पर नए प्रतिबंध लगाने और अन्य दंडात्मक कदम उठाने की बात कही गई है। प्रस्ताव में मांग की गई है कि ईरान होर्मुज में जहाजों पर हमले तुरंत रोके, कथित अवैध टोल वसूली बंद करे और समुद्री मार्ग में बिछाई गई सभी बारूदी सुरंगों की जानकारी साझा करे ताकि नौवहन पूरी तरह बहाल किया जा सके।

जयशंकर और त्रिनिदाद की पीएम ने द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने पर की चर्चा

जयशंकर। फाइल

पोर्ट आफ स्पेन, प्रेट्र : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के साथ मुलाकात की और द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा की। जयशंकर शुक्रवार को पोर्ट आफ स्पेन पहुंचे।

यह जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद और टोबैगो की उनकी तीन राष्ट्रों की यात्रा का अंतिम चरण है, जिसका उद्देश्य कैरिबियाई देशों के साथ भारत के जुड़ाव को और गहरा करना है।

जयशंकर ने शुक्रवार को इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट में कहा- " आज शाम पीएम कमला प्रसाद बिसेसर और उनके कैबिनेट सहयोगियों के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा के लिए बैठे।" उन्होंने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले वर्ष किए गए वादों को पूरा करते हुए हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग में नए विचारों और पहलों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने पर्यटन, सौर ऊर्जा और आयुर्वेद चेयर की स्थापना पर समझौते भी हुए। जयशंकर ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और क्रिकेट संबंधों की सराहना की। इससे पहले दिन में जयशंकर और कमला प्रसाद बिसेसर ने स्कूल के बच्चों को मेड इन इंडिया लैपटाप वितरित करने के कार्यक्रम में भाग लिया।

चार माह नाकेबंदी झेल सकता है ईरान : सीआइए

- अमेरिकी खुफिया एजेंसी का दावा, अमेरिकी नाकेबंदी ईरान को समर्पण के लिए बाध्य नहीं कर सकती
- वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में दावा- ट्रंप के आकलन से अलग है अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की राय

यूएसएस अब्राहम लिंकन। फाइल

वाशिंगटन, रायटर: होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी के बावजूद ईरान जल्द झुकने वाला नहीं है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआइए के एक गोपनीय आकलन में कहा गया है कि ईरान कम से कम तीन से चार महीने तक अमेरिकी दबाव और आर्थिक नाकेबंदी का सामना कर सकता है। यह आकलन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे से अलग माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि तेल निर्यात रुकने के बाद ईरान जल्दी ही समर्पण के लिए मजबूर हो जाएगा।

वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सीआइए और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की हालिया रिपोर्ट व्हाइट हाउस को सौंपी गई है। इसमें कहा गया है कि ईरान पर आर्थिक दबाव जरूर बढ़ रहा है, लेकिन उसकी सैन्य और रणनीतिक क्षमता अब भी काफी हद तक बरकरार है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के पास युद्ध से पहले मौजूद मोबाइल मिसाइल लांचरों का लगभग 75 प्रतिशत और मिसाइल भंडार का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा अब भी सुरक्षित है।

सीआइए के इस आकलन ने ट्रंप प्रशासन के उस दावे पर भी सवाल खड़े किए हैं, जिसमें कहा गया था कि नाकेबंदी के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था तेजी से टूट रही है। ट्रंप ने 13 अप्रैल को होर्मुज स्ट्रेट के बाहर नौसैनिक नाकेबंदी लागू करते हुए कहा था कि ईरान के तेल डिपो तेजी से भर रहे हैं और अगर उसने उत्पादन कम नहीं किया तो उसकी तेल पाइपलाइन और कुओं पर गंभीर असर पड़ सकता है। हालांकि, अमेरिकी खुफिया अधिकारियों का कहना है कि ईरान ने इस संकट से निपटने के लिए वैकल्पिक रणनीति अपनाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, तेहरान अपने अतिरिक्त तेल को समुद्र में खड़े टैंकरों में स्टोर कर रहा है और तेल उत्पादन की रफ्तार नियंत्रित कर कुओं को नुकसान से बचाने की कोशिश कर रहा है।

वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, कुछ अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि ईरान की वास्तविक सहन क्षमता सीआइए के अनुमान से भी ज्यादा हो सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ईरानी नेतृत्व अब पहले की तुलना में ज्यादा कट्टर, संगठित और लंबे संघर्ष के लिए तैयार दिखाई दे रहा है।

इजरायली सैन्य खुफिया के पूर्व अधिकारी डैनी सिट्रिनोविज ने भी कहा कि केवल आर्थिक नाकेबंदी से ईरान को झुकाना आसान नहीं होगा।

उनके मुताबिक, तेहरान को लगता है कि वह अमेरिकी राजनीतिक इच्छाशक्ति से ज्यादा समय तक टिक सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि युद्ध का मौजूदा स्वरूप अंततः रणनीतिक रूप से अमेरिका और इजरायल के लिए उल्टा भी पड़ सकता है।

ट्रंप को उम्मीद, रूस-यूक्रेन के बीच तीन दिवसीय युद्धविराम आगे बढ़ेगा

मास्को, रायटर : रूस और यूक्रेन ने शुक्रवार को पुष्टि की कि वे अमेरिका की मध्यस्थता से तीन दिवसीय युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। यह 11 मई तक चलेगा। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आशा व्यक्त की है कि इसे आगे बढ़ाया जाएगा।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर अस्थायी युद्धविराम की घोषणा करते हुए कहा कि दोनों देश 1,000 युद्धबंदियों की अदला-बदली करेंगे। ट्रंप ने शुक्रवार शाम को पत्रकारों से कहा, "मैं युद्धविराम को आगे बढ़ते देखना चाहूंगा। ऐसा संभव है।" कीव और मास्को दोनों ने एक-दूसरे पर इस सप्ताह अलग-अलग घोषित युद्धविरामों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने में प्रगति न होने से डोनाल्ड ट्रंप लगातार निराश होते जा रहे हैं और लड़ाई में विराम से अमेरिकी राष्ट्रपति को थोड़ी राहत मिली है, क्योंकि ईरान के खिलाफ इजरायल के साथ उनके युद्ध ने उनकी घरेलू लोकप्रियता को काफी नुकसान पहुंचाया है।

ईरान के सुप्रीम लीडर की सेहत पर सवाल, पर पर्दे के पीछे से संभाल रहे जंग की कमान

- अमेरिकी मीडिया का दावा- गंभीर रूप से घायल हैं मोजतबा, लोकेशन का भी पता नहीं

मोजतबा खामेनेई।

सुप्रीम लीडर के कार्यालय ने कहा- मोजतबा स्वस्थ हैं, सही समय पर खुद सामने आएंगे

वाशिंगटन, एएनआइ: पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच ईरान की सत्ता के केंद्र में अब एक ऐसा चेहरा है, जो सामने कम और परदे के पीछे ज्यादा दिखाई दे रहा है। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को लेकर अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के आकलन और मीडिया रिपोर्टों ने तेहरान की आंतरिक स्थिति को लेकर नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है।

अमेरिकी मीडिया नेटवर्क सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, मोजतबा खामेनेई इस समय युद्ध और अमेरिका के साथ संभावित समझौते की रणनीति तय करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, उनकी सेहत, गतिविधियों और वास्तविक नियंत्रण क्षमता को लेकर अब भी रहस्य बना हुआ है। बताया जा रहा है कि संघर्ष की शुरुआत में हुए उस बड़े हमले के बाद से मोजतबा सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं, जिसमें उनके पिता और पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मारे गए थे। उसी हमले में मोजतबा के घायल होने की भी खबरें सामने आई थीं। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का दावा है कि नेतृत्व संभालने के बाद से मोजतबा खामेनेई की लोकेशन की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। रिपोर्ट के अनुसार, वह इलेक्ट्रानिक संचार से पूरी तरह बच रहे हैं और भरोसेमंद दूतों तथा सीमित आमने-सामने बैठकों के जरिए निर्देश दे रहे हैं।

सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि मोजतबा गंभीर चोटों से उबर रहे हैं। उनके शरीर के एक हिस्से, चेहरे, हाथ, धड़ और पैर पर जलने और छर्रे लगने की चोटें बताई जा रही हैं। यही वजह है कि ईरानी सत्ता प्रतिष्ठान के भीतर उनकी सक्रियता और नियंत्रण को लेकर अटकलें तेज हैं। हालांकि, तेहरान ने इन दावों को खारिज किया है। सुप्रीम लीडर कार्यालय के प्रोटोकाल प्रमुख मजाहेर हुसैनी ने कहा कि मोजतबा खामेनेई स्वस्थ हैं और तेजी से सामान्य हो रहे हैं। उन्होंने माना कि हमले में उन्हें पैर और पीठ के निचले हिस्से में चोटें आई थीं तथा कान के पीछे छर्रे का एक टुकड़ा लगा था, लेकिन अब स्थिति नियंत्रण में है। हुसैनी ने समर्थकों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि दुश्मन अफवाहें फैला रहा है और सही समय आने पर मोजतबा खुद सार्वजनिक रूप से सामने आएंगे। उधर, अमेरिका का मानना है कि हालिया बमबारी के बाद ईरान को सैन्य और प्रशासनिक स्तर पर झटका जरूर लगा है, लेकिन उसकी क्षमता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। तेहरान जरूरत पड़ने पर लंबे समय तक दबाव और नाकेबंदी झेल सकता है।

अमेरिका ने वेनेजुएला से अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम को हटाया

13.5 किलोग्राम परमाणु सामग्री अमेरिका पहुंची, दक्षिण अमेरिका में न्यूक्लियर खतरा घटाने का दावा

वाशिंगटन, एएनआइ : अमेरिकी ऊर्जा विभाग की नेशनल न्यूक्लियर सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन (एनएनएसए) ने वेनेजुएला के एक पुराने रिसर्च रिएक्टर से बचा हुआ अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम सफलतापूर्वक हटाने का दावा किया है।

अमेरिका ने इसे दक्षिण अमेरिका और अमेरिकी मातृभूमि के लिए परमाणु सुरक्षा जोखिम कम करने की दिशा में बड़ा कदम बताया है।यह आपरेशन अमेरिका, वेनेजुएला, ब्रिटेन और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आइएईए) ने मिलकर किया। यूस डिपार्टमेंट आफ एनर्जी के मुताबिक यूरेनियम को जमीन और समुद्र के रास्ते अमेरिका पहुंचाया गया। इसे अब साउथ कैरोलाइना के सवाना रिवर परमाणु साइट में प्रोसेस किया जाएगा। एजेंसी ने बताया कि वेनेजुएला के आरवी-1 रिसर्च रिएक्टर में 1991 में अनुसंधान गतिविधियां बंद होने के बाद भी 20 प्रतिशत से अधिक संवर्धित यूरेनियम बचा हुआ था।

छह सप्ताह में पूरा हुआ अभियान: विशेषज्ञों ने शुरुआती निरीक्षण के छह सप्ताह के भीतर ही 13.5 किलोग्राम यूरेनियम हटाने का काम पूरा कर लिया। यह खेप मई की शुरुआत में अमेरिका पहुंची, जहां इसे सवाना रिवर साइट में प्रोसेसिंग और पुनः उपयोग के लिए भेजा गया। एनएनएसए प्रशासक ब्रैंडन विलियम्स ने कहा कि वेनेजुएला से सभी संवर्धित यूरेनियम का सुरक्षित हटाया जाना दुनिया को एक नए और पुनर्जीवित वेनेजुएला का संकेत देता है।

उन्होंने इस सफलता का श्रेय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के निर्णायक नेतृत्व को दिया और कहा कि जो काम सामान्य परिस्थितियों में वर्षों लेता, वह कुछ महीनों में पूरा हो गया। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आइएईए) ने भी आपरेशन की पुष्टि की। एजेंसी ने कहा कि यह जटिल और संवेदनशील आपरेशन था।

एच1बी वीजा के नियमों में बदलाव की तैयारी, भारतीय पेशेवरों की बढ़ सकती हैं चुनौतियां

- श्रम विभाग ने एच1बी वीजा धारकों के न्यूनतम वेतन में 30 फीसद तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव पेश किया
- इस प्रस्ताव पर 26 मई तक आम जनता की राय मांगी गई है, जिसके बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा

2 दशक बाद वेतन ढांचे में हो सकता है बदलाव, छोटी कंपनियों एवं फ्रेशर्स के लिए बढ़ सकती है चुनौती

- 2025 में एच1बी उम्मीदवारों पर एक लाख डालर का शुल्क लगाया गया था

प्रतीकात्मक

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका में नौकरी करने का सपना देखने वाले भारतीय पेशेवरों के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अमेरिकी श्रम विभाग ने एच1बी वीजा धारकों के न्यूनतम वेतन में 30 प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी का प्रस्ताव पेश किया है। प्रशासन का तर्क है कि यह कदम अमेरिकी नागरिकों के रोजगार और उनके वेतन हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है, ताकि विदेशी कामगार कम वेतन पर उनकी जगह न ले सकें।

श्रम विभाग के अनुसार, मौजूदा वेतन स्तर लगभग 20 साल पहले तय किए गए थे, जो आज के समय में प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। नए प्रस्ताव 'इम्प्रूविंग वेज प्रोटेक्शन' के तहत एंट्री-लेवल से लेकर अनुभवी पेशेवरों तक, सभी चार श्रेणियों के वेतन में वृद्धि की जाएगी। जहां पहले एंट्री-लेवल (लेवल-1) के लिए न्यूनतम वेतन 73,279 डालर था, उसे बढ़ाकर 97,746 डालर करने का प्रस्ताव है। इसी तरह, सबसे अनुभवी पेशेवरों (लेवल-4) का वेतन 1,44,202 डालर से बढ़कर 1,75,464 डालर हो सकता है। यह बदलाव न केवल एच1बी बल्कि एच1बी1, ई-3 और प्रोग्राम इलेक्ट्रानिक रिव्यू मैनेजमेंट (पीईआरएम) जैसे प्रोग्राम्स पर भी लागू होगा। इस प्रस्ताव ने उद्योग जगत में एक नई बहस छेड़ दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि वेतन में इस भारी बढ़ोतरी से छोटी कंपनियों के लिए विदेशी प्रतिभाओं, खासकर फ्रेशर्स को नियुक्त करना बेहद मुश्किल हो जाएगा। इस प्रस्ताव पर 26 मई तक आम जनता की राय मांगी गई है, जिसके बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। गौरतलब है कि 2020 में भी ट्रंप प्रशासन ने बिना किसी पूर्व सूचना के ऐसे बदलाव की कोशिश की थी, जिसे कानूनी चुनौतियों के कारण रोकना पड़ा था। सितंबर 2025 में एक राष्ट्रपति आदेश के जरिये एच1बी उम्मीदवारों पर एक लाख डालर का शुल्क भी लगाया गया था। अब वेतन वृद्धि का यह नया प्रस्ताव विदेशी पेशेवरों के लिए अमेरिका की राह को और भी चुनौतीपूर्ण बनाने वाला साबित हो सकता है।

क्वांटम, परमाणु व एआइ भारत-अमेरिका सहयोग के अगले महत्वपूर्ण क्षेत्र: क्वात्रा

- लघु व माड्यूलर रिएक्टरों को सहयोग के क्षेत्र के रूप में सूचीबद्ध किया

विनय मोहन क्वात्रा। फाइल

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि क्वांटम प्रौद्योगिकी, एआइ और परमाणु विज्ञान भारत और अमेरिका के बीच सहयोग के आगामी प्रमुख क्षेत्रों में शामिल हैं।

यहां शुक्रवार को आयोजित यूएस-इंडिया एआइ एंड इमर्जिंग टेक्नोलाजी फोरम में उन्होंने दुनिया भर में नागरिक परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में उपयोग की जाने वाली पारंपरिक विखंडन प्रौद्योगिकियों के अलावा, परमाणु संलयन को दोनों देशों के बीच सहयोग के एक क्षेत्र के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत "एआइ के लोकतंत्रीकरण" के लिए प्रयासरत है और साथ ही अमेरिका के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग का विस्तार कर रहा है। भारत और अमेरिका फ्रांस के कैडाराचे के पास एक फ्यूजन रिएक्टर बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय परमाणु संलयन अनुसंधान प्रयोग का हिस्सा हैं। इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर के सदस्य यूरोपीय संघ और अमेरिका, रूस, भारत और चीन सहित आठ देश हैं। भारतीय राजदूत ने लघु और माड्यूलर रिएक्टरों को भी दोनों देशों के बीच सहयोग के एक क्षेत्र के रूप में सूचीबद्ध किया। अमेरिकी परमाणु कंपनियों का एक प्रतिनिधिमंडल इस महीने के अंत में भारत का दौरा करने वाला है, ताकि सहयोग के क्षेत्रों का पता लगाया जा सके। यह दौरा पिछले साल नई दिल्ली द्वारा नागरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने के बाद संभव हुआ है।

अमेरिका में एक भारतीय-अमेरिकी की नागरिकता रद करने की चल रही कार्यवाही

न्यूयार्क, प्रेट्र : भारतीय-अमेरिकी देबाशीष घोष के खिलाफ नागरिकता रद करने की कार्यवाही शुरू की गई है। यह सामने आया है कि उन्होंने निवेशकों से 25 लाख अमेरिकी डालर की धोखाधड़ी की साजिश रची थी। घोष के खिलाफ दायर नागरिकता रद करने की शिकायत में आरोप है कि जिस अवधि में उन्हें कानूनन अच्छे नैतिक चरित्र का प्रदर्शन करना आवश्यक था, उस दौरान उन्होंने नैतिक पतन से संबंधित अपराध किया।

देबाशीष घोष ने 1991 से कई बार अलग-अलग गैर-आप्रवासी वीजा पर अमेरिका में प्रवेश किया और 2012 में अमेरिकी नागरिक बन गए। घोष उन 12 व्यक्तियों में शामिल हैं, जिनके खिलाफ विभिन्न जिला न्यायालयों में नागरिकता रद करने की कार्यवाही शुरू की है। इन व्यक्तियों पर आतंकी समूह को सामग्री सहायता प्रदान करने का आरोप है।

हंटावायरस संकट बढ़ा, स्पेन और दूरदराज द्वीप तक पहुंचे संदिग्ध मामले

- क्रूज शिप से जुड़े संक्रमण पर दुनिया अलर्ट, डब्ल्यूएचओ बोला, यह कोविड की तरह नहीं फैलता

प्रतीकात्मक

एम्स्टर्डम, रायटर : डच क्रूज शिप एमवी होंडियस से शुरू हुआ हंटावायरस संक्रमण अब यूरोप और दक्षिण अटलांटिक के दूरदराज इलाकों तक पहुंच गया है। स्पेन और ब्रिटेन के अधीन ट्रिस्टन दा कुन्हा द्वीप पर दो नए संदिग्ध मामले मिलने के बाद दुनिया भर की स्वास्थ्य एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने दोहराया है कि आम लोगों के लिए खतरा फिलहाल बहुत कम है और यह वायरस कोविड-19 की तरह तेजी से नहीं फैलता।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, अब तक जहाज से जुड़े आठ लोग बीमार पड़े हैं, जिनमें छह मामलों में एंडीज स्ट्रेन हंटावायरस की पुष्टि हो चुकी है। चार संक्रमित मरीज अब भी दक्षिण अफ्रीका, नीदरलैंड्स और स्विट्जरलैंड के अस्पतालों में भर्ती हैं।

जहाज पर नहीं मिले नए लक्षण: एमवी होंडियस फिलहाल स्पेन के कैनरी आइलैंड्स के टेनेरिफ की ओर बढ़ रहा है, जहां इसके आज पहुंचने की उम्मीद है। डब्ल्यूएचओ महानिदेशक खुद स्पेन पहुंचे हैं और स्पेन की स्वास्थ्य मंत्री तथा गृह मंत्री के साथ यात्रियों को सुरक्षित उतारने की प्रक्रिया की निगरानी करेंगे।

सख्त प्रोटोकाल के बीच उतारे जाएंगे यात्री : स्पेन ने यात्रियों को उतारने के लिए विशेष तैयारी की है। यात्रियों और चालक दल को छोटे बोट के जरिए पूरी तरह अलग-थलग क्षेत्र में ले जाया जाएगा और फिर सुरक्षा घेरे वाले वाहनों से एयरपोर्ट पहुंचाया जाएगा। यात्रियों को केवल जरूरी सामान, मोबाइल फोन, चार्जर और दस्तावेज साथ ले जाने की अनुमति होगी। स्पेन बिना लक्षण वाले यात्रियों को छह सप्ताह के होम क्वारंटीन में रखेगा।

राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस पर व्हाइट हाउस में गूंजे वैदिक मंत्र

- हिंदू शांति पाठ से व्हाइट हाउस में मंत्रमुग्ध हुआ माहौल

वाशिंगटन, प्रेट्र : दुनिया की सबसे ताकतवर इमारतों में गिने जाने वाले व्हाइट हाउस में गुरुवार को वैदिक मंत्रों की गूंज सुनाई दी। अमेरिका के राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस के अवसर पर हिंदू परंपरा के अनुसार शांति पाठ किया गया, जिससे पूरा माहौल आध्यात्मिक ऊर्जा और सनातन संस्कृति की ध्वनि से भर उठा।

न्यू जर्सी स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था के एक स्वयंसेवक ने व्हाइट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया और यजुर्वेद के शांति पाठ का उच्चारण किया। वैदिक मंत्रों में आकाश, पृथ्वी, जल, वनस्पतियों, देवताओं और सम्पूर्ण सृष्टि में शांति की कामना की गई।

प्रति वर्ष मई के पहले गुरुवार को मनाया जाता है : अमेरिका में राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस हर वर्ष मई के पहले गुरुवार को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 1952 में अमेरिकी कांग्रेस द्वारा पारित कानून के तहत हुई थी। इस वर्ष अमेरिका के सभी 50 राज्यों और वाशिंगटन डीसी में हजारों प्रार्थना सभाएं आयोजित की गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस अवसर पर संदेश जारी करते हुए कहा कि अमेरिका की पहचान आस्था, प्रार्थना और ईश्वर में विश्वास से जुड़ी रही है। व्हाइट हाउस में वैदिक मंत्रों की यह गूंज एक बार फिर दुनिया को यह संदेश दे गई कि सनातन संस्कृति केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि अब वैश्विक मंचों पर भी सम्मान और स्वीकार्यता के साथ स्थापित हो रही है।

कनाडा में दंपती की हत्या में भारतीय मूल के तीन युवक दोषी करार

एबाट्सफोर्ड, प्रेट्र : कनाडा की एक अदालत ने एबॉट्सफोर्ड में एक दंपती की हत्या के मामले में भारतीय मूल के तीन व्यक्तियों को प्रथम श्रेणी हत्या का दोषी पाया है। अर्नोल्ड और जोआन डी जोंग मई 2022 में अपने घर में मृत पाए गए थे। ब्रिटिश कोलंबिया सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश ब्रेंडा ब्राउन ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि गुरकरण सिंह, अभिजीत सिंह और खुशवीर तूर ने दंपती की हत्या में भूमिका निभाई थी।

न्यायाधीश ने कहा कि हत्याएं आर्थिक लालच से प्रेरित थीं और बचाव पक्ष के इस तर्क को खारिज कर दिया कि ये मौतें लूटपाट की असफल कोशिश का परिणाम थीं। अभियोजन पक्ष ने बताया कि तीनों व्यक्तियों ने दंपती को लूटने और उनकी हत्या करने की योजना बनाई थी और उन्होंने घर से क्रेडिट कार्ड, चेक और एक पावर वाशर चुरा लिया था।

बल्लेबाज	रन
हेनरिक क्लासिन	494
अभिषेक शर्मा	475
केएल राहुल	468

गेंदबाज	विकेट
कैगिसो रबादा	18
भुवनेश्वर कुमार	17
अंशुल कंबोज	17

'रीलबाज' खिलाड़ियों पर सख्त हुई आइपीएल टीमें, होगी निगरानी

अभिषेक त्रिपाठी • जागरण

नई दिल्ली: आइपीएल के रोमांच के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) खिलाड़ियों की गतिविधियों पर भी सख्ती बरतने की तैयारी में है। बीसीसीआइ की नई गाइडलाइंस के बाद खासतौर पर रीलबाज खिलाड़ियों को लेकर आइपीएल की टीमों ने सख्ती करना शुरू कर दिया है। अब टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ी अपनी निजी रील या वीडियो बनाकर तुरंत इंटरनेट मीडिया पर साझा नहीं कर सकेंगे। यदि कोई खिलाड़ी ऐसा कंटेंट तैयार करता भी है तो उसे आइपीएल समाप्त होने के बाद ही पोस्ट करने की अनुमति होगी। अब आइपीएल टीमों के इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर ही रील और वीडियो जारी होंगे। हाल ही में पंजाब किंग्स के एक वीडियो में युजवेंद्र सिंह चहल का वेपिंग करते हुए वीडियो सामने आ गया था। इसके अलावा गर्लफ्रेंड संस्कृति पर पहले ही लगाम कसने की तैयारी की जा चुकी है। भविष्य में हनी ट्रैप और फिक्सिंग जैसे मामले सामने न आए इसके लिए बोर्ड ने आइपीएल टीम को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

टीमों ने बैठक कर खिलाड़ियों को चेताया, अब आइपीएल टीमों के इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर ही जारी होंगे वीडियो

रील बनाते चहल और अर्शदीप • वीडियो ग्रैब

पिछले कुछ वर्षों में कई खिलाड़ी मैच से पहले या मुकाबले के बाद रील और वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट करते रहे हैं। इससे उनकी लोकप्रियता में बढ़ोतरी होती है और प्रशंसकों के साथ जुड़ाव भी मजबूत होता है। हालांकि, बीसीसीआइ का मानना है कि इस तरह की गतिविधियां टीम की गोपनीयता और सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती हैं। इसी कारण बोर्ड ने फ्रेंचाइजियों को सख्त निगरानी रखने और खिलाड़ियों को नए नियमों की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली कैपिटल्स ने अपने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को पहले ही इंटरनेट मीडिया गतिविधियों से जुड़े नियम समझा दिए हैं। वहीं, पंजाब किंग्स ने शनिवार शाम धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में अभ्यास सत्र के बाद खिलाड़ियों के साथ विशेष बैठक की। इस दौरान खिलाड़ियों को बीसीसीआइ के नए दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई और नियमों के पालन की पुष्टि करते हुए उनसे हस्ताक्षर भी कराए गए। टीम प्रबंधन ने साफ कर दिया कि अब खिलाड़ियों से जुड़े सभी वीडियो और डिजिटल कंटेंट केवल फ्रेंचाइजी के आधिकारिक इंटरनेट मीडिया हैंडल्स के जरिए ही तैयार और साझा किए जाएंगे। वहीं, बीसीसीआइ की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) ने खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और टीम अधिकारियों को होटल में अनधिकृत मेहमानों को लेकर भी चेतावनी दी है। बोर्ड ने आशंका जताई है कि कुछ मामले हनी ट्रैप का रूप ले सकते हैं, जिससे खिलाड़ियों की सुरक्षा और टूर्नामेंट की गोपनीयता प्रभावित हो सकती है। इसी वजह से बोर्ड ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि खिलाड़ी अपनी गतिविधियों की जानकारी सुरक्षा अधिकारियों को दें और किसी बाहरी व्यक्ति को होटल के कमरों तक पहुंच न दें।

एक मामले में सामने आया कि टीम के एक युवा खिलाड़ी ने कंटेंट टीम के नए सदस्य से निजी इंटरनेट मीडिया अकाउंट के लिए रील, वीडियो और तस्वीरें बनाने में मदद मांगी थी। बाद में उस ब्लागर ने लोकप्रियता हासिल करने के लिए कुछ वीडियो और तस्वीरें अपने निजी अकाउंट पर साझा कर दीं। इन वीडियो में टीम के अभ्यास सत्र, मैदान के भीतर की गतिविधियां और यहां तक कि खिलाड़ी के होटल कमरे के दृश्य भी शामिल थे। इस घटना के बाद बीसीसीआइ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी फ्रेंचाइजियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा है। यही नहीं कई खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड और पत्नियां इंटरनेट मीडिया इंफ्लूएंसर हैं जो खिलाड़ियों के कमरे तक के वीडियो को पोस्ट करने में नहीं हिचकतीं। एक फ्रेंचाइजी अधिकारी के मुताबिक, नए दौर के खिलाड़ी इंटरनेट मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और यह आधुनिक क्रिकेट संस्कृति का हिस्सा बन चुका है। हालांकि, खिलाड़ियों को यह समझना होगा कि उनकी आनलाइन गतिविधियां बीसीसीआइ द्वारा तय सीमाओं के भीतर ही रहनी चाहिए। अधिकारी ने यह भी माना कि हर खिलाड़ी की हर गतिविधि पर नजर रखना आसान नहीं है, लेकिन सभी को नियमों और उनके उल्लंघन के परिणामों की जानकारी दी जा रही है।

यशस्वी-शेफाली को नाडा का नोटिस

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारतीय क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल और शेफाली वर्मा को पिछले साल निर्धारित डोप परीक्षण के लिए उपलब्ध न होने के कारण राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने नोटिस जारी किया है। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि नाडा के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) का हिस्सा रहे दोनों खिलाड़ियों ने परीक्षण के लिए उपलब्ध नहीं रहने के कारण नहीं बताए हैं। इस कारण उन्हें नोटिस जारी किए गए।

यशस्वी

शेफाली

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने पिछले साल निर्धारित डोप परीक्षण के लिए उपलब्ध न होने के कारण नोटिस जारी किया है

एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि संबंधित खिलाड़ियों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं और इसकी सूचना राष्ट्रीय महासंघ (बीसीसीआइ) और आइसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) को भी दे दी गई है। हालांकि नाडा ने गोपनीयता का हवाला देते हुए इस पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। बीसीसीआइ के एक सूत्र ने संपर्क करने पर इसकी पुष्टि की। सूत्र ने कहा कि हमें नाडा से छूटे हुए परीक्षणों के बारे में सूचना मिली है। हम पता लगाएंगे कि ऐसा कैसे हुआ। भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए हम जरूरी उपाय करेंगे। उन्होंने कहा कि क्रिकेट की ओलिंपिक में वापसी हो गई है, हमें सभी प्रोटोकाल का पालन करना होगा। यह 2028 के लास एंजिलिस ओलिंपिक खेलों में शामिल है।

घर पर फिर ढेर हुई राजस्थान रायल्स

गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रायल्स को 77 रन से हराया | गिल और सुदर्शन ने जड़े अर्धशतक

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : राजस्थान रायल्स ने आइपीएल के मौजूदा सीजन में धमाकेदार शुरुआत की थी, लेकिन अब ये टीम लगातार लचर प्रदर्शन से जूझती नजर आ रही है। यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे आक्रामक बल्लेबाजों की मौजूदगी के बावजूद राजस्थान को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। टीम इस सत्र में जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में अपना तीसरा मुकाबला खेलने उतरी थी, लेकिन यहां उसका जीत का सूखा खत्म नहीं हो सका। इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स भी राजस्थान को जयपुर में मात दे चुकी हैं। वहीं इस लीग में धीमी शुरुआत करने वाली शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस लगातार जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। इस मैच में उसने 20 ओवर में चार विकेट पर 229 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की टीम 16.3 ओवर में 152 रन पर ढेर हो गई।

राजस्थान रायल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के विकेट के बाद जश्न मनाते गुजरात टाइटंस के खिलाड़ी • प्रेट्र

सुदर्शन और गिल ने नौवीं बार की शतकीय साझेदारी: कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाते हुए टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए राजस्थान के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। सुदर्शन ने 30 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। मौजूदा आइपीएल में यह उनका चौथा अर्धशतक रहा। दूसरी ओर शुभमन गिल ने कप्तानी पारी खेलते हुए 84 रन बनाए। उन्होंने भी मात्र 30 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया।

यह कप्तान शुभमन गिल का इस सीजन में उनका चौथा अर्धशतक रहा। शुभमन और सुदर्शन ने पावरप्ले में बिना विकेट गंवाए 82 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। आइपीएल इतिहास में यह दूसरी बार है, जब गुजरात ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 82 रन बनाए हैं। इससे पहले टीम ने आइपीएल 2025 में अहमदाबाद में सनराइजर्स हैदराबाद के विरुद्ध भी ऐसा ही प्रदर्शन किया था।

बड़ी पारी नहीं खेल पाए बटलर: विस्फोटक बल्लेबाज जोस बटलर राजस्थान के विरुद्ध बड़ी पारी नहीं खेल सके। उन्होंने 10 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से केवल 13 रन बनाए। इसके बावजूद बटलर इस सीजन में शानदार लय में हैं। उन्होंने 11 मैचों में 151.96 की स्ट्राइक रेट से 348 रन बनाए हैं और टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उनसे आगे शुभमन गिल(462) और साई सुदर्शन(440) मौजूद हैं।

आर्चर के नाम दर्ज हुआ दिलचस्प रिकार्ड : इस मुकाबले में एक दिलचस्प रिकार्ड भी देखने को मिला। तेज गेंदबाज जोफ्रा ने पारी का पहला ओवर फेंका लेकिन वह उसे फेंकते गए, फेंकते गए। उन्होंने इस ओवर को पूरा करने के लिए 11 गेंदों का इस्तेमाल किया। वह आइपीएल में ऐसा करने वाले सातवें गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले मोहम्मद सिराज, तुषार देशपांडे, शार्दुल ठाकुर, संदीप शर्मा, हार्दिक पांड्या और अर्शदीप सिंह समेत कई गेंदबाज 11 गेंदों का ओवर डाल चुके हैं।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटंस: 229/4 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
सुदर्शन का. आर्चर बो. यश	55	36	6/2
गिल का. देशपांडे बो. ब्रिजेश	84	44	9/3
बटलर का. फरेरा बो. जडेजा	13	10	1/1
वाशिंगटन अविजित	37	20	2/3
होल्डर जायसवाल बो. ब्रिजेश	7	7	1/0
तेवतिया अविजित	14	4	0/2

अतिरिक्त : 19, वा : 16, नोबा : 1), विकेट : 1-118 (सुदर्शन, 10.5), 2-150 (बटलर, 13.2), 3-185 (गिल, 16.2), 4-(होल्डर, 18.1), गेंदबाजी : आर्चर 3-0-46-0, देशपांडे 4-0-52-0, ब्रिजेश 4-0-47-2, यश 4-0-37-1, जडेजा 4-0-34-1, फरेरा 1-0-11-0

राजस्थान रायल्स: 152/10 (16.3 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
जायसवाल का. निशांत बो. रबादा	3	4	0/0
सूर्यवंशी का. अरशद बो. सिराज	36	16	3/3
जुरैल बो. राशिद	24	10	1/3
हेटमायर का. होल्डर बो. रबादा	6	7	1/0
जडेजा एलबीडब्ल्यू राशिद	38	25	3/2
फरेरा बो. राशिद	4	2	1/0
शुभम बो. राशिद	15	14	1/1
शनाका का. गिल बो. होल्डर	16	11	2/0
आर्चर का. बटलर बो. होल्डर	5	6	1/0
देशपांडे का. वाशिंगटन बो. होल्डर	1	3	0/0
ब्रिजेश अविजित	1	1	0/0

अतिरिक्त : 3 (लेबा : 1, वा : 2) विकेटपतन : 1-38 (सूर्यवंशी, 2.5), 2-40 (जायसवाल, 3.3), 3-68 (हेटमायर, 5.4), 4-87 (जुरैल, 7.3), 5-91 (फरेरा, 7.5) 6-115 (शुभम, 11.4), 7-136 (जडेजा, 13.5), 8-141 (आर्चर, 14.5), 9-151 (शनाका, 16.1) गेंदबाजी : सिराज 4-0-55-1, रबादा 3-0-33-2, साई किशोर 1-0-8-0, राशिद 4-0-33-4, वाशिंगटन 2-0-10-2, होल्डर 2.3-0-12-3

100 टी-20 छक्के जड़ने वाले खिलाड़ी बने वैभव सूर्यवंशी। उन्होंने 29 पारियों में सबसे तेज और कम उम्र में यह रिकार्ड बनाया

118 रनों की साझेदारी शुभमन और सुदर्शन की जोड़ी ने इस मैच में की। आइपीएल में यह नौवीं बार है जब दोनों ने गुजरात के लिए शतकीय साझेदारी निभाई है। इस मामले में वे अब विराट कोहली और एबी डिविलियर्स की जोड़ी के करीब पहुंच गए हैं, जिन्होंने आरसीबी के लिए 10 बार शतकीय साझेदारी की थी। वहीं कोहली और क्रिस गेल ने भी आरसीबी के लिए नौ बार यह उपलब्धि हासिल की थी

	अंक तालिका	मैच	जीत	हार	रद	नेट रन रेट	अंक
1	हैदराबाद	11	7	4	0	+0.737	14
2	गुजरात	11	7	4	0	+0.228	14
3	पंजाब	10	6	3	1	+0.571	13
4	आरसीबी	10	6	4	0	+1.234	12
5	राजस्थान	11	6	5	0	+0.082	12
6	चेन्नई	10	5	5	0	+0.151	10
7	कोलकाता	10	4	5	1	-0.169	9
8	दिल्ली	11	4	7	0	-1.154	8
9	मुंबई	10	3	7	0	-0.649	6
10	लखनऊ	10	3	7	0	-0.934	6

रायल्स के नहीं चले बल्लेबाज: लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रायल्स की बल्लेबाजी पूरी तरह संघर्ष करती नजर आई। टीम का कोई भी बल्लेबाज 40 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। स्टार आलराउंडर रवींद्र जडेजा ने सबसे ज्यादा 38 रन बनाए, जबकि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 16 गेंदों में तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 36 रन की तेज पारी खेली। वहीं युवा बल्लेबाज रियान पराग की अनुपस्थिति में राजस्थान रायल्स की ओर से कप्तानी करने उतरे यशस्वी जायसवाल भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे और केवल तीन रन बनाकर आउट हो गए। स्पिनर राशिद खान ने चार विकेट लेकर राजस्थान की कमर तोड़ दी। उनके सामने राजस्थान के बल्लेबाज टिक नहीं पाए। राशिद प्लेयर आफ द मैच चुने गए।

लगातार हार से उबरने उतरेगी आरसीबी

दीपक शुक्ला • नईदुनिया प्रतिनिधि

रोहित शर्मा

विराट कोहली

रायपुर: इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में शानदार शुरुआत करने वाली रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अब लगातार दो हार के बाद दबाव में नजर आ रही है। रविवार को रायपुर में होने वाले मुकाबले में आरसीबी की भिड़ंत मुंबई इंडियंस से होगी, जहां टीम अपनी खोई लय वापस पाने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। प्लेआफ की दौड़ में बने रहने के लिए यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

आरसीबी ने सीजन के शुरुआती मुकाबलों में दमदार प्रदर्शन करते हुए पहले मैचों में चार जीत दर्ज की थी और ऐसा लग रहा था कि टीम आसानी से प्लेआफ में पहुंच जाएगी। लेकिन पिछले पांच मुकाबलों में तीन हार ने टीम की स्थिति को थोड़ा मुश्किल बना दिया है। फिलहाल आरसीबी 10 मैचों में 12 अंकों के साथ अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है, लेकिन राजस्थान रायल्स और गुजरात टाइटंस भी इतने ही अंकों पर मौजूद हैं। ऐसे में एक और हार टीम को और नीचे धकेल सकती है। दूसरी ओर मुंबई इंडियंस ने पिछले मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स के विरुद्ध 228 रन का विशाल लक्ष्य हासिल कर शानदार वापसी के संकेत दिए हैं। हार्दिक टीम के साथ रायपुर पहुंचे हैं, लेकिन उनकी फिटनेस पर अंतिम फैसला मैच से पहले लिया जाएगा।

मैच पर बारिश का खतरा: हाई-वोल्टेज मुकाबले पर मौसम का साया मंडरा रहा है। शनिवार शाम भी शहर में झमाझम बारिश हुई। इस दौरान मैदान को ढक दिया गया।

प्लेआफ में बने रहने के लिए एलएसजी से भिड़ेगी सीएसके

चेन्नई, प्रेट्र: अंकतालिका में छठे स्थान पर काबिज चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम आइपीएल के प्लेआफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए रविवार को सबसे निचले पायदान पर मौजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के विरुद्ध जीत हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है तब सीएसके शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में शामिल है। उसके अभी तक के अभियान में निरंतरता का अभाव रहा है। उसने अपने घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान दोनों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है।

पांच बार का चैंपियन सीएसके अब चेपक में वापसी करेगा। उसके पास एलएसजी के विरुद्ध लय हासिल करने का बेहतरीन मौका है। लखनऊ की टीम के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा और वह प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है। सीएसके का पूरा अभियान काफी हद तक संजू सैमसन के इर्द-गिर्द घूमता रहा है, जिनकी शीर्ष क्रम में अच्छी पारियों ने अक्सर टीम की किस्मत तय की है। जहां टीम के नए खिलाड़ी सैमसन बल्लेबाजी के आधार स्तंभ के रूप में उभरे हैं, वहीं कप्तान रुतुराज गायकवाड़ बल्लेबाजी में निरंतरता बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रुतुराज ने इस महीने की शुरुआत में 74 और 67 रन की महत्वपूर्ण पारियों के साथ फार्म में वापसी की है।

हालांकि वह दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध पिछले मैच में असफल रहे, जहां सैमसन ने 52 गेंदों में 87 रन की मैच विजेता पारी खेली। सीएसके की टीम को मध्य क्रम के बल्लेबाजों डेवाल्ड ब्रेविस, कार्तिक शर्मा, जेमी ओवरटन और शिवम दुबे से भी अच्छे योगदान की उम्मीद होगी।

26 जून तक नहीं खेल सकतीं विनेश फोगाट : डब्ल्यूएफआइ

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआइ) ने विनेश फोगाट पर अनुशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए शनिवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया। इस नोटिस के जरिए महासंघ ने यूडब्ल्यूडब्ल्यू के डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी के लिए छह महीने का अनिवार्य नोटिस नहीं देने के कारण फोगाट पर 26 जून 2026 तक घरेलू टूर्नामेंटों में भाग लेने पर रोक लगा दी।

विनेश फोगाट

भारतीय कुश्ती महासंघ ने विनेश फोगाट पर अनुशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का लगाया आरोप

इस नोटिस का मतलब है कि दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता फोगाट को वापसी के लिए अभी और इंतजार करना होगा। पेरिस ओलिंपिक खेलों से अयोग्य घोषित होने के बाद 2024 में खेल छोड़ने के बाद वह रविवार से गोंडा में शुरू होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग इवेंट के जरिए प्रतियोगिता में वापसी करने का लक्ष्य बना रही थीं। 15 पन्ने के नोटिस में डब्ल्यूएफआइ ने यहस भी आरोप लगाए हैं।

गुकेश जीत के साथ पांचवें स्थान पर

वारसा (पोलैंड), प्रेट्र: विश्व चैंपियन डी गुकेश ने सुपर रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट के नौवें दौर में पोलैंड के जान क्रिस्तोफ डुडा पर दर्ज की। गुकेश ने रैपिड वर्ग में 18 में से नौ अंक जुटाए। उन्होंने शुरुआती नौ ब्लिट्ज दौर से चार और अंक हासिल किए जिससे टूर्नामेंट के आधे चरण में उनके 27 में से 13 अंक हो गए हैं। अमेरिका के हैंस मोके नीमन 16.5 अंक से हमवतन वेस्ली सो से आधा अंक आगे हैं। वहीं अमेरिका के फैबियानो कारुआना स्लोवेनिया के फेडोसेव के साथ 15-15 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। जबकि गुकेश दो अंक पीछे पांचवें स्थान पर हैं।

डी गुकेश • एक्स

फीफा विश्व कप में जलवा बिखेरेंगी कैटी-नोरा

फुटबाल डायरी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में शुरू होने वाले फुटबाल के महाकुंभ फीफा विश्व कप अमेरिका में जहां मशहूर पाप गायिका कैटी पेरी प्रस्तुति देंगी तो कनाडा में भारत की बालीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही समा बांधेंगी। मैक्सिको में टायला व एलेजांद्रो फर्नांडीज मंच की शान बढ़ाएंगे।

कैटी पेरी 12 जून को कैलिफोर्निया के इंगलवुड में सोफी स्टेडियम में अमेरिका के पैराग्वे से होने वाले पहले मुकाबले से पहले प्रस्तुति देंगीं। कनाडा के टोरंटो के बीएमओ फील्ड में 12 जून को बोस्निया और हर्जेगोविना के विरुद्ध कनाडा के मैच से पहले नोरा फतेही मंच पर होंगी। उन्होंने कहा है कि वह सम्मानित महसूस कर रही हैं।

कैटी पेरी

नोरा फतेही

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फुटबालर बने फर्नांडिस और 'बनी' शा

लंदन, एपी: मैनचेस्टर युनाइटेड के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस को इंग्लैंड में फुटबाल लेखकों से बनी फुटबाल राइटर्स एसोसिएशन (एफडब्ल्यूए) ने फुटबालर आफ द ईयर चुना। मैनचेस्टर सिटी की स्ट्राइकर खदीजा बनी शा ने दूसरी बार महिला फुटबालरों में यह पुरस्कार जीता। फुटबाल के व्यक्तिगत पुरस्कारों में सबसे पुराना यह पुरस्कार 1947 से दिया जा रहा है। फर्नांडिस ने रिकार्ड 19 गोल असिस्ट किए हैं।

हूटिंग के बीच लिवरपूल और चेल्सी ने खेला ड्रा

लिवरपूल, एपी: इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में शनिवार को लिवरपूल और चेल्सी के बीच मैच 1-1 से ड्रा रहा। इस ड्रा के साथ लिवरपूल चैंपियंस लीग में क्वालिफाई करने की दिशा में बस थोड़ा ही आगे बढ़ पाया, जबकि मेहमान टीम चेल्सी ने प्रीमियर लीग में लगातार छह मैचों में हार के अपने सिलसिले को तोड़ दिया। ग्रेवेनबर्च के शुरुआती गोल के बाद, 36वें मिनट में एन्जो ने चेल्सी के लिए स्कोर बराबर किया। अंत में लिवरपूल टीम को दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ा, क्योंकि लिवरपूल अभी तक चैंपियंस लीग में क्वालिफाई नहीं कर सका है।

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

कलम से

घरेलू टीमों के अनुसार पिच बनाने का नहीं किया गया प्रयास

सुनील गावस्कर

इस आइपीएल में हमने पहले के संस्करणों की तुलना में कहीं अधिक शतक लगते देखे हैं। अभी टूर्नामेंट में दो हफ्तों के मुकाबले और उसके बाद प्लेआफ भी बाकी हैं। इसलिए मई के अंत तक प्रतियोगिता खत्म होने से पहले हमें कुछ और शतक देखने को मिल सकते हैं। यह बल्लेबाजों का उत्सव ज्यादातर मैदानों पर क्यूरेटरों द्वारा तैयार की गई शानदार पिचों की वजह से संभव हुआ है। घरेलू टीमों की ताकत के अनुसार पिच बनाने का ज्यादा प्रयास नहीं किया गया और इसी कारण छक्कों और चौकों की भरमार देखने को मिली। चौकों की बात समझ में आती है, लेकिन कुछ छक्के ऐसे भी होते हैं जो कैच बन सकते थे, अगर बाउंड्री रोप्स को अंदर लाने की बजाय थोड़ा पीछे रखा जाता। कई मैदान तो वैसे ही छोटे हैं और छोटी बाउंड्री उन्हें और भी छोटा बना देती है।

दर्शक बड़े शाट्स देखने के लिए आते हैं, लेकिन असली रोमांच उस मुकाबले में होता है जो आखिरी ओवर तक कांटे की टक्कर पर टिका रहे, न कि उस मैच में जो 15वें ओवर तक ही खत्म हो जाए और आधी भीड़ नतीजा समझकर बाहर निकलने लगे। जहां पिचों में थोड़ी तेजी और उछाल रही, वहां ज्यादातर बल्लेबाजों की फ्रंट फुट पर खेलने की आदत उजागर हो गई। जब गेंद उनके हेलमेट की तरफ आती है तो वे असहज स्थिति में दिखते हैं और न सिर्फ आउट होते हैं बल्कि बेहद साधारण भी नजर आते हैं। विश्व क्रिकेट के तेज गेंदबाजों में शामिल जोफ्रा आर्चर और कैगिसो रबादा ने बल्लेबाजों को उन पिचों पर भी परेशान किया है, जहां विकेटकीपर तक गेंद में ज्यादा उछाल या कैरी नहीं थी।

रियान पराग • फाइल फोटो

यहीं पर लगता है कि गेंदबाजों के लिए केवल चार ओवर की सीमा पर दोबारा विचार किया जा सकता है। अगर कोई बल्लेबाज पूरे 20 ओवर बल्लेबाजी कर सकता है तो फिर ऐसा गेंदबाज जिसने अपने चार ओवर में तीन विकेट लिए हों, उसे इनाम के तौर पर एक अतिरिक्त ओवर क्यों न दिया जाए? इससे टीमें केवल रन बचाने की बजाय विकेट लेने की कोशिश करेंगी। सबसे बेहतरीन डाट बाल वही होती है जो विकेट दिलाए, है ना?

हां, संभव है कि तीन गेंदबाज तीन-तीन विकेट लें और हर एक को एक अतिरिक्त ओवर मिल जाए। छोटी बाउंड्री, बाउंसर को लेकर वाइड की सख्त व्याख्या जैसी कई बातें गेंदबाजों के विरुद्ध जाती हैं। इसलिए गेंदबाजों और फील्डिंग कप्तानों को विकेट लेने के लिए प्रोत्साहन देना और शुरुआत से ही रक्षात्मक रवैया न अपनाने की प्रेरणा देना एक अच्छा प्रयोग हो सकता है। हर नए नियम की तरह इसे भी पहले विभिन्न सिटी लीग्स में आजमाया जा सकता है। उसके बाद सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में लागू किया जा सकता है और यदि इससे बल्लेबाजों के अनुकूल इस प्रारूप में संतुलन आता दिखे तो अगले साल के या 2028 के आइपीएल में इसे अपनाया जा सकता है।

कई साल पहले जब मैं आइपीएल गवर्निंग काउंसिल का हिस्सा था, तब मैंने व्यक्तिगत रूप से आठों फ्रेंचाइजी कप्तानों को पत्र लिखकर पूछा था कि आइपीएल को और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है। इस पर एडम गिलक्रिस्ट का सुझाव अनोखा था। उन्होंने कहा था कि अंक तालिका में पहले और दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमों को क्वालिफायर और एलिमिनेटर के जरिए फाइनल तक पहुंचने का एक अतिरिक्त मौका मिलना चाहिए।

उद्योग, रोजगार, सिंगल विंडो और थोड़ी सी 'आजादी' से आएगा बंगाल में बदलाव

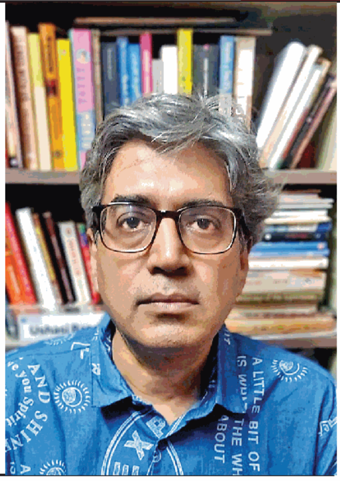

बंगाल में भारी बहुमत से जीतकर सरकार बनाने वाली भाजपा को पीएम नरेन्द्र मोदी पहले ही 'बदला नहीं बदलाव' का मंत्र दे चुके हैं, लेकिन इसे लागू करना इतना आसान नहीं होगा। भारी-भरकम पुलिस बल की तैनाती के बीच शपथ ग्रहण समारोह से पहले हुई हिंसा ने इस बार भी राज्य के आंचल को 'खून' से रंग ही दिया। ऐसे में सवाल उठता है कि यह बदलाव कैसे आएगा? बंगाल के जाने माने शिक्षाविद् और राजनीति शास्त्री **डा. उदयन बंदोपाध्याय** का कहना है कि बंगाल में सही मायनों में बदलाव लाने के लिए भाजपा को नियंत्रक के बजाय नियंता (कुशल शासक) बनना होगा। सरकारी कामकाज को सहज कर उद्योग को बढ़ावा देना होगा। रोजगार के अवसर पैदा करने होंगे और लोगों को 'आजादी' देनी होगी। वह बंगाल की जनता को भी थोड़ा 'डी-पालिटिसाइजेशन' यानी गैर राजनीतिक मोड में जाने का सुझाव देते हैं। कुल मिलाकर थोड़ा बदलाव भाजपा को खुद में करना होगा और थोड़ा यहां की जनता को। डा. बंदोपाध्याय कलकत्ता यूनिवर्सिटी के बंगोबाशी कालेज में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। वर्ष 2023 से 2024 तक वह बंगाल सरकार के राज्य पाठ्यक्रम समिति के अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक के पाठ्यक्रम को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बतौर विश्लेषक वह समकालीन राजनीतिक और शैक्षिक चर्चाओं में भाग लेते रहे हैं। वर्ष 2021 और 2026 के चुनावों के दौरान उन्होंने बंगाल के हर राजनीतिक दलों की स्थिति और उनकी सीटवार स्थिति की गहन समीक्षा की है। उन्होंने 'हिंदुत्व ओर द पालिटिक्स आफ एक्सक्लूजन' नाम से पुस्तक भी लिखी है। दैनिक जागरण की समाचार संपादक **रूमनी घोष** ने उनसे बंगाल में बदलाव लाने की प्रक्रिया में बाधाओं व उपायों पर आनलाइन विस्तृत चर्चा की। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंश:

सप्ताह का साक्षात्कार

● बंगाल चुनाव परिणाम की व्याख्या कैसे करेंगे? अप्रत्याशित या स्वाभाविक?

-पश्चिम बंगाल में चुनावों के निर्णायक नतीजे आना एक आम बात है। यहां लोग या तो सरकार के पक्ष में वोट देते हैं, या फिर उसके विरोध में... और दोनों ही स्थितियों में वे बड़े पैमाने पर ऐसा करते हैं। वर्ष 1967 व 1971 के चुनाव अपवाद रहे हैं। हालांकि सत्ता में आने वाले राजनीतिक दलों को यह याद रखना होगा कि बंगाल की जनता का धैर्य पहले की तुलना में कम हुआ है। वह मौका देने की अवधि घटा सकती है।

● बंगाल में भारी बहुमत से जीत के बाद पीएम नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले संबोधन में 'बदले के बजाय बदलाव' की बात कही। यह बदलाव कैसे आएगा?

- देखिए, बंगाल पर (सु) शासन करने के लिए नई सरकार यानी भाजपा सरकार और जनता दोनों को ही खुद में थोड़ा-थोड़ा बदलाव लाना होगा।

● इसका क्या आशय है?

- बतौर बंगाली और पालिटिकल साइंटिस्ट, दोनों ही स्तर पर यह मेरा आकलन है कि भाजपा लंबे समय तक सत्ता में बनी रहना चाहती है तो उसे नियंत्रक बनने के बजाय नियंता (सुशासक) की भूमिका में खुद को स्थापित करना चाहिए। नई सरकार को दो बातें याद रखनी होंगी। पहला, बंगाल इसी देश का हिस्सा है, इसलिए 'कब्जा' जैसी भावना, शब्द व मानसिकता तीनों से ही उसे बचना चाहिए। दूसरा, यह दूसरे राज्यों से थोड़ा सा अलग है। इसका अपना एक इतिहास है और एक लंबा संघर्ष है। उसको ध्यान में रखते हुए बहुत धैर्य, शालीनता और गरिमा के साथ पहले सुशासन स्थापित करना होगा। ताबड़तोड़ सड़क, संस्थाओं, क्लब, ट्रस्टों पर अपना आधिपत्य स्थापित कर दिखाने (शोर मचाने) के बजाय कुछ समय तक एनेक्स बिल्डिंग (बंगाल विधानसभा के भीतर भाजपा सरकार द्वारा स्थापित मुख्यमंत्री कार्यालय) के भीतर से ही सबकुछ दूर से नियंत्रित करें। लोगों को थोड़ी-सी आजादी दें... समय दें, ताकि वह खुद इस बदलाव को अंजाम दे सकें। अभी जो बदलाव है, वह सिर्फ 'बैलेट पेपर' तक आया है।

● बंगाल में सुशासन लाने और बंगाली अस्मिता को बचाए रखने का वादा पीएम नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह दोनों पहले ही कर चुके हैं? फिर संशय क्यों?

- यह सही है कि पीएम नरेन्द्र मोदी ने भय के बजाय भरोसे का मंत्र दिया। भाजपा विधायकों की बैठक से पहले गृहमंत्री अमित शाह ने भी धैर्य रखने का संदेश दिया, लेकिन यह विचारधारा भाजपा विधायकों, कार्यकर्ताओं से होते हुए समर्थकों के बीच तक ले जानी होगी। उसे लागू करना होगा, क्योंकि आने वाले समय में वही भाजपा का चेहरा बनकर बंगाल के लोगों से सीधे संवाद करेंगे। बंगाल में लंबे समय तक राजनीतिक दलों (चाहे सीपीआइ (एम) हो, टीएमसी हो या स्थानीय भाजपा) के कार्यकर्ताओं की कार्य संस्कृति एक जैसी ही रही है। आने वाले समय में जब भाजपा पार्टी का विस्तार करेगी, कार्यकर्ताओं की भर्ती करेगी, तो वह अपने साथ पुरानी कार्य संस्कृति ही लेकर आएंगे। उसमें बदलाव नहीं होगा तो बंगाल के लोगों के रोजमर्रा के जीवन में भी बदलाव नहीं होगा।

● आपने शुरुआत में कहा कि बंगाल की जनता को भी बदलना होगा। कैसे ?

- बंगाल की जनता को अब थोड़ा सा डीपालिटिसाइजेशन (राजनीति से विमुक्त) मोड में चले जाना चाहिए। पार्टी लायल्टी छोड़कर बंगाल के बारे में सोचना होगा। वह हर राजनीतिक दलों (चाहे पक्ष हो या विपक्ष) पर यह दबाव बनाएं कि सिर्फ विरोध की राजनीति नहीं चलेगी। सबसे पहले उन्हें बंगाल के भले के बारे में सोचना होगा। मेरी बेटी मुंबई में रहती है, इसलिए मैं वहां जाता रहता हूं। वहां की कार्य संस्कृति व लोगों की गतिविधि को करीब से देखता हूं। अन्य राज्यों में भी आना-जाना होता है। वहां के लोग अपने अधिकारों को लेकर जागरूक हैं। समय-समय पर अपनी मांगें भी सरकार के सामने रखते रहते हैं, लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी में उठते-बैठते सिर्फ राजनीति पर बहस नहीं करते हैं। यहां तक कि मैं छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे राज्यों में भी चुनाव के दौरान गया। वहां आदिवासियों का जीवन बहुत संघर्षमय है। उन्हें भी अपनी-अपनी सरकारों से बहुत अपेक्षाएं, नाराजगी है, लेकिन बंगाल की तरह वह पूरे समय उसी मोड में नहीं रहते हैं। राजनीति करना, नीतियां बनाना सरकार का काम है। उसके लिए राजनेता हैं और उन्हें करने देना चाहिए। जनता नजर रखें और समय-समय पर अपनी राय से सरकार को अवगत करवाती रहे।

● नील बाड़ी की लड़ाई (नवान्न) जीतकर भाजपा ने बाहरी बदलाव कर दिया है। सफेद-नीले रंग में पुते शहर में भगवा लहराने लगा है, लेकिन अंदरूनी बदलाव कैसे और कब तक आएगा?

- पहला, बंगाल की जनता की रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाकर। इसके लिए सबसे पहले सरकारी कामकाज की प्रणाली को बहुत सहज-सरल करना होगा। लोगों को भटकना न पड़े। किसी विधायक, नेता या पार्टी कार्यकर्ता के घरों या दफ्तर के चक्कर न लगाना पड़े। सिंगल विंडो व्यवस्था हो। मुंबई और बेंगलुरू जैसे शहर की तुलना में बंगाल में लोगों को छोटे-छोटे सरकारी कामकाज के लिए ज्यादा जूझना पड़ता है। यह समस्या दूर होने से जनता को सीधे तौर उनकी जिंदगी में बदलाव महसूस होगा। दूसरा, जल्द से जल्द उद्योग स्थापित करने की पहल करनी चाहिए। बड़े निवेश की जरूरत है। छह नवंबर 2000 से 20 मई 2011 तक बंगाल के सातवें मुख्यमंत्री के रूप में सीपीआइ (एम) नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य ने औद्योगिकीकरण की दिशा में जो कदम बढ़ाने की कोशिश की थी, वह सिंगूर और नंदीग्राम की घटना के बाद थम गया है। उस घटना की परिणति स्वरूप पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने 15 साल के कार्यकाल में बंगाल में कोई औद्योगिक निवेश नहीं ला सकीं। इसने बंगाल को बाकी विकसित राज्यों की तुलना में बहुत पीछे कर दिया। भाजपा सरकार को तत्काल इसकी भरपाई करना चाहिए। सिर्फ बाहरी उद्योगपतियों को नहीं, बल्कि स्थानीय उद्योगों को भी मौका देना चाहिए। तीसरा, इस बात को स्वीकारना होगा कि नोबल पुरस्कार विजेताओं में सबसे ज्यादा लोग बंगाल से ही हैं। चिकित्सा, शोध-अनुसंधान, कला-संस्कृति आदि क्षेत्र में देश-विदेश में फैले बौद्धिक संपदाओं (इनटैक्लैक्चुअल ब्रीड) को राज्य के विकास की भूमिका से जोड़ने की कोशिश होनी चाहिए।

● आप उद्योगों में बड़े निवेश की बात कर रहे हैं, लेकिन बंगाल के बारे में आम धारणा यह है कि यहां यूनियनबाजी हावी है। बात-बात पर हड़ताल की संस्कृति है। कोई भी उद्योगपति क्यों उद्योग लगाएगा?

- यह सही बात है कि बंगाल के बारे में यह धारणा है, लेकिन यह गलत है। ममता बनर्जी के अपने कार्यकाल में भले ही उद्योग नहीं ला सकीं, लेकिन एक बात स्वीकारनी पड़ेगी कि उन्होंने बंद (हड़ताल) कल्चर को पूरी तरह खत्म कर दिया। बीते 15 साल में बंगाल में एक दिन के लिए भी हड़ताल नहीं हुई। जहां तक बात कार्य संस्कृति की है, तो टाटा ने जो प्लांट गुजरात में लगाया, वह उप्र या बिहार में क्यों नहीं लगाया? दोनों ही जगह दो कार्यकाल से भाजपा या भाजपा समर्थित सरकार है। पश्चिम उप्र में कुछ हद तक निवेश हुआ, लेकिन बाकी जगह उतने बड़े पैमाने पर उद्योग नहीं लगे हैं। दरअसल, कोई भी उद्योगपति किसी भी राज्य में तब निवेश करता है, जब वहां के पक्ष-विपक्ष, दोनों ही राज्य के विकास के मुद्दे को लेकर एकमत हो। उदाहरण के तौर पर बंगाल में जब बुद्धदेव भट्टाचार्य ने टाटा को बुलाया और जमीन अधिग्रहण शुरू किया तो उसका विरोध हुआ। टीएमसी का नेतृत्व करते हुए ममता बनर्जी ने उसी विरोध का सहारा लेकर वामपंथी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला था। ...और इसी विरोध की वजह से ही टाटा बंगाल से चली गई थी। उस वक्त मुआवजे को लेकर मैदानी स्तर पर सरकार का विरोध हो रहा था, लेकिन तात्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य इसे समझ नहीं पाए थे और उन्होंने बयान दिया था कि हम 235 हैं और वह 30। वह क्या कर लेंगे... आगे चलकर यही घटना बंगाल में सत्ता परिवर्तन का बड़ा कारण बनी थी। अब विपक्ष में फिर टीएमसी है। सिंगूर की घटना से नई भाजपा सरकार को यह सबक लेना चाहिए कि वह राज्य में निवेश के लिए 'भरोसे' का माहौल बनाएं। उद्योग नीति बनाकर सिंगल विंडो की व्यवस्था कर दे। साथ ही विपक्ष को भी सहयोग के लिए तैयार करे।

● ... और हिंसा को रोकने के क्या उपाय? तमाम सख्ती के बाद भी चुनाव बाद हिंसा जारी है। इसमें बदलाव कैसे आएगा?

- एकमात्र उपाय बेरोजगारों को रोजगार। वामपंथी सरकार हो या टीएमसी... दोनों ही राजनीतिक दलों के कार्यकाल में यही युवा बेरोजगार कट मनी या वसूली का हिस्सा रहे हैं। नई सरकार को इस श्रृंखला को तोड़ना होगा।

● आपने 'विरोध की राजनीति' शब्द का उपयोग किया। क्या ममता बनर्जी को सतत केंद्र का विरोध भारी पड़ा। जैसा दिल्ली में केजरीवाल सरकार को पड़ा था?

- बिल्कुल। मैंने बंगाल के अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में लोगों को बोलते हुए सुना है कि मोदी तो पैसा भेज रहे हैं, लेकिन ममता बनर्जी नहीं ले रही हैं। यह बदलाव का एक बड़ा कारण रहा। इसका आशय यह नहीं है कि सारे अल्पसंख्यकों ने भाजपा के पक्ष में मतदान किया या करने लग जाएंगे। दरअसल, लोगों को केंद्र से भी उनके हिस्से की सुविधाएं चाहिए और राज्य से भी। इस मामले में सबसे आदर्श उदाहरण रहे पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु। केंद्र सरकार के खिलाफ खुला मोर्चा लेने के बावजूद उन्होंने एक 'विंडो' हमेशा खुला रखा था। यही होना चाहिए। राज्य सरकार दे या केंद्र, जनता को उनके हक की हर सुविधा मिलनी चाहिए।

● बंगाल ने कांग्रेस, वाम दल और टीएमसी को लंबा मौका दिया, लेकिन जिसे एक बार सत्ता से बाहर किया, उसे दोबारा मौका नहीं दिया। तीनों दलों की क्या गलतियां रहीं, जिससे भाजपा को बचना चाहिए?

- कांग्रेस सरकार तो इमर्जेंसी के दौरान सत्ता से बाहर हुई थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रे की सरकार पर प्रशासनिक विफलता और असहमति को दबाने के आरोप थे। वहीं सीपीआइ (एम) ने आखिर दौर में और टीएमसी ने पंचायत से लेकर शैक्षणिक संस्था हर जगह कब्जा करने की मानसिकता से काम किया। नई भाजपा सरकार को इससे बचते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

● एसआइआर से लोग परेशान हुए, लेकिन मतदान में असर नहीं दिखा। क्यों ?

- एसआइआर की वजह से लोगों को बहुत परेशानी हुई। लाखों नाम तो अभी भी होल्ड पर हैं। यह देखकर मैंने व मेरे जैसे सभी विश्लेषकों ने अनुमान लगाया था कि भाजपा को इसका नुकसान होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। संभवतः लोगों ने भविष्य में नागरिकता को लेकर होने वाली परेशानी से बचने के लिए बदलाव को चुना हो। खासतौर पर मतुआ समाज इसका उदाहरण है।

कुश्ती की दुनिया में चला सुजीत का सिक्का

भारतीय युवा पहलवान सुजीत कलकल ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड रेसलिंग रैंकिंग में नंबर-वन स्थान हासिल कर देश का नाम रोशन किया है। **उपलब्धि** 65 किलोग्राम भारवर्ग में खेलते हुए उन्होंने लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर बड़े नामी पहलवानों को मैट पर पछाड़ते हुए अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप सहित बड़ी प्रतियोगिताओं में गोल्ड मेडल हासिल किए। जानिए, इस युवा खिलाड़ी के बारे में:

सुजीत कलकल ।

हनी सोनी ● जागरण

चरखी दादरी : हरियाणा के चरखी दादरी जिले के गांव इमलोटा निवासी पहलवान सुजीत कलकल लगातार सफलता के नए अध्याय लिखते जा रहे हैं। वे एक के बाद एक सफलता हासिल कर देश के लिए मेडल हासिल कर रहे हैं। उनके इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग की नई रैंकिंग में वे टॉप पर पहुंचे हैं और दुनिया के नंबर-वन पहलवान बन गए हैं। खेल प्रेमियों में उनकी इस उपलब्धि से खुशी का माहौल है। उन्होंने इसे जिला दादरी व देश-प्रदेश के लिए गौरव का क्षण बताया। सुजीत कलकल का नंबर-वन बनना न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि यह भारतीय कुश्ती के बढ़ते स्तर और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसकी मजबूती का भी प्रतीक है। उनकी इस उपलब्धि से देशभर के युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी और वे भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित होंगे। उनकी इस खेल उपलब्धि पर खेल प्रेमियों और कुश्ती जगत से जुड़े लोगों ने खुशी जाहिर की है। अगर सुजीत इसी तरह प्रदर्शन करते रहे, तो देश की झोली में अनेक गोल्ड मेडल डालने का काम करेंगे।

उपलब्धियों का सफर और मुख्य तथ्य

लगातार छह स्वर्ण पदक: सुजीत ने पिछले एक साल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेमिसाल प्रदर्शन करते हुए लगातार छह गोल्ड मेडल जीते हैं। इसमें अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप, सीनियर एशियन चैंपियनशिप और वर्ल्ड सीनियर रैंकिंग चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक शामिल हैं।

दांव-पेंच में माहिर: सुजीत अपने विशेष दांव- डबल लेग होल्ड, फीतले बांधना और भारंदाज के लिए जाने जाते हैं, जिनके दम पर उन्होंने दुनिया के दिग्गज पहलवानों को मैट पर धूल चटाई है।

अब तक छह गोल्ड मेडल

2025 में सीनियर वर्ल्ड रैंकिंग में दो बार गोल्ड मेडल, अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड, वर्ल्ड सीनियर रैंकिंग चैंपियनशिप में दो गोल्ड और अब सीनियर एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड सहित लगातार छह गोल्ड मेडल हासिल किए हैं।

...शानदार लय से आगे बढ़ रहे हैं

सुजीत कलकल के पिता एवं कोच दयानंद कलकल ने बताया कि सुजीत शानदार लय में चल रहे हैं। उन्होंने बीते करीब एक साल के दौरान जिस भी इंटरनेशनल चैंपियनशिप में शिरकत की है उसमें गोल्ड मेडल हासिल किया है। उन्होंने बताया कि डबल लेग होल्ड, फीतले बांधना व भारंदाज उनके प्रमुख दांव-पेंच हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद है सुजीत जीत के इस सफर को जारी रखेंगे और अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए मेडल हासिल कर देश, प्रदेश व दादरी जिले का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि सुजीत ने अपने खेल प्रदर्शन से साबित कर दिया है कि वे ओलिंपिक में मेडल जीतने का माद्दा रखते हैं।

देश को सुजीत से बड़ी उम्मीदें : योगेश

जिला कुश्ती संघ के सचिव योगेश इमलोटा ने कहा कि सुजीत कलकल ने जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है उससे देश के खेल प्रेमियों को इस युवा पहलवान से बड़ी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि वे लगातार जीत हासिल कर जिस लय में आगे बढ़ रहे हैं, उसको देखकर कहा जा सकता है कि ओलिंपिक का पदक अब उनसे दूर नहीं है। वह इसके लिए मेहनत कर रहे हैं।

बेकार पड़ी पानी की बोतलों से बनी डस्टबिन बटोर रही सुर्खियां

सार्वजनिक स्थानों पर बोतलों से बना हुआ डस्टबिन रखते हुए ● स्वयं

झारखंड के बीआइटी मेसरा की छात्रा मानसी के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सशक्त **जुगाड़** संदेश दिया है। उन्होंने शहर भर से फेंकी हुई पानी की बोतलों को इकट्ठा किया और उसे एक मजबूत डस्टबिन में बदल दिया। जानिए इनके बारे में:

कुमार गौरव ● जागरण

रांची : रामगढ़ जिला अंतर्गत पतरातू डैम के पास एक नई पहल की शुरुआत हुई है। यहां बीआइटी मेसरा के छात्र-छात्राओं ने यत्र-तत्र फेंकी हुई पानी की बोतल से बेहद मजबूत डस्टबिन बनाए हैं। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह बेहद सशक्त संदेश है, जिसकी खूब चर्चा हो रही है। बीआइटी मेसरा के छात्रों ने वेस्ट वाटर और प्लास्टिक बोतलों से डस्टबिन बनाए। बीआइटी मेसरा के डिपार्टमेंट आफ मैनेजमेंट की मानसी सिंह और उनकी टीम ने 'सफाई साथी अभियान' के तहत पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता पर जोर दिया है। इस तरह का प्रयोग पहली बार राज्य के किसी संस्थान के छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया है। वेस्ट वाटर बोतलों, प्लास्टिक बोतलों से बनाए गए डस्टबिन को पतरातू में लगाया गया है, जिसे बीआइटी मेसरा के डिपार्टमेंट आफ मैनेजमेंट के छात्रों द्वारा तैयार किया गया है। छात्रा मानसी कुमारी ने बताया कि कहीं भी आप जाएं तो आपके इर्दगिर्द बेकार पड़ी पानी की बोतलें पड़ी रहती हैं, जो हमारे पर्यावरण के लिए नुकसानदेह है। हमारी टीम ने इन बोतलों को नया रूप देने की ठानी और पतरातू डैम से इसकी शुरुआत की गई है। बीआइटी मेसरा कैंपस में भी प्रतिदिन बोतलें जहां-तहां फेंकी दिख जाती हैं, जिसका उपयोग हम रचनात्मक कार्यों में कर सकते हैं। इस नेक कार्य में संस्थान के यूथ टूरिज्म क्लब का भी भरपूर सहयोग मिला। क्लब की मीनाक्षी, हनाफ, गौतम, स्नेहल, तनिष्क, निधि, ईशा, साकेत, मुस्कान जैसे सहयोगियों ने मिलकर इस कार्य को अंजाम तक पहुंचाया।

बोतल को जमा कर की पेंटिंग

मानसी सिंह ने बताया कि सबसे पहले हमने फेंकी हुई बोतलों को जमा किया। अच्छी तरह से धोने के बाद बोतल की पेंटिंग की, ताकि दिखने में आकर्षक लगे। अक्सर ये बोतलें नालों में चली जाती हैं, जो न सिर्फ पर्यावरण के लिए नुकसानदेह हैं बल्कि बरसाती दिनों में यही जमा बोतलें नाला जाम का कारण बनती हैं। इस समस्या को देखते हुए हमारी टीम ने 'सफाई साथी अभियान' शुरू किया। इस पहल के अंतर्गत इस्तेमाल हो चुकी प्लास्टिक बोतलों को पुनः उपयोग करके डस्टबिन बनाए जा रहे हैं, ताकि कचरे का सही प्रबंधन हो सके और स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़े। इस डस्टबिन को बनाने और पतरातू डैम जाकर इंस्टाल करने में प्रबंधन की अनुमति के लिए चार माह का समय लगा। इस नवाचार को लोग पसंद कर रहे हैं।

मानसी कुमारी● स्वयं

आमतौर पर एक नीले और पीले रंग के डस्टबिन की कीमत 4500 रुपये होती है, जबकि बेकार या फेंकी हुई प्लास्टिक बोतलों से यह डस्टबिन महज 1200 रुपये में तैयार की जा रही है।

कैमूर जिला के वन विभाग को उपहार में दे चुकी हैं प्लास्टिक डस्टबिन

मानसी ने बताया कि वर्ष 2022 में मैंने और मेरी बहन मीनाक्षी और मुस्कान ने कैमूर में बेकार बोतलों से डस्टबिन बनाकर वन विभाग को उपहार के तौर पर दिया था। इसके बाद इस मुहिम को गति देने के उद्देश्य से 2024 में मेसरा में मैंने मीनाक्षी के साथ मिलकर अंत्रिका : इको फ्रेंडली स्टार्टअप की शुरुआत की, लेकिन संस्थान की ओर से स्टार्टअप मद में कोई वित्तीय सहायता नहीं मिली, इसके बावजूद हम रुके नहीं हैं और लगातार नवाचार में लगे हैं। यही नहीं हम केले के रेशे से इको फ्रेंडली सैनिटरी पैड भी बना रहे हैं, जो प्रयोग में लाने के बाद आसानी से मिट्टी में मिल जाता है।

नारियल के खोल से घोंसला बना राहत दे रहे ग्रीनमैन

बाड़मेर के रहने वाले नरपत सिंह ग्रीनमैन के नाम से मशहूर हैं। राजस्थान की तपती दोपहरी में राहत देने के लिए वह इंसानों के लिए **पहल** छायादार पेड़ लगाते हैं, तो बेजुबानों के लिए भी कई तरह के जतन करते हैं। वह बेकार पड़े नारियल के खोल से पक्षियों के लिए ऐसा घोंसला बना रहे हैं, जो गर्मियों में उनके लिए कूलर जैसा काम कर रहा है। जानिए इनके बारे में:

नेशनल डेस्क ● जागरण

नई दिल्ली: राजस्थान के बाड़मेर में जहां 50 डिग्री की भयंकर गर्मी इंसानों का जीना मुहाल कर देती है, वहां बेजुबान पक्षियों का क्या हाल होता होगा? इसी दर्द को समझते हुए 'ग्रीनमैन' के नाम से मशहूर नरपत सिंह राजपुरोहित ने एक खूबसूरत पहल की है। उनकी इस कोशिश को सोशल मीडिया पर काफी सराहा जा रहा है।

अप्रैल का महीना शुरू होते ही देश के कई हिस्सों में गर्मी ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। राजस्थान के बाड़मेर जैसे इलाकों में तो तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है! इस तपती देने वाली गर्मी में प्यास और छांव की कमी से हर साल हजारों बेजुबान पक्षी अपनी जान गंवा देते हैं। वह कहते हैं मैं मानता हूं कि इस दुनिया को बचाने के लिए उन्होंने

लेकिन कहते हैं न कि इस दुनिया को बचाने के लिए किसी बड़े चमत्कार की नहीं, बल्कि छोटी सी अच्छी सोच की जरूरत होती है। बाड़मेर के 'ग्रीनमैन' नरपत सिंह राजपुरोहित ने कचरे में पड़े नारियल से कुछ ऐसा कर दिखाया है, जो दिल जीत रहा है।

नारियल के छिलके से घोंसला बनाते नरपत सिंह ।● इंटरनेट मीडिया

नारियल का खोल प्राकृतिक इंसुलेटर... गर्मी को अंदर नहीं आने देता

नरपत सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट में खूबसूरत वीडियो पोस्ट करते हुए बताया है कि वह मंदिरों या सड़क किनारे फेंके गए बेकार नारियल के खोल इकट्ठा करते हैं। इसके बाद वे बड़ी ही बारीकी से इन नारियलों में छेदकर उसमें रस्सी पिरोते हैं, जिसकी मदद से पेड़ों पर टांग देते हैं। उनका यह आइडिया सिर्फ 'जुगाड़' नहीं, बल्कि 'विज्ञान' है। प्लास्टिक, कार्डबोर्ड या लोहे के बर्तन गर्मी में बुरी तरह तप जाते हैं, लेकिन नारियल का खोल प्राकृतिक रूप से एक बेहतरीन इंसुलेटर है। यह बाहर की गर्मी को अंदर नहीं आने देता और घोंसला एकदम ठंडा रहता है। ये घोंसले आंधी-तूफान में आसानी से टूटते नहीं हैं और पूरी तरह से बायोडिग्रेडेबल होते हैं। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा है- कचरे से बसेरा।

राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

रविवार, 10 मई, 2026

आजकल

14

www.jagran.com

पृथ्वी का चक्कर लगाने वाली पहली परमाणु पनडुब्बी बनी यूएसएस ट्राइटन

1960 में आज ही अमेरिकी परमाणु पनडुब्बी यूएसएस ट्राइटन पूरी तरह से पानी के नीचे रहते हुए पृथ्वी का चक्कर लगाने वाली पहली पनडुब्बी बनी थी। आपरेशन सैंडब्लास्ट नाम के इस मिशन ने परमाणु ऊर्जा की असीमित क्षमता व अमेरिकी नौसेना की ताकत को दुनिया के सामने पेश किया।

दो नए तत्वों सीजियम और रुबिडियम की खोज की गई

1860 में आज ही जर्मन रसायनशास्त्रियों राबर्ट बंसन और गुस्ताव राबर्ट किरचाफ ने दो नए तत्वों सीजियम (परमाणु संख्या 55) व रुबिडियम (परमाणु संख्या 37) की खोज की थी। इनका पता स्पेक्ट्रल विश्लेषण द्वारा लगाया गया था। इनके रासायनिक गुण पोटेशियम के समान हैं।

देश के मास्टरस्पाई कहे जाते थे रा के संस्थापक रामेश्वर नाथ काव

रामेश्वर नाथ काव का जन्म 1918 में आज ही बनारस (अब वाराणसी) में हुआ था। शिक्षा पूरी करने के बाद सरकारी सेवा में प्रवेश किया। नेहरू के निजी सुरक्षा प्रमुख व राजीव गांधी के सुरक्षा सलाहकार के रूप में भी कार्य किया। 1962 व 1965 के युद्धों के बाद उन्हें बाहरी खतरों के लिए एक अलग खुफिया एजेंसी बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। 1968 में काव ने रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रा) की स्थापना की और 1977 तक इसके प्रमुख रहे। 1971 में बांग्लादेश की मुक्ति, सिक्किम के विलय व 1974 के परमाणु परीक्षण की गोपनीयता सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई।

स्वास्थ्य के लिए रोज सिर्फ एक घंटे फोन से बनाएं दूरी

डिजिटल डिटाक्स ▶ डिजिटल दुनिया से हटकर परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने से बेहतर होते हैं रिश्ते

मोबाइल के ब्लू लाइट रेडिएशन से मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है बुरा असर

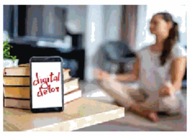

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, नेशनल डेस्क : फोन या स्क्रीन देखने के दूसरे तरीके हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन गए हैं। इनके बिना जीवन चल पाएगी ये सोचा भी नहीं जा सकता। ब्लू लाइट के रेडिएशन से हमारी मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। कई रिसर्च और रिपोर्ट में सामने आ चुका है कि हमें इस स्क्रीन टाइम को घटाना चाहिए। इसके लिए डिजिटल डिटाक्स के तरीके को फालो करना बेहतर है। इसमें आपको कुछ देर के लिए मोबाइल, लैपटाप या दूसरे गैजेट्स से दूरी बनानी होती है।

हम सिर्फ एक घंटे के डिजिटल डिटाक्स की बात कर रहे हैं। सिर्फ आपको एक घंटे के लिए फोन से दूरी बनाकर रखनी होती है। यह मानसिक तनाव, अवसाद और नींद की कमी को कम करता है। इसके साथ ही यह वास्तविक जीवन, शौक और अपनों के साथ समय बिताने का एक तरीका है। यह एकाग्रता बढ़ाता है और स्क्रीन-आधारित व्यसन से मुक्ति दिलाता है। जब दिमाग खाली होता है तो नए विचार और रचनात्मकता पनपते है, जो लगातार मनोरंजन से दब जाते हैं।

हमारे ज्यादातर काम फोन से ही होते हैं और इस पर लंबे समय तक रील्स देखने की आदत भी लोगों को पड़ चुकी है। धीरे-धीरे इसकी आदत पड़ जाती है और हम बिना किसी कारण के भी फोन देखते रहते हैं।

कम समय के लिए आप किस तरह डिजिटल डिटाक्स को फालो कर सकते हैं। मोबाइल की लत लोगों को इस कदर है कि वो रात को देर तक सिर्फ रील्स देखते रहते हैं। शार्ट वीडियो के अलावा टीवी स्क्रीन पर घंटों बिताना भी इसमें शामिल है। इसके अलावा रोजमर्रा के ज्यादातर काम भी फोन से ही होते हैं। इसे पूरी तरह छोड़ पाना संभव नहीं है लेकिन इस आदत को कंट्रोल करना डिजिटल डिटाक्स कहलाता है। अगर कुछ देर के लिए भी डिजिटल डिटाक्स को फालो करते हैं तो इससे भी दिमाग की कार्यक्षमता बेहतर होती है।

डिजिटल डिटाक्स के फायदे : अगर आप सिर्फ एक घंटे के लिए भी फोन या दूसरी स्क्रीन से दूरी बनाते हैं तो इससे हमारी नींद में सुधार आता है। दिमाग के थक जाने के बावजूद फोन पर समय बिताने से मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ती है। रात में देर तक फोन देखने की आदत लगातार बनी रहे तो स्लीपिंग पैटर्न खराब होता है, इसलिए दिन में एक बार डिजिटल डिटाक्स पर फोकस जरूर करना है।

इससे दिमाग के स्वास्थ्य में भी सुधार आता है क्योंकि फोन की लत हमारे फोकस को बिगाड़ती है। जब हम गैजेट्स से दूर रहते हैं तो दिमाग को आराम मिलता है। इसके अलावा दिमाग में नई कोशिकाएं भी बनती हैं जिससे फोकस बढ़ता है और दूसरे फायदे भी होते हैं।

यह रूटीन काम में गुणवत्ता को बढ़ाता है। दरअसल, चीजों में ध्यान न लगाने की वजह से काम में उत्पादन बिगड़ता है, इसलिए रोजाना कम से कम एक घंटे के लिए डिजिटल डिटाक्स को फालो करना चाहिए।

कैसे करें इसकी शुरुआत

- ज्यादातर लोगों को ये पता ही नहीं होता है कि हमें डिजिटल डिटाक्स को फालो कैसे करना है, इसलिए आपको इसकी शुरुआत सिर्फ एक घंटे के लिए करनी चाहिए।
- इसकी शुरुआत आप रविवार या अपने वीकआफ से कर सकते हैं। धीरे-धीरे आदत बन जाए तो हफ्ते में 3 दिन एक घंटे के डिजिटल डिटाक्स को फालो करें।
- फोन के नोटिफिकेशन्स को इस दौरान पूरी तरह से बंद कर दें। हो सके तो इंटरनेट की सर्विस ही रोक दें। इस दौरान पर जरूरी काल और मैसेज ही चालू रखें।
- फोन की स्क्रीन को कलरफुल रखने की जगह डार्क मोड में रखें। ज्यादा लाइट से आंखों पर बुरा असर पड़ता है।

बैटरी की क्षमता बढ़ेगी, खराब होने की गति धीमी पड़ेगी

डा. राकेश राय • जागरण

▶ सुपर हैलोजन कंपाउंड के इस्तेमाल से बैटरियों पर पानी का कम होगा असर

▶ गोरखपुर विश्वविद्यालय के डा. अंबरीश श्रीवास्तव के शोध ने जगाई उम्मीद

गोरखपुर : सुपर हैलोजन कंपाउंड्स का उपयोग करके बैटरी विकसित करने से एक क्रांतिकारी बदलाव आ सकता है, जो पारंपरिक लिथियम आयन बैटरियों की तुलना में अधिक क्षमता, लंबी उम्र और बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है। यदि किसी बैटरी में हैलोजन (तत्व) की जगह सुपर हैलोजन का उपयोग किया जाए तो बैटरी पर पानी का असर कम हो जाएगा। इससे बैटरी की क्षमता तो बढ़ेगी ही खराब होने की गति भी धीमी पड़ेगी। यह पता चला है डा. अंबरीश कुमार श्रीवास्तव के उस अध्ययन में जिसमें बैटरी के इलेक्ट्रोलाइटिक साल्ट में बदलाव कर उसकी संवेदनशीलता को कम करने पर जोर दिया गया है।

गोरखपुर के दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अंबरीश की यह

प्रो. पूनम टंडन।

डा. अंबरीश।

सुपर हैलोजन के कंपाउंड से तैयार बैटरी व शोधपरक कार्यप्रणाली दर्शाती तस्वीर : गोवि

तकनीक न केवल बैटरियों की क्षमता को बेहतर बनाएगी, बल्कि उनके निस्तारित से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान को भी

> यह शोध विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक वातावरण और शोध संस्कृति का उत्कृष्ट उदाहरण है। आज जब ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा वैश्विक चुनौती है, ऐसे में यह शोध समाज और उद्योग दोनों के लिए उपयोगी साबित होगा। डा. अंबरीश के इस शोध ने विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया।
>
> **- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर**

कम करेगी। असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इस शोध ने लिथियम-आयन बैटरियों की कार्यक्षमता को लेकर नई उम्मीद जगाई है। वर्तमान में घड़ी, मोबाइल फोन जैसे पोर्टेबल इलेक्ट्रानिक डिवाइस में इस्तेमाल हो रही बैटरियां पानी के संपर्क में आने से जल्दी खराब हो जाती हैं, जिससे ई-कचरा लगातार बढ़ रहा है। यह अध्ययन इसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करती है। वर्तमान हैलोजन आधारित बैटरियां अत्यधिक विषाक्त होती हैं, जबकि सुपर हैलोजन-आधारित बैटरी अपेक्षाकृत कम विषाक्त हैं। अमेरिका के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल एल्सवीयर ने इस शोध को प्रकाशित अध्ययन की मौलिकता पर मुहर लगाई है। डा. अंबरीश बताते हैं कि वर्तमान में इस्तेमाल हो रही लिथियम-आयन बैटरियों में एलआइबीएफ4 और एलआइपीएफ6 जैसे कंपाउंड प्रयुक्त होते हैं। इनमें फ्लोरीन तत्व मौजूद होने के कारण पानी के प्रति इनकी ग्राह्यता अधिक होती है। यही वजह है कि पानी के संपर्क में आने पर बैटरियां फूल जाती हैं और उनकी कार्यक्षमता घटने लगती है। डा. अंबरीश ने शोध में एलआइबीएच4, एलआइटीआइएच5 और एलआइवाइएच6 जैसे सुपर हैलोजन कंपाउंड का उपयोग किया। पाया कि इन कंपाउंड में इलेक्ट्रान ग्रहण करने की क्षमता हैलोजन की तुलना में अधिक होती है, जिससे बैटरी की रासायनिक स्थिरता बढ़ती है और पानी का प्रभाव कम पड़ता है। ठोस अवस्था इलेक्ट्रोलाइट्स का उपयोग करने से आग लगने या फटने का खतरा कम हो जाता है। वर्तमान में हैलोजन आधारित बैटरियां अधिक विषाक्त होती हैं और उनके निस्तारण से पर्यावरण प्रदूषित होता है। वहीं, सुपर हैलोजन आधारित कंपाउंड अपेक्षाकृत कम विषाक्त हैं, जिससे भविष्य में ई-वेस्ट और बैटरी जनित प्रदूषण की समस्या कम हो सकती है। दो वर्षों में पूरा हुआ यह शोध पूरी तरह साफ्टवेयर आधारित रहा। इसे व्यावहारिक उत्पादों में बदलने के प्रयास जारी हैं।

परंपरागत प्लास्टिक का विकल्प बनेगा पीएलए माइक्रोप्लास्टिक

संजीव गुप्ता • जागरण

▶ निजी क्षेत्र के साथ मिलकर केंद्र सरकार इसे विकल्प स्वरूप बढ़ावा देने पर कर रही काम

नई दिल्ली : एनसीआर सहित देश भर को परंपरागत प्लास्टिक से मुक्ति दिलाने के निमित्त अब पालीलैक्टिक एसिड (पीएलए) से निर्मित माइक्रोप्लास्टिक को बढ़ावा दिया जाएगा। केंद्र 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत स्वदेशी पीएलए उत्पादन को तो बढ़ावा दे ही रही है, सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा निजी क्षेत्र के सहयोग से इसके लिए बड़ा बाजार भी तैयार कर रही है।

केंद्रीय पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआइपीईटी) द्वारा किए गए नवीनतम अध्ययन में सामने आया है कि पीएलए से बना माइक्रोप्लास्टिक परंपरागत प्लास्टिक की तुलना में मिट्टी में आसानी से विघटित हो जाता है। अध्ययन के अनुसार 180 दिनों के भीतर पीएलए माइक्रोप्लास्टिक में प्रति किग्रा से 287 कण घटकर 18 कण प्रति किलोग्राम रह गए जबकि परंपरागत प्लास्टिक छह माह बाद भी मिट्टी में ज्यों का त्यों बना रहता है। साथ ही मिट्टी की उर्वरता एवं जल स्रोतों को भी दूषित करता है। सीआइपीईटी के पूर्व महानिदेशक एसके नायक ने कहा, पीएलए सूरज की रोशनी और मिट्टी की स्थितियों में तेजी से विघटित होता है और बाद में जैविक विघटन हो जाता है। मतलब, पीएलए परंपरागत प्लास्टिक का वैज्ञानिक रूप से सस्टेनेबल विकल्प है।

हालांकि मकई और गन्ने के अवशेषों से तैयार होने वाला पीएलए माइक्रोप्लास्टिक 100 साल से भी अधिक पुराना है, लेकिन महंगा एवं कम टिकाऊ होने के कारण बड़े स्तर पर उत्पादन के लिए अनुपयुक्त माना जाता था। पहले परंपरागत प्लास्टिक से तीन गुना तक महंगा रहा पीएलए डेढ़ गुना पर आ गया है। आने वाले समय में यह परंपरागत प्लास्टिक की प्रतिस्पर्धी कीमतों पर आ जाएगा। इसी के मद्देनजर बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड (बीसीएमएल) लखीमपुर खीरी के कुंभी क्षेत्र में बड़ा पीएलए प्लांट तैयार कर रहा है, जहां पीएलए माइक्रोप्लास्टिक से घरेलू उपयोगी उत्पाद बनाए जाएंगे। इस प्लांट की आधारशिला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रखी थी जबकि इस साल के अंत तक इस प्लांट का उद्घाटन पीएम नरेन्द्र मोदी के हाथों हो सकता है। बीसीएमएल की कार्यकारी निदेशक अवंतिका सराओगी कहती हैं, ऐसे दौर में जबकि भारत पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में अग्रसर है, बायोडिग्रेडेबल उत्पादों का महत्व और बढ़ जाता है।

प्रतीकात्मक

पीएलए माइक्रोप्लास्टिक की लागत कम करने के लिए उठाए गए सरकारी कदम

- ओडिशा, उत्तर प्रदेश एवं अन्य राज्यों में बायोरिफाइनरी व पीएलए प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं ताकि आयात शुल्क और लाजिस्टिक खर्च कम हो सके।
- बायो-रिफाइनरी के जरिए कृषि अवशेषों को सीधे पीएलए में बदलने की तकनीक पर शोध बढ़ाया गया है।
- 'केमिकल रीसाइक्लिंग' के जरिये पुराने पीएलए को वापस उसके मूल अवयवों में बदलकर नया प्लास्टिक बनाना, कच्चे माल की जरूरत व लागत दोनों को कम कर रहा है।
- प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम 2026 के नए नियम भी बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक के उपयोग को बढ़ावा देते हैं।

इधर उधर की

नाचने के लिए बुलाया रोबोट, करने लगा कुंग-फू

ज्यादा लोगों को देखकर भ्रमित हो गया रोबोट • इंटरनेट मीडिया

बीजिंग, एजेंसी : चीन के शिनजियांग उइगुर में एक स्कूल स्पोर्ट्स डे इवेंट में उस समय हलचल मच गई जब छात्रों के मनोरंजन हेतु नाचने के लिए बुलाए गए रोबोट ने अचानक कुंग-फू शुरू कर दिया। रोबोट के बेकाबू होने का चौंकाने वाला फुटेज सामने आया है। शुरुआत में, रोबोट को खेल के मैदान पर नृत्य करते हुए देखा जा सकता है। इसके बाद कलाकार रोबोट के साथ नृत्य करने के लिए मैदान पर जाते हैं। प्रदर्शन शुरू होने के कुछ ही सेकेंड बाद रोबोट बेकाबू होकर कलाकारों पर कुंग-फू किक मारने लगता है जिससे मैदान में अफरा-तफरी मच जाती है। इसके बाद रोबोट का संचालक दौड़कर किसी तरह उसे अपनी बाहों में लेकर वहां से चला जाता है।

अब मसूड़ों की बीमारी के इलाज के दौरान नहीं मरेंगे गुड बैक्टीरिया

अनुसंधान

अब मसूड़ों की बीमारी के इलाज के दौरान नहीं गुड बैक्टीरिया की मौत नहीं होगी। दरअसल, विज्ञानियों ने मुंह में रहने वाले बैक्टीरिया से निपटने के लिए एक अनोखा तरीका खोजा है। यह उन्हें मारकर नहीं, बल्कि आपस में 'संवाद' के तरीके को बाधित करके किया जाता है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि डेंटल प्लाक बैक्टीरिया अपनी वृद्धि को समन्वित करने के लिए रासायनिक संकेतों का उपयोग करते हैं, और इन संकेतों को अवरुद्ध करके, वे स्वस्थ बैक्टीरिया को बढ़ावा देने और मसूड़ों की बीमारी से जुड़े रोगाणुओं को कम करने में सक्षम हुए। इससे भी अधिक रोचक बात यह है कि मसूड़ों के ऊपर और नीचे आक्सीजन के स्तर के आधार पर बैक्टीरिया का संवाद बदल जाता है, जिससे मुंह के भीतर जटिलता की एक पूरी नई परत का पता चलता है। जीवित रहने के लिए बैक्टीरिया लगातार विकसित होते रहते हैं। इसका एक प्रमुख परिणाम यह है कि कई हानिकारक रोगाणु एंटीबायोटिक्स और कीटाणुनाशकों के प्रति प्रतिरोधी होते जा रहे हैं, जिससे चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा हो रही हैं। लेकिन सभी बैक्टीरिया खतरनाक नहीं होते। वास्तव में, कई मानव शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक हैं। अब, विज्ञानी यह पता लगा रहे हैं कि क्या बैक्टीरिया को पूरी तरह से नष्ट करने के बजाय उनके व्यवहार को प्रभावित करना संभव है। मानव मुंह के अंदर, बैक्टीरिया लगभग निरंतर संचार में रहते हैं। लगभग 700 बैक्टीरियल प्रजातियां वहां रहती हैं, और कई कोरम सेंसिंग नामक प्रक्रिया के माध्यम से रासायनिक संदेशों का आदान-प्रदान करती हैं। इनमें से कुछ सूक्ष्मजीव एन-एसिल होमोसेरिन लैक्टोन (एएचएल) नामक सिग्नलिंग अणुओं का उपयोग करके संवाद करते हैं। शोधकर्ताओं ने यह पता लगाने का प्रयास किया कि ये जीवाणु संकेत मुंह के माइक्रोबायोम को कैसे प्रभावित करते हैं। (एएनआइ)

जुबिन मेहता का सम्मान

नई दिल्ली के लोधी कला जिले में पारसी मूल के दूरदर्शी भारतीय संगीत निर्देशक जुबिन मेहता को सम्मानित किया गया है। यहां उनकी वाल पेंटिंग बनाई गई है। इस उस्ताद ने अपने जोशीले जुनून से दुनिया भर के लोगों के दिलों को झकझोर दिया है। 50 से अधिक वर्षों तक लास एंजिल्स, न्यूयार्क और इजराइल फिलहारमोनिक का मार्गदर्शन करते हुए उन्होंने यह साबित कर दिया है कि संगीत सीमाओं से परे है। जुबिन मेहता को कला के क्षेत्र में योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा 1966 में पद्म भूषण और 2001 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। चंद्र प्रकाश मिश्र

स्क्रीन शाट

मां बनने के बाद बेझिझक कहती हूं ना : रुबीना

दूसरी बार खतरों के खिलाड़ी शो का हिस्सा बन रही हैं रुबीना। इंस्टाग्राम - @rubinadilaik

दो बेटियों की मां और अभिनेत्री रुबीना दिलैक अब रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी में दोबारा जाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में मातृत्व पर आधारित शो द वार्ड से उन्होंने होस्टिंग का सफर भी शुरू किया है। साल 2023 में मां बनी रुबीना का जीवन और निर्णय लेने के तरीके उसके बाद काफी बदला। वह लगातार खुद को चुनौती भी दे रही हैं कि वह बच्चों और काम के बीच संतुलन बना पाए। मदर्स डे के मौके पर रुबीना ने कलर्स चैनल के शो खतरों के खिलाड़ी 15 में जाने का कारण बताते हुए कहा कि वह देखना चाहती हैं कि क्या उनमें वही ताकत और कुशलता बनी हुई है, जो मां बनने से पहले थी।

मां बनने के बाद सीखा ना कहना

मां बनने के बाद खुद में आए बदलावों पर आगे बात करते हुए रुबीना कहती हैं कि अब मुझे ना कहने से कोई हिचकिचाहट नहीं होती है। मैं अब यह नहीं सोचती हूं कि ना कह दिया है, तो अब सामने वाला क्या सोचेगा या उसका मुझ पर क्या प्रभाव होगा। अगर वह काम, मेरे समय के अनुसार सामंजस्य नहीं बिठा पा रहा है, तो मैं बिना किसी दिक्कत के ना कहकर निकल जाती हूं। मुझे लगता है कि मां बनने के बाद आपका जीवन को देखने का नजरिया भी पूरा बदल जाता है। पहले जो चीजें बहुत अहम हुआ करती थीं, मां बनने के बाद उनका कोई अर्थ नहीं रह जाता है। जो चीजें लगती थीं कि इससे हमारा क्या लेना-देना वह अहम हो जाती हैं। इसलिए मैंने होस्टिंग की शुरुआत भी मातृत्व पर बने शो से ही की है।

बच्चों के कारण हुई हां कहने में देरी

रुबीना 40 दिनों के लिए देश से बाहर खतरों के खिलाड़ी 15 के लिए शूट करेंगी। वह इस शो से जुड़ने वाली आखिरी प्रतिभागी थीं। वह कहती हैं कि मुझे हां कहने में तीन महीने लगे। मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती यही थी कि मैं अब मां हूं। मेरी जिंदगी बच्चों के आसपास घूमती है। मेरे लिए अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल आसान नहीं होगा। हर तरह की चीजों के लिए तैयार रहना होगा। मुझे इस शो के लिए किसी तरह का अभ्यास करने का कोई समय भी नहीं मिला, क्योंकि मैं अपने काम और बच्चों में ही व्यस्त रह गई।

मां से अलग है परवरिश का तरीका

अपनी और अपनी मां की परवरिश के बीच का अंतर बताते हुए आगे रुबीना कहती हैं कि उनके दौर में बच्चा पैदा करना जीवन का एक हिस्सा माना जाता था। आज बच्चा पैदा करना एक प्रोजेक्ट जैसा है। यह अंतर दोनों पीढ़ियों में है। वह मां बनने के बाद घर संभालने के बाद अपने खेत-खलिहान को संभालने में लग जाती थीं। खुद के लिए भी वक्त नहीं होता था। आज बच्चा पैदा होने से पहले ही डायपर से लेकर वह कौन से प्ले स्कूल जाने वाले हैं, उसको लेकर चर्चा शुरू हो जाती है। यह एक बड़ा बदलाव है।

मां जैसा बनना कठिन

रुबीना अपनी मां से कई चीजें सीखना चाहती हैं, लेकिन वह करना उन्हें कठिन लगता है। रुबीना कहती हैं कि मेरी मां कभी किसी समस्या से अगर गुजर रही होती है, तो उस दौरान वह उस परिस्थिति को लेकर सबसे मजबूत बन जाती हैं। अपने बच्चों पर वह कोई भी आंच नहीं आने देती हैं। वह कभी हार नहीं मानती हैं। हार न मानने वाला उनका स्वभाव बेहद स्ट्रान्ग है, मैं शायद इस मामले में उनकी जैसी नहीं बन पाऊंगी।

अमीषा भड़कीं, बोली दो औसत फिल्में करके अभिनेत्रियां बुलवा रही हैं स्टार

कहो ना... प्यार है और गदर फिल्मों की अभिनेत्री अमीषा पटेल अपने अभिनय के साथ-साथ बेबाक बातों के लिए भी जानी जाती हैं। अब अमीषा का गुस्सा सिनेमा जगत में अभिनेत्रियों द्वारा कराए जा रहे खुद के झूठे प्रचार पर फूटा है। उन्होंने इस मामले में हाल ही में एक के बाद एक एक्स पर किए कई पोस्ट में लिखा, 'स्वयं को सुपर स्टार तभी कहो जब आपने कोई ऐसा काम किया हो जिसने इतिहास रचा हो और बाक्स आफिस पर तहलका मचा दिया हो। तब तक स्वयं को सुपर स्टार कहने के लिए पीआर (प्रचार) गेम्स खेलना बंद करो।

माफ करना, लेकिन यही कड़वी सच्चाई है। बहुत सारी अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने आज तक अपने करियर में एक भी सोलो ब्लाकबस्टर फिल्म नहीं की है, वे स्वयं को स्टार कह रही हैं। साल में 2 एवरेज फिल्में करने और कुछ शूटिंग सेट पर जाने से आप स्टार नहीं बन जाते। बाक्स आफिस पर 200 करोड़ रुपये वाली फिल्में करने वाली अधिकांश अभिनेत्रियां अपनी पीआर टीमों को खुद को नंबर एक और नंबर दो कहलाने के लिए मोटा पैसा भुगतान कर रही हैं। यह 2026 है, न कि 2000। आज 100 करोड़ कुछ भी नहीं है।' आगे अमीषा ने गदर 3 को लेकर लिखा कि गदर 3 जरूर आएगी और जब आएगी। थिएटर में हंगामा मच जाएगा।

दर्शकों के प्यार और भगवान के आशीर्वाद से.. गदर जैसे ब्रांड के लिए बाक्स आफिस पर 500 करोड़ बस कम से कम है। स्क्रिप्ट और भी बड़ी और धमाकेदार होगी।

गदर 3 से अमीषा को है काफी उम्मीदें। फाइल

सिनेमा में पितृसत्ता पर बोली कृति, यह सोच गहराई से जमी हुई है

कभी फीस के अंतर को लेकर तो कभी सेट पर मिलने वाली सुविधाओं को लेकर, सिनेमा इंडस्ट्री में अभिनेताओं और अभिनेत्रियों के बीच फर्क को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है। अभिनेत्री कृति सैनन इस विषय पर अक्सर मुखर रहती हैं। अब तो वह प्रोड्यूसर भी बन चुकी हैं, तो वह अपने प्रोडक्शन में महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा मौके देना चाहती हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में सिनेमा इंडस्ट्री में पितृसत्ता के प्रभाव को लेकर बात की। उन्होंने कहा, 'जब भी पैसे को लेकर कोई समस्या होती है, जब निर्माताओं को बजट में कटौती करनी होती है, तो वे अक्सर अभिनेत्री की फीस कम कर देते हैं, भले ही बजट का एक बड़ा हिस्सा अभिनेता को जाता हो।'

आगे कृति ने कहा कि इंडस्ट्री में पितृसत्तात्मक सोच अभी भी गहराई से जमी हुई है और हमें बराबरी की ओर बढ़ने के लिए बदलाव करते रहना होगा। यह छोटी-छोटी बातों में भी दिखता है, जैसे फिल्म के सेट पर अक्सर यह देखने की आदत होती है कि अभिनेत्री पहले तैयार है या नहीं, ताकि अभिनेता को इंतजार न करना पड़े। इसे बदलने की जरूरत है। मैंने हमेशा अपने लिए आवाज उठाने की कोशिश की है, लेकिन अपने करियर की शुरुआत में, हर बात पर बोल पाना मुश्किल था। मुझे छोटी-छोटी बातें याद हैं, जैसे एक सह अभिनेता, जो मुझसे सीनियर नहीं था, उसे मुझसे अच्छी कार दी गई थी। यहां बात कार की नहीं, बल्कि बराबरी का सम्मान पाने की है।

फिल्म काकटेल 2 में नजर आएंगी कृति।